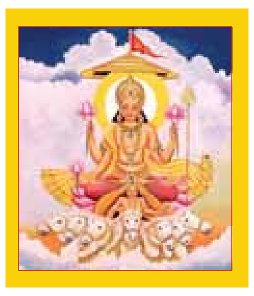

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net
/jagrukjanta
/jagrukjantanews
jagruk_janta

ज्येष्ठ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - अष्टमी , संवत 2079 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-8, अंक-14, 8 जून - 14 जून, 2022 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

यातायात पुलिस तेरा ध्यान कहां है!

जयपुर जैसे महानगर में यातायात को संभालना एक चुनौती है। यातायात पुलिस इस चुनौती को संभालने के लिए पूरे दमखम से सुबह से शाम तक मुस्तैद रहती है। मगर, मुस्तैद कहां रहती है। मुख्य सड़क के आजू-बाजू जाने वाले कालोनी की सड़कों पर। अचानक से कोई बिना हेलमेट के आया और पकड़ लिया। कर दिया चालान। यातायात पुलिस का ध्यान यातायात को सुचारू चलाने में कम, और चालान काटने में ज्यादा रहता है। एक चौराहे पर चार-पांच पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगती है, ताकि चारों तरफ के ट्रेफिक को नियंत्रित किया जा सके। मगर चारों पांचों पुलिसकर्मी एक ही प्वाइंट पर खड़े दिखाई देते हैं। कई बार तो दुपहिया वाहन को पकड़ने लिए उसके पीछे भागते हुए भी देखा जा सकता है। ऐसे में कई लोग लालबत्ती में भी निकल भागते हैं। दूसरी तरफ सीधा सादा आदमी इनकी पकड़ में आ जाता है। देखा जाता है पति-पत्नी साथ जा रहे हैं और उनके बीच में कोई नाबालिग बच्चा मजबूरी के चलते बिठा लिया तो झट से उसे पकड़ लेंगे और काट देंगे चालान। जबकि उनकी आंखों के सामने आवारा किस्म के तीन-तीन चार-चार दुपहिया वाहन पर बैठ के निकल भागते हैं और ये कुछ भी नहीं कर पाते। शहर में कई चौराहे ऐसे हैं जहां बत्ती के आगे वाहन खड़े हो जाते हैं तो सामने वाले को बत्ती दिखना ही बंद हो जाती है जिससे पता ही नहीं चलता बत्ती लाल है या हरी। ऐसे में वाहन चालक इनकी पकड़ में आ जाता है। जैसे पानीपेच पर स्टेशन से आने वाला वाहन अगर चमत्कारेश्वर या शास्त्रीनगर की तरफ जा रहा होता है तो उसे सामने वाली बत्ती दिखाई ही नहीं पड़ती। ऐसी स्थिति जयपुर में कई जगहों पर है। इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। कई बार होता है कि दुपहिया और चौपहिया वाहन हरी बत्ती में चल रहे होते हैं, सड़क पार करते हुए लालबत्ती हो जाती है। ऐसे में उसके सामने कोई दूसरा वाहन होता है तो उसे लांघ कर तो निकला नहीं जा सकता। और यातायात पुलिसकर्मी झट से आकर वाहन को साइड में लगाने की कह कर चालान काट देता है। ये व्यवस्था यातायात सुचारू करने के बजाए सिर्फ चालान के टारगेट को पूरा करने की कवायद मात्र लगती है।

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

shivdayalmishra@gmail.com

नूपुर शर्मा के बोल पर विवाद के बाद प्रवक्ताओं के लिए गाइडलाइन तय

भाजपा ने खींची मर्यादा की लक्ष्मण रेखा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। नूपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद पर की गई टिप्पणी के बाद मचे बवाल के चलते भाजपा सतर्क हो गई है। अब उसने टीवी डिबेट में जाने वाले अपने नेताओं और प्रवक्ताओं के लिए नई गाइडलाइंस तय की हैं। उन्हें डिबेट में शामिल होने के दौरान इनका पालन करना होगा और ऐसा न होना पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन माना जाएगा। भाजपा के सूत्रों ने इन गाइडलाइंस के बारे में जानकारी दी है। प्रवक्ताओं को साफ हिदायत दी गई है कि वे चर्चा के दौरान किसी धर्म, उसके प्रतीकों और पूजनीय हस्तियों के बारे में कोई आपत्तिजनक बात न कहें। प्रवक्ताओं से साफ कहा गया है कि वे बहस के दौरान सीमा को लांघने से बचें।

उकसावे में आने से बचने की दी गई सलाह

भाजपा ने पार्टी प्रवक्ताओं से कहा है कि वे बहस के दौरान उकसावे में आने से बचें। पार्टी की ओर से कहा गया है कि किसी भी तरह के उकसावे में आकर पार्टी की विचारधारा और आदर्शों का उल्लंघन न करें। इसके अलावा प्रवक्ताओं को नसीहत दी गई है कि टीवी पर जाने से पहले टॉपिक चेक करें और उसके लिए पूरी तैयारी करके ही जाएं। ऐसा करते वक्त पार्टी लाइन का भी ध्यान रखा जाए। पार्टी ने साफ किया है कि बहस के दौरान किसी के भी ट्रैप में न फंसें। सिर्फ विकास के मुद्दों पर ही बात करें। भाजपा ने प्रवक्ताओं से कहा है कि वे बहसों को दौरान सिर्फ सामाजिक कल्याण और विकास के मुद्दों पर ही रहें। सरकार की उपलब्धियों के बारे में लोगों को ज्यादा से ज्यादा जानकारी दें। कहा जा रहा है कि भाजपा ने 8 सूत्रीय गाइडलाइंस तैयार की है।

मैं संगठन में पली-बढ़ी हूं, पार्टी के फैसले को स्वीकार करती हूं-भाजपा से निलंबन पर नूपुर

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ 'अपमानजनक टिप्पणी' को लेकर पार्टी प्रवक्ता के पद से हटाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व पदाधिकारी नूपुर शर्मा ने कहा कि वे पार्टी के फैसले का सम्मान करती हैं और इसे स्वीकार करती हैं। उन्होंने कहा कि वे संगठन में पली-बढ़ी हैं और इसके फैसले को स्वीकार करती हैं। उधर, दिल्ली पुलिस ने नूपुर शर्मा और उनके परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने भाजपा की पूर्व प्रवक्ता शर्मा को पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने के बाद जान से मारने की धमकियां मिलने की शिकायतों के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की थी। शर्मा ने उन्हें मिल रही धमकियों का हवाला देते हुए पुलिस से सुरक्षा मुहैया कराने का अनुरोध किया था। एक अधिकारी ने कहा, "शर्मा ने आरोप लगाया था कि उन्हें धमकियां मिल रही हैं और उनकी टिप्पणियों को लेकर उन्हें परेशान किया जा रहा है, जिसके बाद उन्हें एवं उनके परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई गई है।"

पीएम नरेंद्र मोदी ने पहले ही दी थी नसीहत

इससे पहले खुद पीएम नरेंद्र मोदी ने मई में जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद को संबोधित करते हुए कहा था कि हमारे नेताओं को वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए। उन्होंने साफ कहा था कि हमें विकास के मुद्दों पर डटे रहना है। लोग आपको भटकाने और अपने जाल में फंसाने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपको ऐसा नहीं करना है। गौरतलब है कि नूपुर शर्मा ने 26 मई को एक टिप्पणी कर दी थी, जिस पर विवाद छिड़ गया था। इस मसले पर सऊदी अरब, कतर, ओमान, बहरीन और यूएई समेत करीब 15 मुस्लिम देशों ने आपत्ति जताई है। यही नहीं इन आपत्तियों के बाद ही भाजपा ने नूपुर शर्मा को निलंबित करने का फैसला लिया था।

7 जिलों में 2 दिन बारिश का अलर्ट

10 जून से शुरू हो सकती प्री-मानसून की बारिश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में 46 डिग्री सेल्सियस की तेज गर्मी से लोगों को 10 जून बाद राहत मिल सकती है। पूर्वी राजस्थान के कोटा, उदयपुर संभाग के 7 जिलों में प्री-मानसून की बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मौसम केंद्र नई दिल्ली से जारी फोरकास्ट में पूर्वी राजस्थान के हिस्सों में 10 और 11 जून को बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के मौसम की बात करें तो आज राज्य में गर्मी के तेवर तेज रहे। सभी शहरों में आज दिन का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही रहा। पिलानी, कोटा, चित्तौड़गढ़, फलौदी, बीकानेर, चूरू, गंगानगर, धौलपुर, बूंदी, बारां, हनुमानगढ़ और करौली में आज दिन हीटवेव का असर रहा, यहां दिन में पारा 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया। सबसे गर्म दिन आज धौलपुर में रहा, जहां का अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

बादल छाने से मौसम बदला

इससे पहले जयपुर, जोधपुर, अजमेर, नागौर, अलवर बेल्ट में आसमान में सुबह बादल छाए और ठंडी हवाएं चली। हालांकि मौसम का ये असर सुबह 11 बजे बाद बदल गया और आसमान साफ होने लगा। इसके साथ ही तेज धूप निकलने लगी और गर्मी का प्रभाव बढ़ने लगा।

जागरूक खबरें

महीने में 12 टिकट बुक हो सकेंगे ऑनलाइन

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। IRCTC की वेबसाइट से अब एक महीने में 6 की बजाय 12 टिकट बुक किए जा सकेंगे। अगर अकाउंट आधार से लिंक है, तब 24 टिकट किए जा सकेंगे। रेलवे ने इसका आदेश जारी कर दिया है। IRCTC की वेबसाइट पर कुछ बदलाव के बाद कुछ दिनों में ये सुविधा शुरू हो जाएगी। अभी लगभग 80% टिकट ऑनलाइन होते हैं।

सलमान को धमकी का शक लॉरेंस गैंग पर

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। सलमान खान को जान से मारने की धमकी वाला लेटर मिलने के बाद पुलिस ने उनकी सिक्योरिटी बढ़ा दी है। पुलिस ने 200 से ज्यादा CCTV फुटेज कब्जे में लिए हैं। लेटर में मूसेवाला का जिक्र और नीचे LB GB लिखे होने की वजह से लॉरेंस गैंग पर शक जताया जा रहा है।

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery

22 K 916	हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750	हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970	Silver Utensiles
Certified	राशि रत्न

BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

KALINGA INSTITUTE OF INDUSTRIAL TECHNOLOGY (KIIT)
Deemed to be University
Established U/S 3 of UGC Act, 1956, Bhubaneswar, Odisha, India
25 years as an institution, 18 years as a university
KIITEE 2022
Last Date to Apply 12th June 2022
APPLY ONLINE
through KIIT websites www.kiit.ac.in/www.kiitee.ac.in
No Application / Examination Fee (Computer Based Online Test)
KIIT DU Rank 21 | Rank 1 | 801-1000 | QS 5 Stars | IET | NAAC A | ISAS

ACADEMIC PROGRAMMES AVAILABLE

B.Tech (4 Years) in following branches of Engineering : Civil, Mechanical, Electrical, Electronics & Telecommunication, Computer Science, Information Technology, Electronics & Electrical, Electronics & Instrumentation, Mechanical (Automobile), Aerospace, Mechatronics, Electronics & Computer Science, Computer Science & Communication, Chemical Technology, Computer Science & System Engineering

Bachelors Programmes: B.Tech (4 Yrs), B.Tech (Lateral Entry) (3 Yrs), B.Arch (5 Yrs), Bachelor of Design (Fashion/Textile) (4 Yrs), BA.LLB, BBA.LLB & B.Sc.LLB (5 Yrs), Bachelor of Film & Television Production (3 Yrs), BBA (3 Yrs), BCA (3 Yrs), B.Sc. Computer Science (3 Yrs), B.Sc. Nursing (4 Yrs), BA (Hons) in English / Economics / Sociology / Psychology (3 Yrs), B.Com. (Hons) (3 Yrs)

Masters Programmes: M.Sc. Biotechnology (2 Yrs), M.Sc. Applied Microbiology (2 Yrs), M.Sc. in Computer Science (2 Yrs), M.Sc. Nursing (2 Yrs), Integrated M.Sc. & Ph.D (Phy/Chem/Math) (5 Yrs), M.Sc. By Research - S&T Translation (2 Yrs), M.Com. (2 Yrs), MCA (2 Yrs), MBA (2 Yrs), MBA in Business Analytics (2 Yrs), MBA in Supply Chain Management (2 Yrs), MBA in Healthcare Management (2 Yrs), MBA in Construction Management (2 Yrs), MBA in Rural Management (2 Yrs), MBA in Agribusiness Management (2 Yrs), B.Tech & M.Tech - Biotechnology (Dual Degree) (5 Yrs), M.Tech. (2 Yrs), M.Tech. in Defence Technology (2 Yrs), Integrated M.Tech & PhD (5 Yrs), M.Arch (2 Yrs), M.A in English/Economics/Sociology/Psychology (2Yrs), M.A in Spiritualism (2 Yrs), M.A in Yoga Therapy (2 Yrs), M.A in Public Policy (2 Yrs), M.A in Leadership (2 Yrs), M.A in Anthropology (2 Yrs), Master of Public Health (2 Yrs), Master of Hospital Administration (2 Yrs), Master of Mass Communication (2 Yrs), Master of Mass Communication (Integrated) (5 Yrs), LLM (2 Yrs), Ph.D Programmes

CAMPUS PLACEMENT 2022 HIGHLIGHTS
400+ Companies | 4500+ Job offers | 90% Students already placed | ₹ 52 lakhs Highest CTC offered | 2000+ Paid internship opportunities

Director, Admissions:
Admission Cell, Koel Campus, Po- KIIT, Bhubaneswar-751024, Odisha, India
Ph: 8114373311/12/13/14/15, 0674-2741747, Fax : 0674 - 2741465
Email: admission@kiit.ac.in, Websites: www.kiitee.kiit.ac.in & www.kiit.ac.in
KIIT (Deemed to be University) has only one permanent campus in Bhubaneswar, Odisha. It has no other campus / off campus anywhere else in the country and globe.

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?
देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...
Kabira Healthy Growth Yellow Mustard Oil
Natural Immunity Booster
स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।
प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
निर्माण विधी उच्च ताप रहित।
निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
केन्सर को रोकने में लाभदायक।*
मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक।
एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार।
रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में लाभदायक।
केवल देसी सरसों द्वारा निर्मित।
मोटापा घटाने में लाभदायक।
बालों के लिए एक उत्तम तेल।
ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर।
तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी।
अनेक औषधीय गुणों से भरपूर।
सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स।*
छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी।
Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in : Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell), Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil
स्वस्थ जीवन के लिए कौनसा तेल उपयोग करें ?
तेल आप उपयोग करें: कबीरा पीली सरसों का तेल, कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल, कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल, कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल, कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल
तेल आप उपयोग ना करें: कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल, कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल, कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल, कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल, कबीरा रिफाईण्ड सूरजमुखी तेल, कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल
कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER
-: Awards & Achievements :-
To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact : +91 98290 50738
MANISHANKAR OILS PVT LTD www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

सोडाला एलिवेटेड

एलिवेटेड रोड के 6 में से 4 लेन के 4 स्पान लॉन्च

अंबेडकर सर्किल से नंदपुरी मोड़ तक 1.8 किमी में होगा रन

जेडीए का पहला ट्रायल रन जल्द

जून 2016 में शुरू हुए प्रोजेक्ट की डेडलाइन 4 बार बढ़ी... अब 30 जून तक होगा फाइनल... 20 से 30 टन का लोड टेस्ट 48 घंटे तक होगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुरवासियों को एक नई सौगात मिलने जा रही है। सोडाला एलिवेटड लगभग बनकर तैयार है। जल्द ही इसका पहला ट्रायल रन होगा। और फिर ट्रेफिक के लिए हरी झंडी मिलने के साथ ही शहर का बड़ा तबका इसका रोड का बिना किसी रूकावट के उपयोग कर सकेगा। आखिरकार पूरे 6 साल बाद सोडाला एलिवेटेड पर ट्रैफिक दौड़ेगा। जेडीए पहला ट्रायल रन अगले हफ्ते करवाएगा। सोडाला एलिवेटेड पर ट्रैफिक की आवाजाही सबसे पहले अंबेडकर सर्किल के पास एलआईसी की बिल्डिंग के सामने से शुरू होकर हवासड़क नंदपुरी मोड़ तक होगी। पहला ट्रायल रन 1.8 किमी का होगा। इससे पहले लोड टेस्ट किया जाएगा।

एलिवेटेड रोड पर फिलहाल 6 स्पान में से चार स्पान का काम पूरा हो चुका है। जेडीए की देखरेख में कंपनी ने पिलर नंबर 41-42 व 42-43 के एलएचएस यानी चार लेन वाले चार स्पान राम मंदिर की साइड लांच कर दिए हैं। शेष दो एसबीआई सिविल लाइन की तरफ रखे जाएंगे। इसके बाद तार खींचने का काम शुरू होगा और स्पान के नीचे बीयरिंग लगाए जाएंगे। उसके बाद ऊपर रोड बनाई जाएगी। 22 गोदाम सहकार सर्किल के ऊपर वाले स्पान पर लोड टेस्ट किया जाएगा। एमएनआईटी के सहयोग से यह टेस्ट होगा। लोड टेस्ट, स्पान के डिजाइन के हिसाब तय होता है, जो कि 20 टन से शुरू होकर कई जगहों पर 30 टन तक रखा जा रहा है। कहीं चार डंपर तो कहीं 6 डंपर खड़े किए जाएंगे। यह 48 घंटे तक खड़े रहेंगे।

पीक टाइम : 2 सर्किल और 4 चौराहों पर लगता है भीषण जाम

- 250 करोड़ रु. का प्रोजेक्ट है, हवासड़क पर सोडाला एलिवेटेड रोड
- यह एलिवेटेड रोड अंबेडकर सर्किल से सोडाला तिराहे तक 2.8 किलोमीटर लंबा है, इस रूट पर रोजाना करीब 1.40 लाख वाहनों की आवाजाही होती है।
- इस दूरी में दो सर्किल बाइस गोदाम व सिविल लाइंस सर्किल और चार चौराहे नंदपुरी, सी-स्कीम मोड़, चंबल पावर हाउस रोड व राम नगर को सिविल लाइन से जोड़ने वाला चौराहा आता है।

6 साल-कछुआ चाल : बहानों से हर बार बढ़ाते रहे डेडलाइन

- जून 2016 में सोडाला एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट का काम शुरू हुआ। जनवरी 2019 रखी गई थी पहली डेडलाइन, जो 4 बार बढ़ाई गई। लेकिन रोड पर ट्रैफिक दबाव अधिक होने का कारण गिनाते हुए काम की गति धीमी रही
- जेडीए ने डेडलाइन 30 जून 2020 तय की थी। इस दौरान पहला लॉकडाउन लग गया। फिर डेडलाइन 30 जून 2021 हुई। रेलवे लाइन पर स्पान डालने में दिक्कत से डेडलाइन 31 दिसंबर 2021 हुई। अब 30 जून तक काम पूरा करना होगा।

एलिवेटेड रोड का काम लगभग पूरा होने जा रहा है। इसी महीने रोड पर ट्रैफिक शुरू हो जाएगा। दो सप्ताह बाद पहला ट्रायल रन करने जा रहे हैं। जो कि अंबेडकर सर्किल से नंदपुरी तिराहे तक किया जाएगा। दो स्पान की लॉन्चिंग बाकी हैं, लोड टेस्ट शुरू हो जाएंगे।

- देवेंद्र कुमार गुप्ता, डायरेक्टर इंजीनियर जेडीए

बंदरों का ऐसा डर, छत से गिरकर छात्रा की मौत का मामला : कोर्ट ने कहा...

टैक्स वसूलता है निगम जिम्मेदार भी वही

4.65 लाख का हर्जाना

बंदर और कुत्ते आए दिन कर रहे हमले | **लोगों से 100 करोड़ टैक्स, मुआवजा शून्य** | **भय : जान बचाने के लिए छत से कूदे**

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर में आवारा पशु, बंदर और कुत्तों से आम नागरिक किस कदर परेशान है। इसकी एक बानगी हाल ही मानसरोवर क्षेत्र में 15 साल की लड़की की जान जाने के रूप में देखी जा सकती है। नगर निगम की लापरवाही से बंदरों के हमले के दौरान डर से छत गिरने पर एक किशोरी की मौत के मामले में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद जिला न्यायालय, जयपुर ने निगम की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी की है। न्यायालय ने कहा कि निगम शहरवासियों से यूजर चार्ज और यूडी टैक्स सहित अन्य टैक्स वसूलता है। इस राशि का उपयोग निगम भटकते पशुओं को नियंत्रित करने और विकास कार्यों में करता है। लेकिन ऐसा कोई सबूत कोर्ट में निगम पेश नहीं कर सका कि उन्होंने जंगली और खतरनाक भटकते पशुओं को पकड़ने के लिए कोई कार्रवाई की हो। कोर्ट ने नगर निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, लालकोठी और मानसरोवर जोन उपायुक्त पर चार लाख 65 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। कमलेश कुमार और उनकी पत्नी ने कोर्ट में क्षतिपूर्ति दावा पेश किया था।

याचिका में बताया कि मानसरोवर स्थित स्वर्णपथ और आसपास की कॉलोनियों के निवासी बंदरों से परेशान हैं। उनकी पन्द्रह साल की बेटी याशिका सोनी 18 नवंबर 2014 को छत से सूखे कपड़े लेने गई थी। छत पर बंदरों के झुंड ने याशिका पर हमला कर घायल कर दिया। इस दौरान दूसरी मंजिल से गिरने पर उसकी 23 नवंबर को मौत हो गई। दावे पर सुनवाई के दौरान निगम ने कहा किशोरी छत से गिरी और बंदरों ने हमला किया या उसको काटा ऐसा साक्ष्य नहीं है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद माना कि निगम की लापरवाही और बंदरों के डर से किशोरी नीचे गिरी और उसकी मौत हो गई। कोर्ट ने आदेश में कहा कि निगम का विधिक और नैतिक दायित्व है कि वह पशुओं को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था करे, जिसके चलते कोई अप्रिय घटना न हो। कोर्ट ने निगम को हर्जाना राशि ब्याज सहित देने के आदेश दिए हैं।

मांगा जा सकता है हर्जाना

अधिवक्ता ओमप्रकाश यादव ने बताया कि ऐसे मामलों में घातक दुर्घटना अधिनियम के तहत हर्जाना मांगा जा सकता है। इसी के साथ स्थायी लोक अदालत में इस तरह के मामले दायर किए जा सकते हैं। ऐसे मामलों में दस्तावेजी साक्ष्य एवं अन्य सबूतों के साथ कोर्ट में मामला दायर किया जाता है।

निगम 100 करोड़ तक वसूलता है टैक्स

राजधानी में दोनों शहरी सरकारें कर वसूली से अपने खजाने को भरने में लगी हैं। तभी तो नगरीय विकास कर से लेकर यूजर चार्ज के रूप में निगम हर वर्ष शहरवासियों से 100 करोड़ रुपए से अधिक वसूलता है, लेकिन बदले में कुछ नहीं मिलता। क्योंकि निगम में मुआवजे का कोई प्रावधान ही नहीं है। दरअसल, शहरवासी बंदर और कुत्तों के आतंक से परेशान हैं। निगम इनसे राहत देने के लिए हर वर्ष लाखों रुपए खर्च करता है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। बंदरों की संख्या कम हो रही न ही कुत्तों की।

केरल विस के सदस्यों ने देखी राजस्थान विस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। केरल विधान सभा की गृह समिति के सदस्योंर ने मंगलवार को राजस्थादन विधान सभा का अवलोकन किया। विधान सभा सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने केरल विधान सभा की गृह समिति के सभापति श्री कोवोर कुन्ज मोन सदस्यर सर्व ऐ. के. एम.सर्राफ, आई. सी. बालाकृष्ण, सुजीत विजायान पील्लेरई, सी.के.हरीनन्दवरान, पी. नन्दाद कुमार एवं वी.ऐ बीनु. अन्डसर सचिव का पुष्प गुच्छर भेट कर स्वारगत किया। विधान सभा सचिव शर्मा ने केरल विधान सभा की गृह समिति के सभापति कोवोर कुन्जपमोन को विधान सभा की प्रक्रिया, नियमावली एवं समिति की आन्तोरिक कार्य प्रणाली की पुस्तिका व साहित्य् भेट किया। सचिव शर्मा ने राजस्थारन विधान सभा की गृह समिति की कार्य प्रणाली को विस्ताचर से बताया। केरल विधान सभा के कुन्जसमोन ने केरल विधान सभा की कार्य प्रणाली की जानकारी दी। राजस्थुान विधान सभा के सदन का समिति ने अवलोकन किया। इस अवसर पर राजस्थ्ान विधान सभा के वरिष्ठन उप सचिव महेश चन्दस शर्मा और सहायक सचिव अशोक कुमार बंशिया सहित अधिकारीगण मौजूद थे।

मुरलीपुरा नागरिक समूह ने छात्रा सरिता का मनाया जन्मदिन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुरलीपुरा स्थित वैधजी का चौराहा राजकीय सस्कृत स्कूल प्रांगण में आंगनवाड़ी छात्रा सरिता का जन्मदिन पंचदीप प्रज्वालित कर सूक्ष्म यज्ञ हिन्दू संस्कृति अनुरूप गायत्री परिवार से रामराय शर्मा एवं भगवान सहाय आचार्य ने पूजन संपन्न करवाया।

सयोजक नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि छात्रा के माता-पिता के साथ सभी उपस्तिथ सज्जनो ने प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण का संकल्प लिया। सभी को पेस्ट्री, टॉफी, बर्थडे कैप वितरित की, सरिता को, पार्टी वेयर ड्रेस, स्कूल बैग, वाटर बॉटल, मोतियों की माला एवं खिलोने सहित अनेक उपहार भेट किये। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक लोकचंद हरिरामानी, भवानी सिंह राठौड़, गोपाल शर्मा, बजरंग लाल शर्मा, कौशल पारीक, ओमप्रकाश सोनी, काशीनाथ दीक्षित, कुमारी किंजल शर्मा, सुनील पारीक, भरत खंडेलवाल, मातृशक्ति सुलोचना शर्मा, भूमि कृपलानी, पुष्पा शर्मा, कलावती खंडेलवाल सहित अनेक महिलाओ ने भाग लिया।

ई-रिक्शा से जाम की सिटी

2 साल पहले RTO ने ई-रिक्शा के जोन...

प्रस्ताव पास कराया, मगर लागू नहीं किया... अब लाइसेंस जांच

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ढाई साल पहले आरटीओ के अधिकारियों ने खुद ही ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड से परकोटे में ई रिक्शा के लिए 8 जोन का प्रस्ताव पास कराया था लेकिन अब वही इसे लागू नहीं कर रहे हैं। अधिकारियों की इसी लापरवाही के कारण परकोटे में हर दिन घंटों ई रिक्शा के कारण जाम लग रहा है। आरटीओ अधिकारियों ने ही ढाई साल पहले ई-रिक्शा को जोन वाइज बांटने का प्रस्ताव ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड की बैठक में रखा था। अब इनका का तर्क है कि ई रिक्शा के लाइसेंस और इंश्योरेंस की जांच कराई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि अप्रैल 2018 में ही केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने लाइसेंस की अनिवार्यता को खत्म कर दिया था। ढाई साल पहले शहर में 15 हजार ई-रिक्शा थे, अब इनकी संख्या 23 हजार हो गई है। 20 हजार ई-रिक्शा अकेले परकोटे में हैं। अधिकतर के बाद इंश्योरेंस तक नहीं है। दुर्घटना होने पर मृतक को मुआवजा तक नहीं मिलेगा। यह स्थिति तो तब है जबकि ट्रैफिक पुलिस की ओर से आरटीओ को रूट निर्धारण सहित अन्य नियम बनाने के लिए पत्र लिखा जा सकता है।

अप्रैल 2018 में विशेष लाइसेंस की अनिवार्यता खत्म हो चुकी

- 1. **मोतीडूंगरी जोन :** आर्दशनगर, जनता कॉलोनी, सांगानेरी गेट, जवाहर नगर,मोती डूंगरी, गोविंद मार्ग।
- 2. **सिविल लाइंस जोन :** हरनाथपुरा, गोविंदपुरा, कनकपुरा, गिरधारीपुरा, गाांधीपथ, क्वींस रोड, मोतीनगर, हीरापुरा, सहकार सर्किल, एमआई रोड, गोपालपुरा, करतारपुरा, खासाकोठी, चांदपोल।
- 3. **विधाधर नगर जोन :** मुरलीपुरा, हरमाड़ा, विश्वकर्मा, निवारू रोड, कालवाड़ रोड, दादी का फाटक, जंक्श, चिंकारा कैंटीन, खिरनी फाटक, नाहरी का नाका, झोटवाड़ा।
- 4. **सांगानेर :** टोंक रोड, बंबाला पुलिया, प्रताप नगर, हल्दीघाटी, जगतपुरा फाटक, सीबीआई फाटक, खो नागोरिया रोड, लुनियावास, बी-2 बाईपास, मालवीय नगर।
- 5. **मानसरोवर :** श्यामनगर, गुर्जर की थड़ी, न्यू सांगानेर रोड, कमला नेहरू नगर, भांकरोटा, दुर्गापुरा।
- 6. **हवामहल (पूर्व) :** ऑटो मोबाइल नगर, घाटगेट, ईदगाह, गलता गेट, रामगंज, सूरजपोल, जौहरी बाजार, चांदी की टकसाल, मोती कटला, बास बदनपुरा।
- 7. **हवामहल (प.) :** किशनपोल, सांगानेरी गेट, इंदिरा बाजार, नाहरगढ़ रोड, ब्रह्मपुरी, छोटी चौपड़।
- 8. **आमेर :** जोरावर सिंह गेट समेत अन्य इलाके।

गौशालाओं को दी जायेगी 1100 करोड़ रूपये की सहायता

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान गौसंरक्षण एवं संवर्धन निधि नियम-2016 के तहत गठित निधि के अन्तर्गत प्राप्त राजस्व में से गौशालाओं में आश्रय पा रहे गोवंश हेतु 1100 करोड रूपये की सहायता दी जायेगी। यह जानकारी देते हुए गोपालन विभाग के निदेशक डॉ. लाल सिंह ने बताया कि स्टाम्प ड्यूटी व मदिरा पर बिक्री कर लगाये जाने के फलस्वरूप निधि में प्राप्त राशि में से यह सहायता राशि दी जायेगी।

उन्होंने बताया कि प्रथम किश्त के रूप में जारी 358 करोड़ रूपये की राशि में से 180 करोड़ रूपये का भुगतान गौशालाओं को किया जा चुका है। शेष गौशालाओं को भुगतान की कार्यवाही जारी है। डॉ. सिंह ने बताया कि माह अप्रेल से जुलाई 2022 की सहायता राशि के भुगतान हेतु ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की पात्र गौशालाओं में गौवंश के भरण पोषण हेतु वर्ष में अधिकतम 180 दिवसों की सहायता राशि नियमानुसार 90-90 दिवस के दो चरणों में दिये जाने का प्रावधान है। बड़े गोवंश हेतु 40 रुपए तथा छोटे गोवंश हेतु 20 रुपए प्रतिदिन प्रति गोवंश की दर से अनुदान दिया जा रहा है। गोपालन निदेशक ने बताया कि बायोगैस, गौशाला विकास योजना, जिला व पंचायत समिति स्तरीय नन्दीशालाओं पर 727 करोड़ रूपये का व्यय किया जा रहा है। डॉ. सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 1.56 करोड़ रूपये के अनुदान से प्रत्येक ब्लाक में नन्दी शालाएं खोली जा रही हैं, जिससे बेसहारा गोवंश को आश्रय मिलेगा।

राज्यसभा का घमासान: बेनीवाल की चंद्रा को वोट देने की घोषणा

ट्रेनिंग कैम्प में बदली बाड़ाबंदी

सियासी जादूगर कहा तो हंसने लगे गहलोत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यसभा चुनाव से पहले जहां कांग्रेस ने उदयपुर में बाड़ाबंदी की है, वहीं भाजपा ने जयपुर के एक होटल में ट्रेनिंग के नाम से अपने विधायकों को रखा है। इस बीच हॉर्स ट्रेडिंग को लेकर भी सभी पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप लगा रही हैं। आरएलपी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल पर कांग्रेस विधायक और आप पार्टी की ओर से करोड़ों रुपए लेकर चंद्रा को समर्थन देने के आरोप लगाए हैं। चौथी सीट जीतने के लिए मचे घमासान में मंत्री महेश जोशी आज इस मामले को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की। उनका आरोप है कि पर्दे के पीछे से भाजपा पूरा खेल खेल रही है। राज्यसभा चुनावों में नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने बीजेपी समर्थक? निर्दलीय उम्मीदवार सुभाष चंद्रा को वोट देने की घोषणा के बाद सियासत गर्मा गई है।

बेनीवाल पर लग रहे आरोप

आरएलपी के तीनों विधायकों के निर्दलीय सुभाष चंद्रा को वोट देने की घोषणा के बाद कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने बेनीवाल की पार्टी पर निशाना साधा और इसे किसान विरोधी फैसला करार दिया है। वहीं, आप के राजस्थान प्रभारी विनय मिश्रा ने भी बेनीवाल पर 40 करोड़ रुपए लेकर चंद्रा को समर्थन देने का आरोप लगाया है। दिव्या ने लिखा- रालोपा भाजपा की B टीम है। यह किसान विरोधी निर्णय है। कांग्रेस के तीन उम्मीदवारों में से एक उम्मीदवार रणदीप सुरजेवाला किसान वर्ग से हैं। किसान हितैषी होते तो उनके पक्ष में समर्थन में मतदान का निर्णय लेते। मदेरणा ने कहा बेनीवाल ने किसान आंदोलन के बहाने बीजेपी से गठबंधन तोड़ा। अब भाजपा के उतारे हुए उम्मीदवार सुभाष चंद्रा जी को वोट देंगे।

सीट विक्रेता बताया

राज्यसभा चुनाव में जीत को लेकर चल रही खींचतान में आप पार्टी भी शामिल हो गई है। पाटी प्रभारी ने हनुमान बेनीवाल को राज्यसभी सीट विक्रेता बताया है। उन्होंने कहा कि आज के बाद राजस्थान की जनता हनुमान बेनीवाल जी से सवाल करेगी कि? जब भाजपा से ही पहले प्रत्यक्ष रूप से और फिर अप्रत्यक्ष रूप से गठबंधन करना था तो तीसरे विकल्प के सपने क्यों दिए? अब आपके झूठे सपने और वादे में राजस्थान की जनता नहीं आएगी बेनीवाल जी, अब जनता सजग हो चुकी है। मिश्रा ने ट्वीट कर बेनीवाल पर आरोप लगाए हैं। हालांकि, राजस्थान में आप पार्टी को कोई एमएलए नहीं है, इसलिए इन चुनाव में उसके पास कुछ खोने या पाने के लिए नहीं है। पंजाब जीत के बाद पार्टी राजस्थान में अपने प्रसार की कोशिश में है।

बाड़ाबंदी बनी ट्रेनिंग कैंप

जयपुर के पास जामड़ोली में एक फाइव स्टार रिसॉर्ट में बीजेपी विधायकों की बाड़ेबंदी चल रही है। मंगलवार सुबह सामूहिक योगा से बीजेपी विधायकों की दिन की शुरुआत हुई। कहा जा रहा है कि पार्टी ने बाड़ेबंदी को ट्रेनिंग कैंप में बदल दिया है। यहां अलग-अलग अभ्यास वर्ग हो रहे हैं। अभ्यास वर्ग में 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और भाजपा की विकास यात्रा' सेशन आयोजित किए गए।

सियासी जादूगर कहा तो हंसने लगे गहलोत

उदयपुर में ताज अरावली रिसोर्ट में विधायकों की बाड़ेबंदी के बीच उनके मनोरंजन की भरपूर कोशिश की जा रही है। सीएम अशोक गहलोत और पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा की मौजूदगी में जादूगर आंचल शो दिखाया गया।

इसी शिक्षा सत्र से होगी स्कूलों की शुरुआत

222 सरकारी स्कूल बने महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढने का सपना देखने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों का सपना सरकार पूरा करने जा रही है। हाल ही में शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 222 सरकारी स्कूलों को महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में रूपांतरित किया है। इसमें जयपुर के ग्रामीण इलाकों के 28 स्कूल भी शामिल हैं। शिक्षा विभाग ग्रुप वन के उप शासन सचिव भारतेंद्र जैन ने यह आदेश जारी किए हैं। आदेशों के मुताबिक इन स्कूलों का संचालन शिक्षा सत्र 2022-23 से किया जाएगा। स्कूलों में आवश्यक अतिरिक्त पदों को विभाग प्रारंभिक शिक्षा विभाग में उपलब्ध आरक्षित पदों और अन्य विद्यालयों से वर्तमान स्वीकृत स्ट्रेंथ के तहत करेगा। आदेशों में कहा गया है कि पदों की उपलब्धता नहीं होने की स्थिति में माध्यमिक शिक्षा विभाग अतिरिक्त पदों के लिए अलग से स्कूलवार प्रस्ताव भिजवाए।

कहां कितने स्कूल हुए रूपान्तरित

अजमेर में 4, अलवर में 22,बाड़मेर में 2, भरतपुर में 9, भीलवाड़ा में 22, जयपुर में 28, बीकानेर में 14, बूंदी में 3, चित्तौडगढ़ में 5, दौसा में 7, धौलपुर में 1, हनुमानगढ़ में 11, झालावाड़ में 5, झुंझुनू में7, जोधपुर में 4, करौली में 5, नागौर में 20, राजसमंद में 2एसवाई माधोपुर में 13,सिरोही में 12,श्रीगंगानगर में 9,टोंक में 4 और उदयपुर में 13 स्कूलों को महात्मा गांधी स्कूलों में रूपांतरित किया गया है।

रोडवेज में पुलिस जवानों की यात्रा पर ब्रेक

आरएफआईडी कार्ड से अब दिल्ली तक फ्री सफर नहीं कर सकेंगे, एक बस में 5 से ज्यादा को नहीं मिलेगी एंट्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान रोडवेज ने राज्य के पुलिस जवानों की फ्री यात्रा पर ब्रेक लगाए है। रोडवेज प्रशासन ने एक आदेश जारी करते हुए आरएफआईडी कार्ड से दिल्ली तक फ्री यात्रा करने वाले पुलिस के जवानों राजस्थान की सीमा तक ही सीमित कर दिया है यानी उन्हें अब दिल्ली तक फ्री सफर का फायदा नहीं मिलेगा। इतना ही नहीं एक बस में 5 से ज्यादा पुलिस के जवान आरएफआईडी कार्ड से ट्रेवल नहीं कर सकेंगे।

आरएसआरटीसी ऑफिसर्स एसोसिएशन ने पिछले दिनों रोडवेज सीएमडी को एक पत्र लिखा था, जिसमें बताया था कि राज्य में 300 रुपए महीने पर पुलिस के जवानों को आरएफआईडी कार्ड से रोडवेज बसों में असीमित यात्रा की सुविधा दी जा रही है। इस सुविधा के शुरू होने के बाद से रोडवेज बसों में पुलिस के जवानों की आवाजाही बहुत बढ़ गई और उसके कारण दूसरे यात्रियों को जगह नहीं मिल पा रही। ऐसे में बसों में आरएफआईडी कार्ड से यात्रा करने वाले पुलिस के जवानों की संख्या को बस में सीमित किया जाना चाहिए। इसी तरह एसोसिएशन के महासचिव सुधीर भाटी ने बताया कि इस सुविधा के शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में जवान राजस्थान से बाहर दिल्ली का भी सफर करने लगे है। इससे रोडवेज को हर महीने करीब 50 लाख रुपए का नुकसान हो रहा है।

15 जून तक होंगे ब्लॉक अध्यक्षों के चुनाव-निरुपम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में संगठन को लेकर मंगलवार को प्रदेश संगठन चुनाव प्रभारी संजय निरुपम ने पीसीसी मुख्यालय में कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक ली और ब्लॉक लेवल के चुनाव 15 जून तक कराने के निर्देश दिए। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रहे कई नेताओं ने भी संगठन चुनाव को लेकर अपनी अपनी शिकायत व सुझाव भी दिए।

बैठक के बाद प्रदेश संगठन चुनाव प्रभारी संजय निरुपम ने कहा कि ब्लॉक अध्यक्षों के चुनाव 15 जून तक कराए जाएंगे। हालांकि यह चुनाव पहले 31 मई तक कराए जाने थे, लेकिन राज्य सभा चुनाव के चलते इसे आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि ब्लॉक अध्यक्षों के बाद जिला और प्रदेश लेवल पर चुनाव होंगे और उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। संभाग अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर संजय निरुपम ने कहा कि संगठन में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जिम्मेदारी दी जाए तो इससे संगठन मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि संभागीय अध्यक्ष पर नियुक्ति का फैसला उनके हाथ में नहीं बल्कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को करना है।

एक पद पर 5 साल के बाद 3 साल का कूलिंग पीरियड जरूरी

संगठन चुनाव प्रभारी संजय निरुपम ने कहा कि एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत हो या फिर 5 साल एक पद पर रहने के बाद उस व्यक्ति के लिए 3 साल का कूलिंग पीरियड जरूरी है। उन्होंने कहा कि या तो 5 साल एक पद लेने के बाद उस व्यक्ति को प्रमोट किया जाए और अगर प्रमोट नहीं किया जाता है तो फिर उन्हें सेम पोस्ट पर रहने के लिए 3 साल का कूलिंग पीरियड जरूरी होगा।

जयपुर एयरपोर्ट पर अक्टूबर से बदल जाएगी व्यवस्था

इंटरनेशनल उड़ान टर्मिनल 1 और घरेलू उड़ान के लिए टर्मिनल 2 पर जाना होगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट को 25 अक्टूबर से नया टर्मिनल भवन मिल जाएगा। इसके बाद उड़ान के लिए यात्रियों की व्यवस्था में बदलाव किया गया है। अक्टूबर से इंटरनेशनल फ्लाइट टर्मिनल एक और घरेलू फ्लाइट टर्मिनल 2 से मिल सकेगी। 15 जुलाई 2013 तक जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स संचालन 2 टर्मिनल भवनों से होता था। मौजूदा टर्मिनल-2 से घरेलू फ्लाइट्स संचालित होती थीं, वहीं इंटरनेशनल फ्लाइट्स के टर्मिनल-1 था। 16 जुलाई 2013 को एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 को बंद कर दिया गया। इंटरनेशनल फ्लाइट्स को टर्मिनल-2 पर शिफ्ट कर दिया गया। 2017 में टर्मिनल-2 पर यात्रीभार अधिक हो गया। ऐसे में टर्मिनल-1 11500 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनाया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने 67 करोड़ का बजट खर्च किया है।

6 इंटरनेशनल फ्लाइट्स, 200 CISF जवान तैनात होंगे

एयरपोर्ट प्रशासन ने इसे इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए चिन्हित किया है। कोरोना से पहले जयपुर एयरपोर्ट से रोजाना 7 इंटरनेशनल फ्लाइट्स थीं। अब 6 इंटरनेशनल फ्लाइट हैं। दुबईकी 2, शारजाह, मस्कट, आबूधाबी और बैंकॉक के लिए एक-एक फ्लाइट हैं। टर्मिनल-1 को शुरू करने के लिए सीआईएसएफ ने 200 अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के लिए प्रस्ताव भेजा हुआ है। जयपुर एयरपोर्ट पर 600 सुरक्षाकर्मी हैं, टर्मिनल-1 शुरू होने पर इनकी संख्या 800 हो जाएगी। अडानी समूह ने टर्मिनल-1 पर शॉपिंग के लिए दुकानें खोलने की तैयारी भी शुरू कर दी है। फ्लाइट संचालन शुरू करने से पहले यहां कई दुकानें खोली जाएंगी।

एयरपोर्ट टर्मिनल 1 का भवन 2 मंजिला

- » ग्राउंड फ्लोर से आवागमन होगा। फर्स्ट फ्लोर पर ऑफिस बनाए गए हैं
- » अराइवल एरिया में कस्टम के 4 और डिपार्चर एरिया में 2 काउंटर हैं
- » इमिग्रेशन के 8 काउंटर अराइवल और 8 काउंटर डिपार्चर एरिया में।
- » एयरलाइंस के लिए डिपार्चर एरिया में 10 चैक इन काउंटर बनाए गए हैं
- » यात्रियों के लिए ग्राउंड फ्लोर पर 2 बोर्डिंग गेट बनाए गए हैं।
- » एयरोब्रिज नहीं बनने से फ्लाइट से सीधे विमान में आवागमन नहीं होगा।

पढ़ाओ-बेटी बचाओ अभियान के अंतर्गत

आंगनबाड़ी में संस्कृति के अनुरूप मनाया बालिका का जन्मदिन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुरलीपुरा स्कीम के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी संख्या-2 में बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ अभियान के अंतर्गत खुशियों के स्नेहमय फुहारे कार्यक्रम के तहत नागरिक ग्रुप मुरलीपुरा की ओर से कुमारी भूमिका का चौथा जन्मदिन भारतीय संस्कृति के अनुसार मनाया गया।

गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा के प्रभारी महेन्द्र कुमार ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप बच्ची और उनके माता-पिता से पंचतत्वों का पूजन करवा कर बच्ची के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ दीपक प्रज्जवलित कर गायत्री महामंत्र के साथ आहुतियां अर्पित करवाई। उपस्थित लोगों ने बच्ची पर पुष्पवर्षा कर आशीर्वाद प्रदान किया। उपस्थित लोगों ने बच्ची का माल्यार्पण, तिलक और कलावा से अभिनंदन करते हुए ड्रेस, स्कूल बैग, चॉकलेट सहित अनेक उपहार प्रदान किए।

आंगनबाड़ी प्रभारी अनिता सैन, नागरिक ग्रुप मुरलीपुरा के मुख्य सहयोगी ओम प्रकाश सोनी, भवानी सिंह राठौड़, गोपाल शर्मा, लोकचंद हरिरामानी, मोहन नामदेव, भरत खंडेलवाल, पी एन भटनागर, बजरंग लाल शर्मा, नगेन्द्र वशिष्ठ, सुनील पारीक, भूमिका कृपलानी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आंगनबाड़ी के सभी बच्चों को भी टॉफी और केक वितरित किया गया। ग्रुप के संयोजक नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि मुरलीपुरा की सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चियों का जन्मदिन भारतीय संस्कृति के अनुसार उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा। बेटियों के जन्मदिन मनाने का उद्देश्य समाज को यह संदेश देना है कि बेटियां बेटों से कम नहीं है।

नई पहल

प्राइम लोकेशन की जमीन रेंट पर देगा रोडवेज

बस डिपो और स्टेंड पर खुलेंगे पेट्रोल पंप, सीएनजी और चार्जिंग स्टेशन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शहरों में प्राइम लोकेशन पर सीएनजी पंप और इलेक्ट्रिक गाड़ियों के चार्जिंग स्टेशनों की कमी को देखते हुए राजस्थान रोडवेज ने नई पहल शुरू की है। रोडवेज ने इन आउटलेट्स को खोलने के लिए शहरों में मौजूद अपनी प्राइम लोकेशन की प्रोपर्टी को किराये पर देने का निर्णय किया है। इन आउटलेट्स के खुलने से न केवल लोगों को फायदा होगा, बल्कि रोडवेज को भी रेवेन्यू मिलेगा। रोडवेज प्रशासन इन आउटलेट्स को खोलने के लिए अपनी जमीनें ऑयल-गैस कंपनियों (IOCL, BPCL, HPCL समेत अन्य कंपनियों) को किराये पर देगा।

रोडवेज प्रशासन ने सभी पिछले दिनों सभी तेल-गैस कंपनियों को एक पत्र लिखकर उनसे प्रस्ताव मांगे है।रोडवेज की अधिकांश जमीनें राज्य के प्रमुख शहरों में प्राइम लोकेशन पर है। इन लोकेशन पर तेल-गैस कम्पनियों को दूसरी जमीन खरीदना या लीज पर मिलना मुश्किल है। शहरों में जमीनों की कमी होने के कारण इन स्टेशनों को शहरों से बाहर खोला जा रहा है। ऐसे में शहर में बीच और प्राइम लोकेशन पर ये सुविधाएं उपलब्ध हो इसके लिए रोडवेज ने अपनी खाली पड़ी जमीनों को लीज पर देने की प्लानिंग की है।

108 बस डिपो और स्टेण्ड है पूरे राज्य में

राजस्थान में जयपुर, जोधपुर समेत सभी जिलों और अन्य शहरों में 108 से ज्यादा सम्पत्तियां है। इन सम्पत्तियों पर अगर कंपनियां सीएनजी पम्प और चार्जिंग स्टेशनों खोलना चाहेगी तो उन्हें जमीनों पर लैण्डयूज चैंज करवाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। इन जमीनों पर एक या एक से अधिक आउटलेट खोले जा सकेंगे। जिसमें पेट्रोल-डीजल पम्प के अलावा सीएनजी व इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज स्टेशन भी खोले जा सकेंगे।

डीएलसी रेट्स का 10 फीसदी लिया जाएगा किराया

इन जमीनों को रोडवेज की ओर से डीएलसी रेट्स का 10 फीसदी वार्षिक दर से किराया लिया जाएगा। किराये की गणना वर्तमान डीएलसी दर से निर्धारित की जाएगी। पम्प खोलने के लिए जमीन को 19 साल 11 महीने के लिए लीज पर दिया जाएगा। इस अवधि के पूरा होने के बाद रोडवेज प्रशासन अवधि को आगे और भी बढ़ा सकता है।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET
SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner | Facebook Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सीखने की बात

अपनी जरूरत के लिए धन कमाना अच्छी बात है, किन्तु धन-दौलत जमा करने की भूख होना बुरी बात है...

- अज्ञात

अब बोलिये तुर्किये

तुर्की ने अपना नाम बदलकर तुर्किये कर लिया और संयुक्त राष्ट्र से आधिकारिक रूप से इस नाम को मंजूरी भी मिल गई। तुर्की ने अपनी ओर से तुर्किये नाम को बीते दिसंबर में ही तय कर लिया था। तुर्की और तुर्किये में भला क्या अंतर है? दरअसल, स्थानीय भाषा में तुर्किये ही लिखा-बोला जाता है, तुर्की नाम तो बाकी दुनिया के लोगों ने रख दिया था। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन तुर्की नाम को गुलामी का प्रतीक मानते हैं, इसलिए वह तुर्किये नाम के पक्ष में अभियान चला रहे थे और उन्हें कामयाबी हासिल हुई है। अब पाठ्यपुस्तकों से लेकर खबरों तक तुर्की शब्द का लोप हो जाएगा और तुर्किये शब्द प्रचलन में आ जाएगा। विख्यात लेखक शेक्सपियर ने कहा था, 'नाम में क्या रखा है?' इसका एक माकूल जवाब हिंदी के ख्यात साहित्यकार हजारी प्रसाद द्विवेदी ने दिया था, 'नाम इसलिए बड़ा नहीं है कि वह नाम है। वह इसलिए बड़ा होता है कि उसे सामाजिक स्वीकृति मिली होती है। रूप व्यक्ति-सत्य है, नाम समाज-सत्य। नाम उस पद को कहते हैं, जिस पर समाज की मुहर लगी होती है, आधुनिक शिक्षित लोग जिसे सोशल सैंक्शन कहा करते हैं। मेरा मन नाम के लिए व्याकुल है, समाज द्वारा स्वीकृत, इतिहास द्वारा प्रमाणित, समष्टि मानव की चित्त गंगा में स्नात।'

नाम वाकई भाव, प्रभाव और विचारों पर असर डालता है। तुर्किये अगर आज नाम बदलकर गौरव का एहसास कर रहा है, तो उसे इसका हक है। तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन का मानना है कि तुर्किये नाम से देश का इतिहास झलकता है और यह देश की संस्कृति व सभ्यता का प्रतिनिधित्व करता है। स्वतंत्रता की घोषणा के बाद इस देश ने 1923 में खुद को तुर्किये ही कहा था। बाद में एक पक्षी तुर्की नाम से प्रसिद्ध हुआ, तो कैंब्रिज शब्दकोश में तुर्की शब्द का मतलब एक ऐसी चीज से भी है, जो बुरी तरह नाकाम हो गई हो। नाम बदलने वाला तुर्किये कोई पहला देश नहीं है, हम अपने पड़ोस में ही अगर देखें, तो बर्मा ने अपना नाम म्यांमार कर लिया और सीलोन ने अपना नाम श्रीलंका। दूर की बात करें, तो दक्षिण रोडेशिया बन गया जिम्बाब्वे, तो स्वाजीलैंड बन गया इस्वातिनी। नाम बदलने की प्रक्रिया में लगभग हर जगह गुलामी या थोपे गए नाम से आजादी की कोशिश ही झलकती है। आज दुनिया का शायद ही कोई ऐसा राष्ट्र होगा, जो अपनी गुलामी के दौर की यादों को सहेजकर रखना चाहता होगा। नए दौर में धन की आजादी के साथ ही मन की आजादी की भी दुनिया में हवा चल रही है। लोग अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहते हैं, तो देशों को भी लौटना होगा। इसमें कुछ गलत नहीं है, हर कोई अपनी मजबूत बुनियाद पर खड़े होने की कोशिश में है। वर्तमान बुनियाद यदि मजबूत नहीं है, तो इतिहास में बुनियाद की तलाश हो रही है। कलकत्ता से कोलकाता, मद्रास से चेन्नई, बॉम्बे से मुंबई, बंगलोर से बेंगलुरु, मैसूर से मैसुरु तक का सफर हमने भी तो तय किया है। हम लगातार अपनी जगहों और सड़कों के नाम बदल रहे हैं। जो नाम थोपे गए हैं, जो नाम ज्यादातर स्थानीय लोगों के आत्मसम्मान, संस्कृति, समाज पर चोट करते हैं, उनकी विदाई का दौर पूरी दुनिया में चल रहा है। यह प्रचलन बुरा नहीं है, लेकिन नाम बदलते समय कोरी राजनीति जब काम करती है, तो कुछ न कुछ गलत हो ही जाता है।

सम्पादकीय

जनसंख्या नियंत्रण

भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून की जरूरत दशकों से महसूस हो रही है। ऐसा कानून बनाने के लिए अगर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने संकेत दिए हैं, तो कोई आश्चर्य नहीं। उनके मुताबिक, सरकार जल्द ही देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून लाएगी। पटेल की यह घोषणा इसलिए भी मायने रखती है कि उनका विभाग बढ़ती आबादी की जरूरत को सीधे झेलता है। गरीब कल्याण की किसी भी योजना में बढ़ती आबादी रोड़े की तरह काम करती है। हम अक्सर पश्चिमी देशों की बसावट और वैभव की मिसाल देते हैं। असंख्य भारतीयों को लुभाने वाले अमेरिका का अगर उदाहरण लें, तो वह आकार में भारत से तीन गुना से ज्यादा बड़ा है, पर उसकी आबादी भारत से करीब एक चौथाई ही है। जहां मानव बसावट है, वहां दोनों देशों की जनसघनता में ग्यारह गुना का अंतर है। मतलब जितनी जगह में एक अमेरिकी रहता है, उतनी ही जगह में 11 भारतीय रहते हैं। यह भी कहा जाता है कि भारत को प्रकृति का वरदान है, इस उपजाऊ भूमि पर दुनिया के 17 प्रतिशत से भी ज्यादा इंसान रहते हैं। कुल मिलाकर, बढ़ती आबादी सुविधाओं को प्रभावित करती है। संसाधनों का अभाव होता है और प्रकृति पर बोझ बढ़ता है। गंदगी और बीमारी को बढ़ावा मिलता है, अतः जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून के पक्ष में मजबूत पैरोकारी होती रही है। हालांकि, इस कानून का विरोध भी खूब है। इस कोशिश को एक धर्म विशेष के खिलाफ मानने वाले भी कम नहीं हैं। लेकिन पत्रकारों के सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने दृढ़ता के साथ इशारा कर दिया कि इसे जल्द ही लाया जाएगा, चिंता न करें। जब इस तरह के मजबूत और बड़े फैसले पहले भी लिए गए हैं, तो बाकी भी लिए जाएंगे। मंत्री की दृढ़ता साफ संकेत है कि सरकार इस बड़ी पहल के लिए तैयार है। वैसे दो साल पूर्व राज्यसभा में राकेश सिन्हा ने जनसंख्या विनियमन विधेयक पेश किया था। तब सरकार का रुख इसके बहुत अनुकूल नहीं था। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि अभी जागरूकता के जो प्रयास हैं, उनसे आगे जाकर कानून लाने या कड़ाई बरतने का सरकार का इरादा नहीं है। खैर, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री का ताजा बयान सरकार के रुख में आए बदलाव के संकेत दे रहा है। जनसंख्या नियंत्रण के उदार उपाय अगर कारगर नहीं हो पा रहे हैं, तो कड़े कानून की जरूरत से कौन इनकार करेगा? संयुक्त राष्ट्र की वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की जनसंख्या एक दशक में चीन से आगे निकल जाएगी। अतः एक तार्किक जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर आबादी को स्थिर रखना या घटाना बहुत जरूरी हो गया है। ध्यान रहे, 7 फरवरी, 2020 को एक विधेयक शिवसेना सांसद अनिल देसाई ने भी राज्यसभा में पेश किया था। जनसंख्या नियंत्रण में योगदान देने वालों को कर, रोजगार, शिक्षा आदि में प्रोत्साहन, रियायत देकर मजबूत करने की जरूरत है। ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों को दंडित भले न किया जाए, लेकिन कम बच्चे पैदा करने वालों के प्रोत्साहन को समान भाव से सुनिश्चित करना चाहिए। एक अच्छा कानून बना देना ही पर्याप्त नहीं होगा, उसे ढंग से लागू करना ज्यादा जरूरी है। लगे हाथ हर धर्म के ऐसे लोगों पर लगाम जरूरी है, जो लोगों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

विकसित और विकासशील समाजों में अधिकतर महिलाएं घर और बाहर दोनों जगह काम करती हैं। घर का काम सिर्फ उनकी जिम्मेदारी माना जाता है और बाहर काम का दबाव उन्हें औरों से बेहतर परफॉर्म करने को मजबूर करता है। इसकी वजह से डिप्रेशन, एंग्जाइटी, बीपी, डायबीटीज जैसी समस्याएं महिलाओं में भी आम हो गई हैं।

महिलाओं की सेहत को लेकर कौन करे चिंता

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

> चूंकि महिलाएं एक साथ घर और दफ्तर की जिम्मेदारियां निभाती हैं, ऐसे में उन्हें अपना खुद का ख्याल रखने का वक्त ही नहीं मिल पाता। जाहिर है कि वक्त की कमी से उपजी इस लापरवाही के कारण महिलाओं को सेहत संबंधी अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों का सामना करना होता है।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपनी सेहत का भी पूरी तरह ख्याल नहीं रख पाते, ऐसे में अगर हम सिर्फ महिलाओं की सेहत की बात करें, तो थोड़ी हैरानी होना स्वाभाविक है। लेकिन यह इसलिए जरूरी है कि मौजूदा दौर में महिलाओं को एक साथ अनेक मोर्चों पर दायित्व संभालने होते हैं। वे अपने पूरे परिवार की सभी जरूरतों को पूरा करने में निरंतर जुटी रहती हैं, अगर कामकाजी हैं, तो दफ्तर का कामकाज भी पूरी तन्मयता से पूरा करती हैं और घर में अगर बुजुर्ग हैं, मसलन मां-बाप या सास-ससुर अथवा अन्य कोई, तो इनकी जरूरतों का ध्यान रखने का दायित्व भी घर की महिलाओं का ही है। हाल ही मुझे एक फार्मा कंपनी एमक्योर फार्मास्युटिकल्स के एक बड़े अधिकारी से बातचीत करने का अवसर मिला। इस कंपनी ने 'एमवोकल' नाम से एक इनिशिएटिव लॉन्च किया है, जिसके तहत महिलाओं की सेहत से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जाएगा। इस पहल के पीछे कंपनी का विजन यह है कि चूंकि महिलाएं एक साथ घर और दफ्तर की जिम्मेदारियां निभाती हैं, ऐसे में उन्हें अपना खुद का ख्याल रखने का वक्त ही नहीं मिल पाता। जाहिर है कि वक्त की कमी से उपजी इस लापरवाही के कारण महिलाएं एनीमिया की शिकार हो जाती हैं और इसके साथ उन्हें स्तनपान और मासिक धर्म जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों का भी सामना करना होता है।

भारत के पांचवें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-2021) के अनुसार, 15-19 वर्ष की आयु की महिलाओं में एनीमिया की व्यापकता 59.1 प्रतिशत है, जबकि 49 वर्ष की आयु की गर्भवती महिलाओं में यह 52.2 प्रतिशत थी। डिजिटल रूप से सुलभ जानकारी और सूचनात्मक वीडियो के माध्यम से, एमवोकल अभियान एनीमिया के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा और महिलाओं को इससे निपटने के लिए जरूरी कदम उठाने के लिए प्रेरित करेगा। एमवोकल अभियान के तहत मां के स्वास्थ्य के महत्व और इसके फायदों पर समझ को बढ़ावा देगा और इस दौरान स्तनपान के लाभों पर भी व्यापक रूप से चर्चा की जाएगी। एमवोकल का तीसरा जागरूकता क्षेत्र मासिक धर्म स्वास्थ्य से संबंधित है। मासिक धर्म को अभी भी भारत में कई भ्रांतियों के साथ एक वर्जित विषय माना जाता है और इसे तत्काल बदलने की आवश्यकता है।

दरअसल महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दे अभी भी व्यापक रूप से तर्कहीन वर्जनाओं से जुड़े हुए हैं। लोगों में जागरूकता की कमी के कारण ऐसी स्थिति कायम है और इसका नतीजा यह होता है कि ज्यादातर महिलाओं को स्वास्थ्य के मोर्चे पर अनेक चुनौतियों से जूझना होता है। महिलाओं की सेहत से जुड़े ऐसे गंभीर मसलों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए ही 'एमवोकल' इनिशिएटिव लॉन्च किया गया है। यह जागरूकता अभियान है जिसे फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एफओजीएसआई) के सहयोग से शुरू किया गया है। इस पहल के तहत ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और व्यक्तिगत डिजिटल सहायक जैसी तकनीकों का उपयोग करते हुए देशभर में एक करोड़ महिलाओं तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभियान नौ भारतीय भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी, ओडिया, मराठी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और बंगाली) में लाइव होगा।

एमवोकल अभियान के मूल में ऐसे स्मार्ट कियोस्क होंगे जिनमें अस्पतालों और क्लीनिकों के प्रतीक्षा क्षेत्रों में सोच-समझकर लगाए गए क्यूआर कोड प्रदर्शित किए जाएंगे। इस तरह यह सुनिश्चित किया जाएगा कि डॉक्टरों को दिखाने के लिए किए जा रहे लंबे इंतजार के समय का उपयोग मरीजों को खुद को शिक्षित करने में किया जा सके। क्यूआर कोड को स्कैन करने वाली महिलाओं को ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) वीडियो, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों और व्यक्तिगत डिजिटल सहायक के साथ चैट करने के लिए निर्देशित किया जाएगा। मरीजों को उनके बुनियादी स्वास्थ्य और जीवन शैली से संबंधित डिजिटल बातचीत में भाग लेने के लिए भी आग्रह किया जाएगा। ऑगमेंटेड रियलिटी के माध्यम से व्यक्तिगत स्वास्थ्य सहायक द्वारा प्रदान की गई अग्रिम जानकारी से रोगियों को डॉक्टरों के साथ अपनी समस्याओं पर चर्चा करने में मदद मिलेगी और साथ ही चिकित्सकों को बेहतर जानकारी वाले रोगियों की मदद करने में सहायता मिलेगी। इस पहल की सबसे अच्छी बात यह है कि यह जानकारी हासिल करने वाली महिलाओं के लिए पूरी तरह पर्सनलाइज्ड है और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने चिकित्सकों के साथ चर्चा करने के लिए उनका मार्गदर्शन करती है। महिलाओं के स्वास्थ्य की दिशा में अपने प्रयास जारी रखते हुए हाल ही एमक्योर ने भारतीय महिला स्वास्थ्य रिपोर्ट 2021 भी जारी की थी, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि 84 प्रतिशत कामकाजी महिलाओं को पीरियड्स के दौरान ऐसी रूढ़ियों का सामना करना पड़ा है, जिनमें मंदिर जैसे पवित्र स्थानों के पास नहीं जाने के लिए कहा गया है। उत्तरदाताओं में से 67 प्रतिशत ने कहा था कि भारतीय समाज में स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में बात करना अभी भी वर्जित माना जाता है।

एक सर्वे में पाया गया कि भारत की 74 प्रतिशत महिलाएं विटमिन डी की कमी से जूझ रही हैं। इसमें उनकी डाइट की कमी और खराब जीवनशैली बड़ा कारण है। विटमिन डी की कमी से महिलाओं को ऑस्टियोपोरोसिस, डायबीटीज, जोड़ों में दर्द और पैरों की सूजन जैसी बीमारियों का जोखिम बना रहता है। इसके अलावा, देश में हर आठ में से एक महिला स्तन कैंसर की चपेट में है। विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि इनकी संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। उम्र बढ़ने के साथ इसका जोखिम भी बढ़ता जाता है। इसके लिए आनुवांशिक कारण भी जिम्मेदार बताए जाते हैं। सही समय पर पता चल जाए तो सर्जरी और कीमोथेरपी से इलाज मुमकिन है। लेकिन जागरूकता की कमी और झिझक के कारण अधिकतर महिलाओं के लिए यह सबसे जानलेवा कैंसर है। चूंकि देश में आज भी महिलाएं अपने स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में बात करते समय असहज महसूस करती हैं, इसलिए महिलाओं को प्रासंगिक जानकारी के साथ सशक्त बनाने और महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था में यह अनिवार्य है कि महिलाओं के स्वास्थ्य के मुद्दों को प्राथमिकता दी जाए और इसके बारे में बातचीत मुख्य धारा में हो।

(ये लेखक के अपने विचार है।)

कविता

मुसाफिर

एन.के. सिंह
शिक्षक एवं कवि
@jagrukjanta.net

साहस तेरी पहचान है मुसाफिर ,साहस तेरी पहचान है,कितने ही कठिन हो रास्ते पर पाना तुझे अपना मुकाम है साहस से तरक्की कर रहा ये जहान है
फिर क्यों मुसाफ़िर तेरे जीवन में थकान है।
साहस तेरी पहचान है मुसाफ़िर साहस तेरी पहचान है।
जब पता हे तुझे साहस से ही पूरा होगा ये सफर, फिर क्यों मायुसी से भरी तेरी ये मुस्कान है।
कायर लोटते है वापस रास्तों से, तेरा तो अनुभव भी महान है।
पायेगा मंजिल तो आसमा और धरती दोनो तेरे होंगे, फिर क्यों लोगों की रुकावटों पर तेरा ध्यान है।
साहस तेरी पहचान है मुसाफ़िर साहस तेरी पहचान है।
जीवन भरा है, अभिप्रेरणाओं से और हृदय में हौसलों की उड़ान है , फिर कैसे रोकेंगी मुसीबतें तुझे ,जब ठान लिया पाना तुझे तेरा उम्मीदों से भरा आसमान है।
साहस तेरी पहचान है मुसाफ़िर साहस तेरी पहचान है।

ओपिनियन

कश्मीर में निशाना

ओम प्रकाश यादव
अधिवक्ता
@jagrukjanta.net

अगर जम्मू-कश्मीर में एक समुदाय को लक्ष्य बनाकर हमले का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, तो यह न केवल गहरे दुख, बल्कि पुरजोर निंदा का भी विषय है। बीते दिनों आतंकी ने कुलगाम में एक बैंक में घुसकर मैनेजर विजय कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। अस्पताल पहुंचने से पहले ही राजस्थान के इस युवा बैंककर्मी ने दम तोड़ दिया। बीते मंगलवार को ही आतंकियों ने कुलगाम में ही एक सरकारी स्कूल टीचर रजनी बाला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इससे पहले बडगाम में तहसील परिसर में घुसकर कर्मचारी राहुल भट की हत्या कर दी गई थी। इस बीच कश्मीरी पंडितों का आंदोलन भी चल रहा है और वे अपनी सुरक्षा तय किए जाने की मांग कर रहे हैं। गौर करने की बात है कि पांच महीने में यह 17वीं 'टारगेट किलिंग' है। जाहिर है, घाटी में खौफ का आलम है। जनवरी महीने से ही ऐसी हत्या या कायरता को आतंकी अंजाम दे रहे हैं। दिक्कत यह है कि घाटी में हर किसी को सुरक्षा देना व्यावहारिक भी नहीं है। आतंकी आसानी से अपनी कायरता का प्रदर्शन कर रहे हैं, क्या उनमें कोई खौफ नहीं है?

अब जमीनी स्तर पर जहां लोगों के खौफ को दूर करने के लिए काम करना चाहिए, तो वहीं उच्च स्तर पर यह रणनीति बदलने का भी समय है। कश्मीर में कुछ सामान्य होते माहौल की वजह से ही वहां अल्पसंख्यक समुदाय अपने काम पर लौटता दिख रहा है, लेकिन आतंकी नहीं चाहते कि कश्मीर में स्थितियां सामान्य हों। अभी बुधवार को ही जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने हिंदुओं और सिखों को सुरक्षित ठिकानों पर पोस्टिंग देने की बात कही थी, लेकिन ताजा हमले ने चिंता और बढ़ा दी है। यह संदेश जाने लगा है कि घाटी में प्रवासी और अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। ऐसे में, कुछ लोग इस प्रचार में जुट गए हैं कि घाटी से लोग फिर पलायन के लिए तैयार हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि घाटी में पलायन का माहौल फिर से न बने। अगर थोड़ा भी पलायन हुआ, तो सरकार की बड़ी कोशिशों पर पानी फिर जाएगा और बाकी देश में भी सांप्रदायिकता की वजह से माहौल खराब होगा। सद्भाव और परस्पर विश्वास बनाए रखने के लिए ऐसे आतंकी व अलगाववादी तत्वों की जितनी निंदा हो, कम है। जिन लोगों से ऐसी हिंसा की भर्त्सना की उम्मीद की जा रही है, उन्हें अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटना चाहिए।

यह सकारात्मक बात है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के स्तर पर सक्रियता बढ़ी है और भले कोई बड़ी घोषणा न हुई हो, लेकिन जमीनी स्तर पर सुरक्षा का एहसास बढ़ना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री और कश्मीर के उप-राज्यपाल की मुलाकात की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहे लोग घाटी में कम नहीं होंगे। जो लोग निशाना बनाए जा रहे हैं, वे पूरे देश के प्रतिनिधि की तरह हैं। ये लोग सद्भाव और देश के प्रति निष्ठा के प्रतिनिधि हैं, ऐसे लोगों की रक्षा सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी लोगों को बड़ी उम्मीदें होंगी। ध्यान रहे, घाटी से जो महापलायन 1990-91 में हुआ था, उसके लिए तत्कालीन प्रशासन को आज भी दोषी ठहराया जाता है। अब असुरक्षित महसूस कर रहे लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है, तो इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। कश्मीर में कर्मचारियों को उनकी मुफीद जगह पर ही तैनात करना चाहिए। कश्मीर में विकास तेज हुआ है, तो लोगों को संवेदना और सुरक्षा की तलाश है, जो भी मुट्ठी भर रोड़े राह में आ रहे हैं, उन्हें जल्द से जल्द ठिकाने लगाना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

मंत्र की साधना संबंधी अनेक मार्ग जैसे दक्षिण मार्गी, वाम मार्गी आदि तथा अनेक सम्प्रदाय हैं। उनके विस्तार से हमारा प्रयोजन नहीं है।

मंत्र सिद्धि में आवश्यक है-1. मंत्र किसी योग्य गुरु द्वारा, विधिपूर्वक दीक्षा लेकर सिद्ध किया जाए। 2. मंत्र के साधक में उसके अधिकारी होने के आवश्यक गुण हों। 3. मंत्र को विधिपूर्वक जागृत कर एवं सिद्ध कर उसे जपा जाए। 4. मंत्र की साधना में आवश्यक नियमों का पालन किया जाए।

आसन- मंत्र आसन पर बैठकर ही जपा जाना चाहिए। भूमि पर, पत्थर पर बैठकर जपने से मंत्र सिद्ध नहीं होता। आसन ऊन या कुशा का उत्तम होता है। रेशमी अथवा सूती वस्त्र के आसन पर भी मंत्र जप सकते हैं। लोम युक्त (चुभने वाले) आसन पर नहीं बैठना चाहिए।

स्थान- उत्तरोत्तर ये स्थान उत्तम माने गए हैं। घर, नदी किनारे, गंगा किनारे, यज्ञ शाला, सिद्ध क्षेत्र (जैसे बद्रिकाश्रम, श्रीकंचनधाम आदि) और विष्णु, शिव मंदिर अथवा शक्ति पीठ।

जप करने की विधि- साधक स्नान आदि से निवृत हो, सुखासन लगाकर आसन पर बैठे। गुरु गणपति को नमस्कार करे। न्यास आदि करे। प्राणायाम करे। गुरु की बताई क्रिया से मंत्र सिद्ध करें। इसके बाद मंत्र की पूजा करें। मंत्रों की पद्धति (वैदिक, तांत्रिक, साबरी) के अनुसार श्रद्धापूर्वक जप करने से कार्य सिद्ध होता है। जिस देवता की उपासना करनी हो, अपने को उसका अधिकारी बनाना चाहिए।

क्रमशः

जागरूक Selfie विद डॉटर

कनिका डॉटर मधुलिका गुप्ता, जयपुर

माता-पिता के बिगड़े खानपान का बच्चों पर गहरा असर

क्षमा शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

अमेरिका के ओरेगन में दो वर्ष पहले एक महत्वपूर्ण अध्ययन हुआ था। इसमें बताया गया था कि घर में जो कुछ भी उपलब्ध है, माता-पिता उन्हीं चीजों को खाते हैं और बच्चों को वही परोसा जाता है। अफसोस, यह अक्सर डब्बाबंद बाजार का खाना होता है। माता-पिता के साथ खाते-पीते बच्चों को भी वे ही चीजें पसंद आने लगती हैं।

इस तरह उनके खानपान की आदतें विकसित होती हैं। यदि माता-पिता को खाने में अधिक चीनी और अधिक नमक पसंद है, तो बच्चों का भी वही स्वाद बन जाता है। यही नहीं, अगर बच्चों को बार-बार जंक फूड परोसा जाता है, तो वे उसे ही बार-बार मांगते हैं। घर के बाहर भी बच्चे इन्हीं खाद्य पदार्थों को खाना चाहते हैं। न मिले, तो नाराज भी हो जाते हैं। ऐसे में, यदि बच्चों को शाक-भाजी न परोसी जाए, तो उनका स्वाद विकसित नहीं हो पाता है। यह उनके स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। ओरेगन के अध्ययन में 81 स्कूलों के बच्चों को शामिल किया गया था और तब शोधकर्ता नतीजों पर पहुंचे थे। अध्ययन में जंक फूड तैयार करने वाली कंपनियों का ध्यान भी इस ओर आकर्षित किया गया था। बताया गया कि उनके द्वारा तैयार खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी और वसा का प्रतिशत बहुत होता है। एक तरह से चेतावनी भी दी गई कि बच्चों को इस तरह से ज्यादा से ज्यादा जंक फूड परोसना अमेरिका में डॉक्टरों द्वारा बताए जाने वाले दिशा-निर्देशों के खिलाफ है, जो बच्चों के खानपान के बारे में बताई जाती हैं। इसमें साफ तौर पर बच्चों को वे खाद्य पदार्थ देने की बात कही जाती है, जिनमें नमक, चीनी, वसा कम हो और साबुत अनाज, सब्जियां ज्यादा हों। दूध अगर पीना हो, तो कम चिकनाई वाला पिएं, लेकिन कई बार माता-पिता अपनी व्यस्तता, नौकरी और परिवार की जिम्मेदारी के बीच, इस बात का ध्यान नहीं रख पाते हैं कि बच्चों को कौन-सी खाने की चीजें दें, जो उन्हें केवल बचपन में ही नहीं, बल्कि जीवन भर स्वस्थ रख सकें। होता तो यह है कि खानपान की जो आदतें बचपन में विकसित हो जाती हैं, वह जीवन भर बनी रहती हैं। बाद में आदतें बदलना आसान नहीं होता। वैसे भी पश्चिमी समाजों में घर के खाने के वे तौर-तरीके नहीं हैं, जो हमारे यहां हैं। हालांकि, अपने यहां भी खानपान की आदतें बहुत तेजी से बदल रही हैं। घर के खाने के मुकाबले बाहर का खाना अच्छा माना जा रहा है। बच्चों का खानपान पोषक तत्वों से भरपूर हो, इसके मुकाबले स्वाद पर जोर बढ़ चला है। ज्यादा नमक और चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों को ज्यादा स्वादिष्ट लगते हैं। कितनी चीनी और कितना नमक खाया जाए, इसकी जनकारी अक्सर घर वालों को ही नहीं होती है। इस तरह के खाने से ही बच्चे मोटे हो रहे हैं और तरह-तरह के रोगों के शिकार भी ।

यही नहीं, कई बार देखा गया है कि माता-पिता अगर कोई अस्वाथ्यकर चीज खा रहे हैं, तो बच्चे भी उन्हें खाने लगते हैं। छोटे-छोटे बच्चे शराब और ड्रग्स का सेवन तक कर रहे हैं। इन चीजों के प्रयोग के कारण वे हिंसक भी हो रहे हैं।

हाल ही में एक खबर आई थी कि माता-पिता सुपारी खाते थे। वे उसे काटकर रख देते और खाते रहते थे। घर में पांच साल की बच्ची भी थी। माता-पिता की देखादेखी, बच्ची भी दिन भर सुपारी खाने लगी। उसे रोका भी नहीं गया। एक दिन पता चला कि बच्ची के मुंह में घाव हो गया है। कई डाक्टरों को दिखाया गया, लेकिन डाक्टरों की दवा से कोई फायदा नहीं हुआ। माता-पिता उसे अस्पताल ले गए। वहां जांचें हुईं, तो पता चला कि बच्ची को मुंह का कैंसर हो गया है। खैरियत थी कि यह पहले स्टेज में ही था। इसलिए बच्ची का इलाज सफलतापूर्वक हो गया। इस बच्ची के माता-पिता कुछ समझदार हैं। दिल्लीवासी हैं, इसलिए बच्ची को जल्दी से जल्दी इलाज मिल सका। लेकिन अपने देश के बहुत से बच्चे इतने भाग्यशाली नहीं होंगे। इसलिए माता-पिता को चाहिए कि घर में ही वह ऐसे भोजन पकाएं और खाएं, जो बच्चों के लिए हितकर हों। बच्चों में खानपान की वही आदतें विकसित हों, जो जीवन भर उनके काम आएं। बच्चे हमेशा सेहतमंद रहें।

ध्यान रहे, भोजन के लिए पहले लोग काफी मेहनत करते थे, लेकिन अब लोग केवल सुविधा और स्वाद देखने लगे हैं। ऐसे में, अधिक मिर्च, मसाले और तली हुई चीजों का सेवन बढ़ रहा है। असंख्य अभिभावक जानते-समझते हुए भी गलती कर रहे हैं। जिन अभिभावकों ने अपने बचपन में अच्छे खानपान का लाभ उठाया है, वह भी अपने बच्चों को बेहतर खानपान नहीं दे पा रहे हैं। अतः बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए देश में स्पष्ट दिशा-निर्देशों की जरूरत बढ़ती जा रही है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 08/06/2022

सूर्योदय : 05:24 **सूर्यास्त** : 19:20 **चन्द्रोदय** : 12:54 **चन्द्रास्त** : 01:06 **शक सम्वत** : 1944 सुभाकृतु **अमान्ता महीना** : ज्येष्ठ **पूर्णिमांत** : ज्येष्ठ **सूर्य राशि** : वृषभ **चन्द्र राशि** : सिंह **पक्ष** : शुक्ल **शक सम्वत** : 1944 शुभकृत् **चन्द्रमास ज्येष्ठ** : पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत** : 2079 राक्षस **गुजराती सम्वत** : 2078 प्रमादी **द्रिक ऋतु** : ग्रीष्म **तिथि** : अष्टमी, 08:28 तक **वार** : बुधवार

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तर फाल्गुनी, 28:25 तक
योग : सिद्धि, 27:19 तक
प्रथम करण : बावा, 08:28 तक
द्वितिय करण : बालवा, 20:26 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:02 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:22 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:39 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:04 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:18 पी एम से
अमृत काल	09:06 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:00 ए एम, जून 9 से
सर्वार्थ सिद्धि योग	04:31 ए एम, जून 9 से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शुक्र
कुंभी चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया

लाभ	: 05:23 - 07:08
अमृत	: 07:08 - 08:52
काल काल वेला	: 08:52 - 10:36
शुभ	: 10:36 - 12:21
रोग वार वेला	: 12:21 - 02:05
उद्वेग	: 02:05 - 03:50
चर	: 03:50 - 05:34
लाभ	: 05:34 - 07:19

रात का चौघड़िया

उद्वेग : 07:19 - 08:34
शुभ : 08:34 - 09:50
अमृत : 09:50 - 11:05
चर : 11:05 - 12:21
रोग : 12:21 - 01:36
काल : 01:36 - 02:52
लाभ : 02:52 - 04:07
उद्वेग : 04:07 - 05:23

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वादशी

आज कौन सा कार्य करें

पूर्णमासी को विवाह, शिल्प, मंगल कार्य, संग्राम, वास्तु कर्म, यज्ञ क्रिया, प्रतिष्ठा आदि कार्य कर सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

ज्येष्ठ, शुक्ल, पूर्णिमांत, 2078 बुधवार, 8 जून - 14 जून, 2022

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रय% करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

बुखार, खांसी और घाव सुखाने समेत 16 दवाएं बिना डॉक्टर पर्ची के मिलेंगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बुखार, खांसी, नेजल स्प्रे, घाव सुखाने, फंगल इन्फेक्शन, मसूड़ों की सूजन को कम करने, कील-मुंहासे जैसी 16 तरह की ओवर द काउंटर यानी ओटीसी दवाएं अब डॉक्टर की बिना पर्ची के ही मिल सकेंगी। फार्मासिस्ट बिना पर्ची के ही बेच सकेंगे लेकिन ओटीसी कैटेगरी के लिए शर्तों की पालना करनी पड़ेगी। ओरल डिहाइड्रेशन सॉल्यूशन को शामिल नहीं किया। केन्द्र सरकार की सलाहकार समिति ड्रग्स टेक्निकल एडवायजरी बोर्ड (डीटीएबी) नई दिल्ली ओटीसी दवाओं के लिए मंजूरी दे दी है। इसके बाद में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से मसौदा तैयार कर लिया गया है। सिर्फ केन्द्र सरकार की हरी झंडी का इंतजार है।

इन शर्तों का पालना अनिवार्य

- ओटीसी कैटेगरी की दवाएं तभी बेची जा सकेंगी जब इसकी अवधि 5 दिन से ज्यादा नहीं होंगी।
- पांच दिन की दवा खाने के बाद भी आराम नहीं मिलने पर मरीज को डॉक्टर की सलाह पर दोबारा दवा मिलेगी।
- दवा के हर पैक पर मरीज के लिए जरूरी सूचना लिखना अनिवार्य। इसके बिना दवाएं नहीं बेची जा सकेंगी।

केन्द्र सरकार ने 16 तरह की दवाओं के लिए मसौदा तैयार कर लिया है। लेकिन ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट में भी बदलाव करना होगा। मौजूदा स्थिति में ओवर दा काउंटर (ओटीसी) के लिए नियम या कानून नहीं है। कोशिश है कि इसे जल्द लागू किया जाए। **- अजय फाटक,** ड्रग कंट्रोलर

10 जून से मिलावटियों के खिलाफ चलेगा एक्शन

दूध, मावा, मसाले से लेकर नकली दवाईयां, पेट्रोल-डीजल तक की होगी जांच

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में सरकार 10 जून से मिलावटियों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू करेगा। इसमें खाद्य पदार्थ जैसे दूध, मावा, मसाले, मिठाइयों समेत पेट्रोल-डीजल, नकली दवाईयों तक की जांच के लिए डिकॉय ऑपरेशन किया जाएगा। इसके लिए हर उपखण्ड लेवल पर एक जांच के लिए कमेटी बनाई जाएगी, जिसे उपखण्ड अधिकारी या तहसीलदार लीड करेंगे। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान की तर्ज पर ही ये अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए हर जिला लेवल पर मॉनिटरिंग के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में एक कमेटी बनेगी। ये कमेटी बैठक करके इस अभियान की सारी प्लानिंग करेगी और उसके एग्जीक्यूशन पर मॉनिटरिंग करेगी। इस कमेटी में कलेक्टर के अलावा जिले का एसपी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), जिला रसद अधिकारी (डीएसओ), संबंधित जिला डेयरी का एमडी के अलावा ड्रग कंट्रालिंग ऑफिसर और एक व्यापार मंडल या उपभोक्ता संगठन का व्यक्ति सदस्य होगा।

नशीली व खराब दवाइयों के बेचान को रोकने के लिए चलेगा डिकॉय ऑपरेशन

प्रदेश में शहरों के अलावा ग्रामीण अंचलों में बड़ी संख्या में नॉन स्टेण्डर्ड सॉल्ट वाली दवाइयां, नशीली दवाईयां मेडिकल स्टोर व जनरल स्टोर पर धड़ल्ले से अवैध तरीके से बेची जा रही है। ऐसी दवाइयों का बेचान करने वालों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन डिकॉय चलाया जाएगा। इसमें बोगस ग्राहक बनकर टीम के सदस्य दवाई बेचने वालों को पकड़ेंगे और उनके खिलाफ कार्यवाही करेंगे।

पेट्रोल पंप पर होगी जांच

फूड प्रोडेक्ट और दवाइयों के अलावा पेट्रोल-डीजल बेचने वाले पंप संचालकों के यहां भी टीम जांच करेगी। बड़ी संख्या में प्रदेश में पेट्रोल पंप पर मिलावटी पेट्रोल-डीजल बेचने और निर्धारित मात्रा से कम देने के कई शिकायतें मिल रही है। इसे देखते हुए इस बार प्रशासन ने इन पंप संचालकों के खिलाफ भी कार्यवाही का निर्णय किया है।

अमेरिकी वेडिंग प्लानिंग कंपनी ने जारी की लिस्ट

दुनिया के 11 अनूठे वेडिंग डेस्टिनेशन में उदयपुर शामिल

सर्वे में लिखा-शादी का अप्रतिम अनुभव चाहिए तो यहां पधारिए

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। नामचीन हस्तियों की शाही शादियों की मेजबानी कर चुके उदयपुर की शोहरत और बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय वेडिंग प्लानिंग कंपनी द नॉट ने यूनिक वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए जिन 11 देशों की सूची बनाई है, उनमें भारत से अकेले उदयपुर (राजस्थान) का नाम है। लेकसिटी के लिए कंपनी का कमेंट है- शादी का अनोखा और अप्रतीम अनुभव चाहने वाले जोड़ों के लिए उदयपुर का समृद्ध रंगभरा स्थापत्य, चटख संस्कृति और सेहत भरा माहौल आदर्श है।

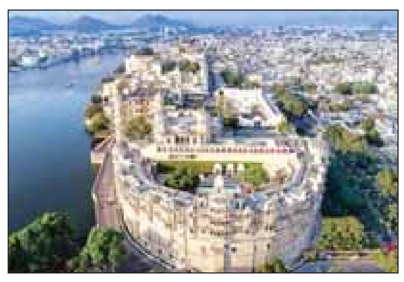

शानदार-खूबसूरत महल, ताज लेक पैलेस समेत फाइव स्टार होटलें और अरावली की वादियां नए जोड़ों को बेमिसाल रोमांटिक अनुभव देती हैं। मेहमान नवाजी के लिए प्रसिद्ध उदयपुर की लिस्ट इस एक और तमगे से पर्यटन विभाग और इंडस्ट्री का चेहरा खिल गया है। इंडस्ट्री का कहना है कि यह वर्ल्ड वाइड प्रमोशन जल्द ही यहां सीजन के दौरान डेस्टिनेशन वेडिंग के बढ़ते में बदलेगा। दूसरी ओर विभाग का मानना है कि इससे शहर में पर्यटन के आयाम बढ़ेंगे। बता दें, द नॉट इंक अमेरिकी मीडिया और आईटी कंपनी है। यह उन जोड़ों को मटेरियल, प्रोडक्ट और सर्विस देती है जो शादी प्लान कर रहे हैं। कंपनी की शुरुआत 1996 में अमेरिका में हुई थी और मुख्यालय न्यूयॉर्क में है।

सूची में शामिल हैं लेकसिटी सहित विश्व के ये खूबसूरत वेडिंग डेस्टिनेशन

उदयपुर-भारत, ऑस्ट्रेलिया, दुबई, यूएई, फिजी, लॉयर वैली, फ्रांस, माराकेस, मोरक्को, न्यूजीलैंड, सैन मिगुएल डे अलेंदे, मैक्सिको, साउथ अफ्रीका, ताहिती, थाईलैंड।

प्रेस क्लब चिकित्सा शिविर में 153 सदस्यों ने लाभ उठाया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से क्लब सदस्यों एवं उनके परिजनों के लिए शनिवार को फिजियोथैरेपी, आर्थोपेडिक एवं होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 153 सदस्यों एवं परिजनों ने चिकित्सा सेवा का लाभ उठाया। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने कहा कि पत्रकार एवं उनके परिजनों के लिए इस तरह के शिविर निरंतर आयोजित किए जाएंगे। चिकित्सकों ने शिविर में उत्कृष्ट सेवाएं दी। इधर क्लब में चौथे दिन भी बाल अभिरूचि शिविर जारी रहा। शिविर में बच्चें पूर्ण मनोयोग से योग, डांस, मार्शल आर्ट, संगीत, ड्राईंग, कथक, राजस्थानी लोकनृत्य, संगीत, मेहन्दी, क्राफ्ट आदि विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है।

महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने बताया कि शिव फिजियोथैरेपी क्लिनिक के डॉ. दिनेश सामोता, डॉ. आशीष एवं डॉ. कौशिकी की टीम ने शिविर में हड्डी और जोड़ो से संबंधित उपचार, कमर का दर्द, गर्दन का दर्द, घुटनों का दर्द, हाथ पैरों में जकड़न, पैर में झनझनाहट, सूनापन, पोस्ट ऑपरेटिव कंडीशन, लिगामेंट टियर का उपचार किया सदस्यों की निःशुल्क जांच एवं परामर्श की सेवाएं दी। शिविर का आयोजन पंकज शर्मा उपाध्यक्ष एवं चिकित्सा समिति संयोजक के संयोजन में आयोजित किया गया। शिविर संयोजक पंकज शर्मा ने बताया कि आर्थोपेडिशियन डॉ. सचिन गुप्ता एवं डॉ. सोनू सोनी ने होम्योपैथी से श्वास, चर्म, स्त्री रोग संबंधी रोगियों को परामर्श के साथ निःशुल्क दवा दी गई। क्लब सदस्यों का निःशुल्क बीपी, शुगर, बीएमआई की जांचें की। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा एवं महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने चिकित्सकों का अभिनन्दन करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष नीरज मेहरा, प्रबन्ध कार्यकारिणी सदस्य राहुल भारद्वाज, विजेन्द्र जायसवाल, संतोष कुमार शर्मा, अनिता शर्मा, दिनेश शर्मा, विकास आर्य, वरिष्ठ पत्रकार हरी सिंह चौहान, दिनेश जोशी, प्रदीप शेखावत, जितेन्द्र प्रधान, प्रेम शर्मा, दिनेश शर्मा, चन्दा सोनी सहित अनेक पत्रकार उपस्थित थे।

सुविख्यात भजन मंडलियां देगी मनोरम प्रस्तुतियां

सप्त दिवसीय अखंड महा संकीर्तन महोत्सव 24 से

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। छोटी काशी के नाम से मशहूर धर्मनगरी बीकानेर में एक बड़ा धार्मिक आयोजन भीनासर में होने जा रहा है। जिसमे देश के विभिन्न प्रांतों के कलाकार इस आयोजन में हिस्सा लेंगे। एक ही पांडाल के नीचे देश के अलग-अलग प्रांतों के वाद्य यंत्रों से सामुहिक संकीर्तन का अनूठा संगम बीकानेर वासियों को देखने को मिलेगा। भीनासर के श्री मुरली मनोहर धोरा में यह आयोजन आगामी 24 जून से 2 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम से जुड़े आयोजकों के अनुसार धर्मनगरी बीकानेर के उपनगर भीनासर में सप्त दिवसीय अखंड महा संकीर्तन महोत्सव एवं एक दिवसीय अखंड हनुमान चालीसा महोत्सव का आयोजन 24 जून 2022 सुबह 9:00 बजे से गीता जी के मूल पाठ के साथ आरंभ होगा,जिसका समापन 2 जुलाई 2022 को सुबह 11:00 बजे होगा। आयोजकों के अनुसार इस सप्तदिवसिय महोत्सव में उड़ीसा, बंगाल, वृंदावन बीदासर व बीकानेर सहित देश की सुविख्यात संकीर्तन भजन मंडलियां अपने अपने क्षेत्रीय वाद्ययंत्रों से एक ही पांडाल के नीचे भक्तिमय रसगंगा बहाएंगे।

सप्त दिवसीय अखंड महा संकीर्तन महोत्सव में श्रद्धालुओं के आने-जाने के लिए निःशुल्क बसों की व्यवस्था की गई है, साथ ही महोत्सव में व चाय पानी की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। आयोजकों ने बताया कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंप दी गई है। महोत्सव को लेकर बीकानेर सहित आसपास के धर्मप्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है,वंही इस महोत्सव को लेकर प्रचार प्रसार बड़े व्यापक स्तर पर किया जा रहा है।

गौरतलब है, भीनासर स्थित मुरली मनोहर धोरा अपने आप में बड़ी तपोभूमि है। इसी स्थान पर परम श्रद्धेय स्वामीजी रामसुखदास जी महाराज चौमासा तप करते थे और अपने हजारों भक्तों को प्रवचन देते थे। ऐसे में एक बार फिर से इसी तपोभूमि पर सप्त दिवसीय अखंड महा संकीर्तन महोत्सव एवं एक दिवसीय अखंड हनुमान चालीसा महोत्सव का श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

पर्यावरण दिवस पर लगाएं पेड़

जयपुर @ जागरूक जनता। गो ग्रीन टीम जयपुर और नीमका थाना की के सहयोग से दोनों शहरों में पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर अलग-अलग स्थानों पर 12 पौधे लगा गए। कार्यक्रम के दौरान सब जेल के जेलर पृथ्वी सिंह चौहान, प्रवीण बंजारा, अमित शर्मा, अनूप सोमावत, विवेक चतुर्वेदी, आशीष मुणावत, किरण मुणावत, पिंटू कुर्रा, देवेंद्र ज्यानी, कांस्टेबल अनिल, हेड कांस्टेबल विकास शर्मा, डिप्टी ऑफिस, व इंद्राज सैनी मौजूद थे।

मुख्य बस स्टॉपों पर टिन शैड लगाने की मांग

उदयपुरवाटी @ जागरूक जनता। कस्बे के घूमचक्कर, शाकम्भरी गेट, पुलिस थाना, शाकम्भरी कॉम्पलेक्स, बस स्टेण्ड आदि मुख्य बस स्टॉप पर चिलचिलाती धूप में यात्रियों को बसों का इन्तजार करते वक्त धूप में तपना पड़ता है और बारिश के मौसम में भीगना भी पड़ता है किन्तु इन स्थानों में अभी तक नगर पालिका प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया । कस्बे के कई स्थानों पर राहगीरों व आमजन की सुविधा का ध्यान रखते हुए नगर पालिका प्रशासनों ने दर्जनों सीमेंटेड कुर्सियां बना कर रखी जिसे लोग सराहनीय कदम बता रहे हैं। कस्बे वासियों ने धूप-बारिश से बचाव के लिए मुख्य बस स्टॉप पर टिन या प्लास्टिक शैड लगाने की मांग की है।

पैगंबर पर बयान से बवाल

अरब देशों के सुपर मार्केट में इंडियन प्रोडक्ट बैन

मालदीव में हंगामा, मुंबई पुलिस नूपुर को समन भेजेगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद पर भाजपा नेता नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल के बयान पर खाड़ी देशों ने कड़ी आपत्ति की है। कतर, कुवैत और ईरान ने भारतीय राजदूतों को तलब कर विरोध जताया है। कतर-कुवैत ने भारत सरकार से इस बयान पर माफी की मांग की है। वहीं, सऊदी अरब ने भी इस बयान पर ऐतराज जताया है। इसके अलावा सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अन्य अरब देशों ने अपने सुपर स्टोर्स में इंडियन प्रोडक्ट्स को बैन कर दिया है। 57 मुस्लिम देशों के इस्लामिक सहयोग संगठन (OIC) ने भी इसकी निंदा की है। संगठन ने सोशल मीडिया पोस्ट कर कहा- भारत में बीते दिनों में मुस्लमानों के खिलाफ हिंसा के मामले बढ़े हैं। कई राज्यों में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब में बैन के साथ मुस्लिमों पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। इस्लामी देश मालदीव की संसद में भी इस मामले पर हंगामा हुआ। विपक्ष ने सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाया। विपक्ष का कहना है कि मामले में सरकार का चुप रहना निराशाजनक है। मालदीव की सरकार मामले में कुछ भी कहने से बच रही है।

भारत ने OIC का बयान खारिज किया

भारतीय विदेश मंत्रालय ने OIC के बयान पर ऐतराज जताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा- भारत OIC सचिवालय की गैरजरूरी और छोटी सोच वाली टिप्पणियों को साफ तौर पर खारिज करता है। भारत सरकार सभी धर्मों को सम्मान देती है।

भारत जरूरत का 84% ऑयल विदेशों से इम्पोर्ट करता है

कोरोना महामारी की चोट से अभी तक भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह उबर नहीं पाई है। ऐसे में अगर यह मामला ज्यादा तूल पकड़ता है, तो इससे देश की आर्थिक सेहत को काफी नुकसान पहुंच सकता है। भारत अपनी जरूरत का 84% तेल विदेशों से इम्पोर्ट करता है। खाड़ी सहयोग परिषद यानी GCC (जिसमें कुवैत, कतर, सऊदी अरब, बहरीन, ओमान और यूएई शामिल हैं) के साथ 2020-21 में भारत ने 90 अरब डॉलर का व्यापार किया था। इसके अलावा भारत को फॉरेन रिजर्व का एक बड़ा हिस्सा यहीं से मिलता है।

सऊदी, बहरीन में फैसले का स्वागत

भाजपा ने भी तुरंत एक्शन लेते हुए प्रवक्ता नूपुर शर्मा को पार्टी से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया। इसके बाद भारत ने बयान जारी कर कहा कि जो भी गलतबयानी की गई, वो भारत सरकार का ऑफिशियल स्टैंड नहीं है। इसके साथ सरकार ने विवादित बयान देने वाले नेताओं को पार्टी से बाहर करने की बात पर भी फोकस किया। सऊदी अरब और बहरीन ने इस फैसले का स्वागत किया है। भाजपा ने भी बयान जारी कर कहा कि हम सभी धर्मों और उनके पूज्यों का सम्मान करते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने एक लेटर जारी कर कहा- भाजपा सभी धर्मों का सम्मान करने वाली पार्टी है।

खाड़ी देशों में 76 लाख भारतीय प्रवासी

भारत और खाड़ी देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से रिश्ते काफी मजबूत रहे हैं। भारत अपनी जरूरत के ऑयल का एक बहुत बड़ा हिस्सा इन्हीं देशों से इम्पोर्ट करता है। इसके अलावा विदेश मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, लगभग 76 लाख भारतीय मिडिल ईस्ट देशों में काम करते हैं।

बिना शर्त बयान वापस लेती हूं-नूपुर

भाजपा से सस्पेंड होने के बाद नूपुर शर्मा ने अपना बयान वापस ले लिया है। शर्मा ने ट्वीट कर लिखा- टीवी डिबेट में मेरे भगवान के खिलाफ विवादित बोल बोले जा रहे थे, जो मुझे बर्दाश्त नहीं हुआ। रोष में आकर मैंने कुछ आपत्तिजनक कह दिया, जिसे बिना शर्त वापस लेती हूं।

नूपुर ने पैगंबर साहब पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

एक न्यूज डिबेट में भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने पैगंबर मोहम्मद साहब पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसका मुस्लिम समुदाय लगातार विरोध कर रहा है। पिछले दिनों शर्मा ने बयान जारी कर कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। शर्मा पर महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में मुकदमा भी दर्ज किया गया है।

मुंबई पुलिस ने जारी किया समन

इधर, पैगंबर साहब पर टिप्पणी को लेकर नूपुर शर्मा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनके खिलाफ मुंबई में केस दर्ज कराया गया है। अब मुंबई पुलिस ने उन्हें समन जारी किया है। उन्हें पूछताछ के लिए मुब्रां पुलिस ने 22 जून तक बुलाया है। मुंबई पुलिस कमिश्नर संजय पांडे ने बताया कि ज्ञानवापी मसले पर टीवी डिबेट के दौरान टिप्पणी को लेकर मुंबई पुलिस ने निलंबित की गईं भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा को समन जारी किया है। अब उनका बयान दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जो भी जरूरी कार्रवाई होगी, वह की जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बोले पीएम मोदी

हमने समय से 5 माह पहले किया पेट्रोल में 10% एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य पूरा

अब 2023 तक 20% ब्लेंडिंग का लक्ष्य

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नइ दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व पर्यावरण दिवस पर दिल्ली के विज्ञान भवन से संबोधित कर रहे हैं। इस अब सर पर उन्होंने कहा कि आज भारत ने पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। आपको ये जानकर भी गर्व होगा कि भारत इस लक्ष्य पर तय समय से 5 महीने पहले पहुंच गया है।

41 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की विदेशी मुद्रा की बचत

मोदी ने आगे कहा कि इस लक्ष्य पर पहुंचने की वजह से भारत को तीन सीधे फायदे हुए हैं। एक तो इससे करीब 27 लाख टन कार्बन एमिशन कम हुआ है। भारत को 41 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। इसक अलावा तीसरा महत्वपूर्ण फायदा ये कि देश के किसानों को एथेनॉल ब्लेंडिंग बढ़ने की वजह से 8 सालों में 40 हजार 600 करोड़ रुपए की आय हुई है। इसके साथ ही पेट्रोलियम मंत्रालय का लक्ष्य हैं कि आने वाले 2023 तक भारत इथनॉल की 20% ब्लेंडिंग का लक्ष्य पर काम कर रहा हैं।

क्या होता है एथेनॉल?

एथेनॉल इको-फ्रैंडली फ्यूल है। एथेनॉल एक तरह का अल्कोहल है, जिसे पेट्रोल में मिलाकर गाड़ियों में फ्यूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है। एथेनॉल का उत्पादन वैसे तो गन्ने से होता है। एथेनॉल ब्लेंडिंग वाले पेट्रोल से आम आदमी को भी बड़ा फायदा होगा।

एथेनॉल मिलाने से क्या फायदा है?

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से पेट्रोल के उपयोग से होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी। इसके इस्तेमाल से गाड़ियां 35% कम कार्बन मोनोऑक्साइड का उत्सर्जन करती हैं। सल्फर डाइऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन का उत्सर्जन भी इथेनॉल कम करता है। इथेनॉल में मौजूद 35 फीसदी ऑक्सीजन के चलते ये फ्यूल नाइट्रोजन ऑक्साइड के उत्सर्जन को भी कम करता है।

1972 में मनाया गया था पहला पर्यावरण दिवस

संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से वैश्विक स्तर पर पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और चिंता की वजह से विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की नींव साल 1972 में रखी गई। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में इसकी शुरुआत हुई थी। दुनिया का पहला पर्यावरण सम्मेलन स्वीडन में आयोजित किया गया था जिसमें 119 देश शामिल हुए थे। पहले पर्यावरण दिवस पर भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भारत की प्रकृति और पर्यावरण के प्रति चिंताओं को जाहिर किया था।

स्वामी भास्करानंदजी का 26वां निर्वाण दिवस समारोह पूर्वक सम्पन्न

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सवाई माधोपुर। परमहंस योगी स्वामी भास्करानंद परमहंस का आज निर्वान दिवस मनाया गया। अखिल भारतीय योग विद्या प्रचार संघ के संस्थापक स्वामी भास्करानंद जी ने आज ही के दिन 26 वर्ष पूर्व अपने नश्वर शरीर का त्याग कर दिया था। भैरों दरवाजे बाहर स्थित योग आश्रम में मध्य प्रदेश के बीजल गांव से पधारे संत शिरोमणि शिवानंद जी की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। तीन दिवसीय कार्यक्रम में अखिल भारतीय योग प्रचार संघ की संचालिका माँ राधे ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था एवं आश्रम के समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें योग के विधाय में जानकारी दी गई एवं भजन योग कार्यशाला का आयोजन हुआ। नीतियों आगंतुक अतिथियों का स्वागत के बाद भंडारे के साथ तीन दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न हो गया।

लॉन्च हुआ जन समर्थ पोर्टल

13 सरकारी स्कीम्स 1 प्लेटफॉर्म पर, ऑनलाइन लोन लेना होगा आसान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रेडिट-लिंक्ड सरकारी योजनाओं के लिए 'जन समर्थ पोर्टल' लॉन्च किया। इससे सरकारी स्कीम के तहत लोन लेना आसान हो जाएगा। इस पोर्टल से 13 सरकारी स्कीम के तहत लोन लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। फिलहाल, चार श्रेणी के लोन के लिए आवेदन करने की सुविधा होगी। इनमें शिक्षा, कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर, कारोबार शुरुआत एवं जीवनयापन लोन शामिल हैं। लोन के आवेदन से लेकर उसकी मंजूरी तक, सब काम जन समर्थ पोर्टल से ऑनलाइन होगा। पोर्टल में आवेदक अपने लोन की स्थिति भी देख सकेंगे। आवेदक लोन नहीं मिलने पर उसकी शिकायत भी ऑनलाइन कर सकेंगे।

जन समर्थ पोर्टल क्या है?

जन समर्थ एक डिजिटल पोर्टल है, जहां एक ही प्लेटफॉर्म पर 13 क्रेडिट लिंक्ड सरकारी योजनाएं संबद्ध हैं। लाभार्थी डिजिटल तरीके से आसान स्टेप्स में अपनी पात्रता जांच सकते हैं, पात्र योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और डिजिटल मंजूरी भी पा सकते हैं।

3 दिन में होगा समस्या का समाधान

तीन दिनों में आवेदक की शिकायत का निपटान करना होगा। जानकारों के मुताबिक, जन समर्थ पोर्टल पर आवेदक के साथ बैंक एवं लोन देने वाली विभिन्न प्रकार की छोटी-बड़ी संस्थाएं भी उपलब्ध होंगी, जो लोन के लिए आने वाले आवेदन पर अपनी मंजूरी देंगी। अभी इस पोर्टल से बैंक समेत 125 से अधिक वित्तीय संस्थाएं जुड़ चुकी हैं।

इस पर कैसे कर सकेंगे अप्लाई?

वर्तमान में 4 लोन श्रेणियां हैं और प्रत्येक लोन कैटेगरी के तहत कई योजनाएं इसमें हैं। अपनी प्राथमिकता वाली लोन कैटेगरी के लिए, आपको पहले कुछ आसान सवालों के जवाब देने होंगे, जिससे आप अपनी पात्रता जांच सकेंगे। किसी योजना के लिए पात्र होने पर आप ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद आपको डिजिटल अप्रूवल मिल सकेगा।

क्या कोई भी लोन के लिए आवेदन कर सकता है?

हां, कोई भी लोन के लिए आवेदन कर सकता है। पहले, आपको अपने जरूरत की लोन श्रेणी में पात्रता जांचनी होगी और अगर आप पात्र हैं तो ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

गडकरी ने कहा- सड़कों पर ईवी ट्रैक्टर दौड़ाने की बारी

अब इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक स्कूटर, कार और बस सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। अब वह दिन दूर नहीं जब इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर और ट्रक भी भारतीय सड़कों पर दौड़ते हुए नजर आएंगे। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने स्टेट लेवल शुगर कॉन्फ्रेंस 2022 में कहा कि वे बहुत जल्दी ही इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर और ट्रक लॉन्च करने वाले हैं। साथ ही गडकरी ने शनिवार को एथेनॉल जैसे ऑप्शनल फ्यूल के इस्तेमाल पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी और मैन्युफैक्चरिंग डिवाइस में एथेनॉल के इस्तेमाल के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने ऑप्शनल फ्यूल के इस्तेमाल के महत्व को भी बताया।

एग्रीकल्चर इक्विपमेंट में एथेनॉल के इस्तेमाल की भी तैयारी

25 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है पेट्रोलियम प्रोडक्ट का इंपोर्ट

स्टेट लेवल शुगर कॉन्फ्रेंस 2022 का आयोजन वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट पुणे ने किया था। गडकरी ने कहा कि देश अपनी फ्यूल व बिजली की जरूरतों की पूर्ति के लिए हर साल 10 लाख करोड़ रुपए का पेट्रोलियम इंपोर्ट करता है। अगले पांच साल में यह मांग बढ़कर 25 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। इससे अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि डीजल से चलने वाली एग्रीकल्चर इक्विपमेंट को पेट्रोल बेस्ड बनाया जाना चाहिए और फ्लेक्स इंजनों को एथेनॉल बेस्ड बना सकते हैं। गडकरी ने आगे कहा कि एथेनॉल को बनाने वाली इंडस्ट्री में लगने वाले इक्विपमेंट में इस्तेमाल करने की तैयारी जारी है।

शुगर प्रोडक्शन से एथेनॉल की ओर बढ़ने की जरूरत

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शुगर प्रोडक्शन से अब एथेनॉल प्रोडक्शन की ओर बढ़ने की जरूरत है। दुनियाभर में शुगर की मांग में वृद्धि अस्थाई है। जब कच्चे तेल के दाम बढ़कर 140 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचते हैं, तो ब्राजील गन्ने से एथेनॉल बनाना शुरू कर देता है। इससे भारत से शुगर की मांग बढ़ जाती है। जब कच्चे तेल के दाम घटकर 70 से 80 डॉलर प्रति बैरल पर आ जाते हैं तो ब्राजील शुगर प्रोडक्शन शुरू कर देता है। उन्होंने कहा कि जब कच्चा तेल सस्ता होता है तो शुगर के दाम भी तेजी से नीचे आते हैं।

अजीत पवार से पुणे में एथेनॉल पंप लगाने को कहा

किसान को एथेनाल मिल सके इसके लिए कॉन्फ्रेंस में गडकरी ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार से पुणे में एथेनॉल पंप लगाने का आग्रह किया। उद्धव ठाकरे ने कार्यक्रम को वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा कि राज्य के शुगर प्रोडक्शन गंभीर संकट का सामना कर रहा है।

पैसों की जरूरत पड़ने पर मकान की तरह अपनी कार पर भी ले सकते हैं लोन

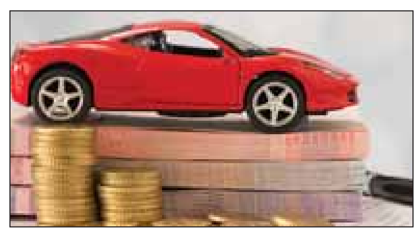

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। यदि अचानक पैसे की जरूरत आन पड़े और कोई तरीका न सूझे तो अपनी कार पर लोन ले सकते हैं। बैंक और गैर-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियां (एनबीएफसी) दोनों 'लोन अगेन्स्ट कार' ऑफर करती हैं। कार की मौजूदा कीमत के 50% से लेकर 150% तक लोन मिल जाता है। 1 से 7 साल तक के लिए ये लोन सालाना 13-15% ब्याज पर मिलता हैं। प्रोसेसिंग फी 1-3% होती है।

ट्रैक रिकॉर्ड देखते हैं बैंक

ज्यादातर बैंक लोन अगेन्स्ट कार मंजूर करने से पहले आवेदक के कम से कम 9 महीनों के लोन रिपेमेंट ट्रैक रिकॉर्ड देखते हैं। आपको तभी लोन मिलेगा, जब आप मौजूदा लोन (यदि हो) की सभी ईएमआई समय पर चुका देते हैं।

जरूरी दस्तावेज

- » वोटर आईडी कार्ड/ फोटो राशन कार्ड/ पासपोर्ट
- » पैन कार्ड, आधार कार्ड
- » तीन साल के इनकम टैक्स रिटर्न
- » तीन महीनों की सैलरी स्लिप
- » सैलरी अकाउंट स्टेटमेंट
- » कार की आरसी
- » कार के इन्श्योरेंस पेपर्स

लोन अगेन्स्ट कार की पात्रता

- » बैंक और एनबीएफसी अमूमन 10 साल से कम पुरानी कार पर लोन देती हैं।
- » आवेदक की नौकरी या बिजनेस जैसा कोई निश्चित आय स्रोत होना चाहिए।
- » आवेदक की उम्र न्यूनतम 21 साल और अधिकतम 65 साल होनी चाहिए।

अरबन बैंक को राष्ट्रीय स्तर पर मिला बैंकों ब्लू रिबन अवॉर्ड

100-125 करोड की जमाओं वाले बैंकों की श्रेणी में प्रथम स्थान मिलने पर वन्दना वजीरानी ने प्राप्त किया अवॉर्ड

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड को राष्ट्रीय स्तर पर बैंको ब्लू रिबन अवार्ड 2021 त्रि-दिवसीय कॉन्फ्रेंस एवं अवॉर्ड सेरेमनी होटल रेडिसन ब्लू रिसोर्ट एण्ड स्पा, लोनेवाला, महाराष्ट्र में प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी ने 100-125 करोड की जमाओं वाले बैंकों की श्रेणी में प्रथम स्थान मिलने पर अवॉर्ड प्राप्त किया।

प्रबन्धक प्रशासन जे.पी. जोशी के अनुसार अविनाश शिन्त्रे, चीफ एडिटर, बॅकों, अशोक नायक, निदेशक गलेक्सी इन्मा, डी.जे. काले, पूर्व सीजीएम, भारतीय रिजर्व बैंकद्ध ने देशभर से आये लगभग 500 प्रतिभागियों के मध्य दिनांक 01.06.2022 से 03.06.2022 तक विभिन्न तकनीकी व भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शन के अनुरूप समापन कार्यक्रम में 100-125 करोड़ की जमाओं वाले बैंको की श्रेणी में प्रथम स्थान प्रदान करते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया। तीन दिवसीय आयोजित सेमीनार में विभिन्न क्षेत्रो मे एन.पी.ए. प्रबन्धन, ग्राहक विश्वास में मजबूती, साइबर सुरक्षा, स्टाफ कुशलता व कुशल बैंकिंग प्रशासन पर विशेषज्ञो ने व्यापक जानकारी दी प्रतिस्पर्धात्मक दौर मे सहकारी बैंक सक्षमता से प्रभावी भूमिका निभाकर लाभप्रदता हासिल कर सके एवं हर क्षेत्र में तकनीकी के साथ अपनी दक्षता स्थापित कर सके।

बैंक के सम्मानित होने पर संस्थापक अध्यक्ष डा. सीए आई.एम. सेठिया, चेयरपर्सन एडवोकेट विमला सेठिया, उपाध्यक्ष शिवनारायण मानधना, निदेशक हस्तीमल चोरडिया, शान्तिलाल पुंगलिया, आदित्येन्द्र सेठिया, विनोद कुमार आंचलिया, राधेश्याम आमेरिया, चांदमल नन्दावत, बालकिशन धुत, सुनीता सिसोदिया, रणजीत सिंह नाहर और सीए बालकिशन डाड एवं प्रबन्धन मण्डल के अध्यक्ष हेमन्त शर्मा, सदस्य सीए नितेश सेठिया, दीपसिंह आहूजा ने बैंक परिवार को बधाई दी साथ ही इस पुरुस्कार पर स्टॉफगणों ने भी हर्ष व्यक्त किया।

राज स्किल-2022' प्रतियोगिता का पहला चरण 8 एवं 9 जून को

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग की ओर से प्रशिक्षणार्थियों में आपसी प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ाकर अधिक कौशल दक्ष बनाने के लिए शुरू की गई 'राज स्किल-2022' प्रतियोगिता का पहला चरण जिला स्तर पर 8 एवं 9 जून को होगा। तीन चरणों में होने वाली यह प्रतियोगिता औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के प्रशिक्षणार्थियों एवं तकनीकी दक्ष नॉन-आईटीआई युवाओं के लिए अलग-अलग हो रही है। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता राज्य मंत्री अशोक चांदना ने बताया कि आईटीआई श्रेणी के अन्तर्गत व्यवसायवार तैयार मेरिट के प्रथम 25 अभ्यर्थियों के मध्य 8 एवं 9 जून को जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें पहले चार-चार स्थान पर रहने वाले प्रशिक्षणार्थी 15 एवं 16 जून को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इसमें प्रत्येक व्यवसाय के पहले तीन स्थान पर रहने वाले प्रशिक्षणार्थी 21 एवं 22 जून को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। व्यवसायवार पहले, दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय विजेता घोषित किया जाएगा। शासन सचिव डॉ. आरुषी मलिक ने बताया कि विजेताओं को पुरस्कार देने के साथ ही प्रत्येक स्तर पर भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्रा दिया जाएगा।

आधुनिक खेती में धोनी की नई पारी

ड्रोन स्टार्टअप गरुड़ एयरोस्पेस के ब्रांड एंबेसडर बने धोनी, कंपनी में निवेश भी किया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को ड्रोन स्टार्टअप गरुड़ एयरोस्पेस का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। कंपनी ने 6 जून को इसकी घोषणा की। धोनी ने इस कंपनी में निवेश भी किया है और वो इसके शेयरहोल्डर बन गए हैं। चेन्नई की गरुड़ एयरोस्पेस ने हाल ही में एग्रीकल्चर को सपोर्ट करने के अपने प्लान की घोषणा की थी। कंपनी ने अप्रैल में कहा था कि वह ग्रामीण स्तर के एंटरप्रेन्योर या कीटनाशक और उर्वरक रिटेलर्स को ड्रोन बेचने के लिए एक मॉडल पर काम कर रही है।

धोनी का साथ सपने के सच होने जैसा

एमएस धोनी खुद भी खेती करते हैं। रांची में उनका एक फार्महाउस है, जहां जैविक फल और सब्जियां उगाई जाती हैं। क्रिकेटर ने कहा कि वह गरुड़ एयरोस्पेस का हिस्सा बनकर खुश हैं। गरुड़ एयरोस्पेस के CEO अग्निश्वर जयप्रकाश ने कहा कि वह धोनी के बहुत बड़े फैन हैं। जयप्रकाश ने कहा, 'गरुड़ एयरोस्पेस फैमिली में धोनी का होना एक सपने के सच होने जैसा है। कैप्टन कूल का साथ हमारी टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।'

पहला ड्रोन यूनिकॉर्न बनने के रास्ते पर गरुड़

गरुड़ एयरोस्पेस के 26 शहरों में 300 ड्रोन और 500 पायलट हैं। यह भारत का पहला ड्रोन यूनिकॉर्न स्टार्टअप बनने के रास्ते पर है। गरुड़ एयरोस्पेस उन चार ड्रोन स्टार्टअप्स में शामिल है, जिन्हें ऑनलाइन फूड डिलीवरी सर्विस स्विगी ने अपनी ग्रॉसरी सर्विस इंस्टामार्ट के पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत ड्रोन के जरिए ग्रॉसरी की डिलीवरी होगी।

कस्टमर कॉमन पॉइंट तक ड्रोन से पहुंचेगा ऑर्डर

ड्रोन का इस्तेमाल सामान की सप्लाई सेलर्स के डार्क स्टोर्स तक करने और डार्क स्टोर्स से कॉमन कस्टमर पॉइंट तक पहुंचाने के लिए किया जाएगा। इसके बाद डिलीवरी पार्टनर कॉमन पॉइंट से ऑर्डर लेगा और उसे ग्राहक तक पहुंचाएगा। डार्क स्टोर का मतलब एक एक तरह का लोकल स्टोर है। इसमें ग्राहक नहीं होते। यहां किराने का सामान रखने के लिए शेल्व्स और रैक होते हैं।

ड्रोन के इस्तेमाल से कैसे बदल सकती है खेती?

जनसंख्या के लिहाज से भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है और क्षेत्रफल के हिसाब से सातवां बड़ा देश। ऐसे में इतनी बड़ी आबादी को अन्न सुरक्षा देना बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसलिए जरूरी है कि पारंपरिक खेती की बजाय आधुनिक और तकनीकी खेती का विस्तार हो। खेती की बढ़ती लागत और प्राकृतिक आपदाओं के कारण भी किसानों को खेती से नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में ड्रोन जैसी टेक्नोलॉजी के जरिए की गई प्रिसिजन फार्मिंग देश के किसानों को बेहतर विकल्प दे सकती है। ड्रोन का इस्तेमाल कर किसान लागत में कमी और समय की बचत कर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। पारंपरिक तरीके से कीटनाशकों का छिड़काव करने से हेल्थ पर इसका इफेक्ट पड़ता है। लेकिन ड्रोन के इस्तेमाल से इससे बचा जा सकता है।

गोल्डन गर्ल अवनी ने पैराशूटिंग वर्ल्ड कप में रेकॉर्ड के साथ जीता गोल्ड

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पैरालंपिक चैंपियन राइफल निशानेबाज अवनि लेखरा की फ्रांस में होने वाले चेटौरौक्स 2022 डब्ल्यूएसपीएस विश्व कप में भी गोल्ड जीता है। जयपुर की गोल्डन गर्ल अवनि ने दस मीटर एयर राइफल वर्ग में गोल्ड जीता है। इसके साथ ही अवनि ने 250.6 अंकों के साथ नया वर्ल्ड रेकॉर्ड भी कायम किया। अवनि की इस उपलब्धि से उनके परिवार और शहर में हर्ष का माहौल है। जानकारी के अनुसार पैराशूटिंग वर्ल्ड कप में अवनी ने दस मीटर एयर राइफल वर्ग में 627.7 प्वाइंट हासिल कर गोल्ड मैडल जीता। प्रतियोगिता में अवनि ने 250.6 अंकों के साथ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। इसके साथ ही अवनि को अगले पैरालंपिक का कोटा भी हासिल हो गया है। अवनि ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने माता–पिता प्रवीण लखेरा को दिया है।

पैरालंपिक्स में दिलाया था पहला गोल्ड

जयपुर में जन्मी अवनि ने टोक्यो पैरालंपिक्स 2020 में शूटिंग में गोल्ड मेडल जीता था। पैरालंपिक्स के इतिहास में भारत का शूटिंग में ये पहला गोल्ड मेडल था। इसके अलावा 2016 से 2020 के बीच अवनि ने नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में 5 बार गोल्ड मेडल जीता है। यूएई में हुई पैरा शूटिंग वर्ल्ड कप में अवनि ने सिल्वर मेडल जीता था।

वीजा की वजह से टूट गई थी आस

गौरतलब है कि अवनि लखेरा अंतिम समय पर फ्रांस पहुंच पाई थी। वीजा में हुई परेशानी के चलते उनके फ्रांस जाकर प्रतियोगिता में शामिल होने पर भी संशय था। अवनि ने इसके चलते ट्वीट कर बताया था कि, मैं दुखी हूं, फ्रांस जाने में सक्षम नहीं हूं क्योंकि मेरी एस्कॉर्ट श्वेता जेवरिया और मेरे कोच राकेश मनपत का वीजा जारी नहीं किया गया है। सात जून का मैच मेरे लिए महत्वपूर्ण है। क्या कोई मदद कर सकता है? भारतीय खेल प्राधिकरण ने लेखरा के जवाब में ट्वीट किया, यह दुर्भाग्यपूर्ण है, अथक प्रयासों के बावजूद वीजा नहीं मिल सका।

चंदेरिया लेड ज़िंक द्वारा सघन वृक्षारोपण

पर्यावरण सरंक्षण के प्रति हो प्रतिबद्धता- ओपी गुप्ता

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत मुख्य अतिथि ओ पी गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदषूण नियंत्रण बोर्ड, चित्तौडगढ़ ने पीपल का वृक्ष लगाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया, साथ ही उन्होंने सभी को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाये प्रेषित की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस 2022 को 'ओनली वन अर्थ' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो 'प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने पर केंद्रित है, क्योंकि यह हमारे ग्रह को सेलिब्रेट करने, संरक्षित करने और पुनर्स्थापित करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक, परिवर्तनकारी कार्रवाई का आह्वान करता है.. हमारी कार्य संस्कृति एवं सामान्य व्यवहार में हम कोशिश करे की अधिक से अधिक वृक्ष लगाए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर के लोकेशन हेड दीपक सोपोरी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम तभी कर पाएंगे जब हम सघन वृक्षारोपण कि श्रंखलाओ को स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण चेतना एवं चिंतन मानवीय दृष्टिकोण का आवश्यक भाग है और हम सब को सदैव इस बारे में सोचना चाहिए। इसके लिए सामूहिक प्रयासों के साथ साथ व्यक्तिगत प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण है। सोपोरी ने कहा कि परिसर में वृक्षों की सघनता बढ़ाने की योजना बनायीं है जिसमे अलग अलग चरणों में कुल 100000 पेड़ लगाने का उद्देश्य है। वरिष्ठ प्रबंधक पर्यावरण तरुण मेघवाल, ने कहा कि इस वर्ष हमारा 40000 पौधरोपण का लक्ष्य है जिसके अंतर्गत आज पर्यावरण दिवस पर 8000 पौधे लगाए गए। एक लाख का लक्ष्य दो वर्षो में पूरा होगा जिसमें 40000 प्रथम वर्ष में पूरा किया जाना है। इस अवसर पर कमोद सिंह, दीप अग्रवाल, अमित सुराणा, चंडी प्रसाद, आदित्य सिंह, के आर अनूप, अनागत आशीष एवं अन्य अधिकारी व बिजनेस पार्टनर्स ने वृक्षारोपण किया।

जागरूक खबरें

महेश नवमी कार्यक्रमों के तहत शिविर में 68 यूनिट हुआ रक्तदान

निबाहेड़ा @ जागरूक जनता। माहेश्वरी समाज के वंशोत्पति दिवस 8 जून महेश नवमी 2022 के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला में माहेश्वरी समाज द्वारा माहेश्वरी युथ सोसायटी के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन आदर्श कॉलोनी स्थित महेश भवन में किया गया। शिविर का समाज के वरिष्ठजनों ने भगवान महेश की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। तत्पश्चात मानव सेवा के लिए आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में समाजजनों के अतिरिक्त नगरवासियों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। समाज द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर में कई महिलाओं एवं कई रक्तदाताओं ने सपत्निक रक्तदान किया। माहेश्वरी युथ सोसायटी के अध्यक्ष लोकेश लद्ढा ने बताया कि रक्तदान शिविर में 68 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। शिविर संयोजक डॉ हरिओम तुर्किया ने बताया कि रक्तदान शिविर में रक्त संग्रहण का कार्य चित्तौड़गढ़ ब्लड बैंक की टीम ने डॉ रोहित धाकड़ के नेतृत्व में किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र व पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नानालाल भूतड़ा, समाज अध्यक्ष कैलाश लद्ढा, महिला मण्डल अध्यक्ष अनिता सोनी, महामंत्री विकास चण्डक, युथ सोसायटी उपाध्यक्ष आशीष चण्डक, आशीष भूतड़ा, शिवलाल पलोड़, रमेश भराड़िया, भानु झंवर, अनिल तोषनीवाल, दीपक मालू, पंकज मण्डोवरा, रामेश्वरलाल सोनी, सोभागमल चण्डक, शिवनारायण भराड़िया, अरविन्द मून्दड़ा सहित बड़ी संख्या में पुरूष-महिला, युवा उपस्थित थे।

भोजगढ के वन में रात को ट्रेप कैमरे नजर आया पैंथर

उदयपुरवाटी @ जागरूक जनता। पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक है अधिक से अधिक वन क्षेत्रों में लगातार हरियाली का बढते रहना और सभी प्रकार के वन्य जीवों की संख्या में सतत वृद्धि होते रहना। क्षेत्र के रेंजर रणवीर सिंह शेखावत ने बताया कि वन्य जीवों के संरक्षण के लिए कुछ स्थानों पर कैमरे लगाए गए हैं और उनकी ट्रेपिंग भी की जारी रही है। विगत रात्रि को भोजगढ क्षेत्र के वन क्षेत्र में सेही और पैंथर की फोटो ट्रेप हुई है।

कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष ने किया "मधुर मिलन स्मारिका" का विमोचन

चौमूं @ जागरूक जनता। ब्राहमण समाज राजस्थान जयपुर जिला देहात के द्वारा आयोजित सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन की "मधुर मिलन स्मारिका" पुस्तक का विमोचन कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष आईजी हरिप्रसाद शर्मा ने किया जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने माल्यार्पण कर एवं मां गायत्री की प्रतिमा एव मधुर मिलन स्मारिका भेंट की। इस दौरान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने कहा कि यह स्मारिका समाज के लोगों के लिए बहुत उपयोगी है इसमें समाज की युवक-युवतियों का पूरा विवरण है जिससे समाज में विवाह संबंधित आ रही समस्याओं से निजात मिलेगी इस दौरान समाजसेवी प्रदीप शर्मा, दीपक शर्मा, राकेश शर्मा, सीपी कराडिया आदि लोग उपस्थित थे।

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस

वैश्विक बदलावों के अनुकूल हो शैक्षिक नवाचार-मिश्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर/जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव के अनुकूल शिक्षा पद्धति का विकास करने के लिए शैक्षिक नवाचारों को बढ़ावा देने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में सर्वाधिक महत्व इनोवेशन का है, इससे शिक्षा को व्यवसायोन्मुख बनाकर विद्यार्थियों के साथ-साथ देश के भविष्य को भी नई ऊंचाई दी जा सकती है।

राज्यपाल मिश्र महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के 19वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में माउंट आबू स्थित राजभवन से ऑनलाइन सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा को युगानुकूल बनाने के लिए सामाजिक, औद्योगिक और तकनीकी बदलावों को समाहित करते हुए शैक्षिक नवाचारों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि छात्राओं को अवसर मिलें तो वे आकाश छू सकती हैं। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा परिणाम में सर्वोच्च तीन स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने बालिका शिक्षा के लिए बेहतर परिवेश और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने पर बल दिया ताकि छात्राएं शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में आगे बढ़कर देश और समाज का नाम रोशन कर सकें।

राज्यपाल ने कहा कि जो समाज शिक्षित होता है, वही उन्नति करता है, इसलिए बगैर किसी भेदभाव के शिक्षा का सुदूर स्थानों तक प्रसार करने के लिए सभी स्तरों पर निरंतर प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विद्यार्थी के ज्ञान का विस्तार करने के साथ उनकी स्मृति, निर्णय क्षमता एवं सृजनात्मक क्षमता का विकास करने वाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों से विद्यार्थियों को जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास की संवाहक बने। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि विद्यार्थी संविधान प्रदत्त जीवन मूल्यों, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति आस्थावान बनें, इसके लिए प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क स्थापित करने की पहल की गयी है। उन्होंने कहा कि जयपुर स्थित राजभवन में भी ऐसा संविधान पार्क निर्मित करवाया जा रहा है, जिसमें संविधान निर्माण की भूमिका से लेकर उसे लागू किए जाने की तमाम घटनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

राज्यपाल ने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्ध महाविद्यालयों में भी दीक्षान्त समारोह आयोजित करवाने की पहल की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय में नवनिर्मित इनोवेशन सेंटर और गार्गी कन्या छात्रावास का ऑनलाइन लोकार्पण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय न्यूज लेटर के स्थापना दिवस विशेषांक का भी ऑनलाइन लोकार्पण किया। कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। आरम्भ में राज्यपाल मिश्र ने भारतीय संविधान की उद्देश्यिका और मूल कर्तव्यों का वाचन भी किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्दराम जायसवाल, कुलसचिव यशपाल आहूजा, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षकगण और विद्यार्थी प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन उपस्थित रहे।

बिरला कारपोरेशन लिमिटेड, चंदेरिया ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

प्रश्नोत्तरी, पेंटिंग बनाकर दिया पर्यावरण सुरक्षा का संदेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष मे बिरला कारपोरेशन लिमिटेड चंदेरिया द्वारा पर्यावरण सरंक्षण के प्रति जागरूकता एवं सरंक्षण को बढ़ावा देने हेतु इस वर्ष की थीम ऑनली वन अर्थ को आधार मानते हुए विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओ को आयोजित कर पर्यावरण सरक्षण सप्ताह मनाया गया।

इस मौके पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूल के बच्चो एवं कारखाने मे कार्य करने वाले सभी कर्मचारियों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता, बिरला सीमेंट वर्क्स कैंटीन एवं चंदेरिया सीमेंट वर्क्स कैंटीन मे श्रमिकों के लिए पर्यावरण प्रश्नोत्तरी, प्लांट परिसर में हाउसकीपिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी विभागों ने अपना सम्पूर्ण योगदान किया। मुख्य समारोह मे संस्थान प्रमुख सुनील सूद, डी.के.पटेल, पी.के. सिंह, के.के. पांडे, आर.सी. झँवर, योगेश काबरा, के.के. सिंह, गोपाल कीर, मुकेश देपुरा, प्रबोध जेम्स, विनोद पालीवाल एवं पर्यावरण विभाग के अधिकारियो द्वारा वृक्षारोपण किया कर पर्यावरण को अधिक हरा भरा बनाने के लिए कई हजार वृक्षों को लगाने का संकल्प लिया। कम्पनी के प्रशासनिक भवन में पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन के बारे में सभी को जानकारी दी। कम्पनी में सिंगल यूज़ प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग न करने हेतु शपथ एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया, जिसमे सभी ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कम्पनी के सतत विकास अधिकारी विनोद पालीवाल द्वारा करते हुए पृथ्वी को आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित करने एवं जल को मितव्यवता से उपयोग करने एवं जल बचाव हेतु सुझाव देने पर जोर दिया। मानव संसाधन विभाग प्रमुख प्रदीप सिंह बघेल द्वारा संस्थान में पेपर को कम से कम उपयोग करके पेड़ो के बचाव हेतु प्रयास करने की सलाह दी।

डी.के.पटेल द्वारा संस्थान में उपयोग किए जाने वाले ए.एफ़.आर. के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इकाई प्रमुख सुनील सूद ने सभी लोगो द्वारा सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उत्पादों का प्रयोग न करने की बात कही।

जे.के.सीमेन्ट की अहीरपुरा माईन्स में किया वृक्षारोपण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी जे.के.सीमेन्ट ने पर्यावरण सरंक्षण के क्षैत्र में अपनी प्रतिबद्वता जाहिर करते हुये विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अहीरपुरा माईन्स स्थित बॉयोडायवर्सिटी पॉर्क में यूनिट हेड आर.बी.एम.त्रिपाठी के मुख्य आतिथ्य में कर्मचारियों द्वारा 500 पौधे लगाये गये। वृक्षारोपण में विभिन्न प्रजाति के पौधे जेसे नीम, पीपल, बरगद, आंवला, शीशम आदि लगाये गये।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि आरबीएम त्रिपाठी ने बताया कि बॉयोडायवर्सिटी पॉर्क का विकास जे.के.सीमेन्ट का ड्रिम प्रोजेक्ट है और दो से तीन साल में इसे पूर्ण विकसित कर दिया जायेगा। आने वाले समय में बॉयोडायवर्सिटी पॉर्क अनेक प्रकार के जीव-जन्तु व पंछियों के निवास स्थान के रूप में जाना जायेगा। पर्यावरण दिवस को वर्ष पर्यन्त अपने दिलो दिमाग में रखकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाने की अपील की। इस दिवस को जन आन्दोलन बनाकर सबको जिम्मेदारी निभाने के लिये प्रोत्साहित किया। जे.के.सीमेन्ट वर्क्स मांगरोल प्लान्ट के टेक्नीकल हेड प्रभात सिंह परिहार ने पर्यावरण सरंक्षण पर प्रकाश डालते हुये बताया कि इस वर्ष पर्यावरण दिवस की थीम ऑनली वन अर्थ है, जिसे भविष्य की पीढ़ी के लिये सरंक्षित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। पर्यावरण प्रमुख अनिल जैन ने बताया कि जे.के. सीमेन्ट द्वारा ग्रीन डवलपमेन्ट, कार्बन न्यूटीलिटी, वाटर पोजिटीविटी जैसे अनैक महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे है और एक ग्रीन प्रहरी के रूप में जे.के.सीमेन्ट द्वारा निरन्तर अनेक कार्य किये जा रहे है। आशीष झा द्वारा सभी उपस्थित कर्मचारियों को सिंगल यूज प्लास्टिक से बने सामान का बहिष्कार करने हेतु शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर प्लान्टेशन की टीम को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जे.के.सीमेन्ट के वरिष्ठ अधिकारी एस.के.खण्डेलवाल, मनीष तोषनीवाल, जय कुमार, प्रखर श्रीवास्तव, प्रभाकर मिश्रा, दिलीप धाकड़, वेद प्रकाश सहित कई अधिकारीगण उपस्थित थे।

जाट समाज वार्षिकोत्सव

प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

बाल विवाह और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर हुई चर्चा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सांचौर। श्री बलदेव राम मिर्धा जाट समाज सेवा संस्थान में वार्षिकोत्सव, प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कई अतिथि गण मौजूद रहे। कार्यक्रम पूर्व संसदीय सचिव भैराराम सियोल की अध्यक्षता व पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी, शिवकरण जांगू प्रदेशाध्यक्ष आदर्श जाट महासभा राजस्थान, दुदाराम हुडा उपखंड अधिकारी रेवदर, जालाराम पूनिया अध्यक्ष जाट समाज सांचौर, डॉ. भूपेंद्र बिश्नोई, भाजपा नेता दानाराम चौधरी, हरचन्द पुरोहित प्रधान प्रतिनिधि सांचौर, चिमनलाल सियोल तहसीलदार रानीवाड़ा, चुनाराम मूढ़ अध्यक्ष जाट समाज भीनमाल, लक्ष्मण सारण सरपंच की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में उत्कृष्ट विद्यार्थियों, सरकारी भर्तियों में चयनित समाज की 125 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। गुरुवार को आयोजित वार्षिकोत्सव, प्रतिभा समान समारोह में सैकड़ों समाज के लोगों ने बढ़ - चढ़कर भाग लिया। समाज के विकास व मिलजुल कर समाज को एक नई दिशा की ओर आगे बढ़ाने, समाज में फैल रहे नशे की प्रवृत्ति को रोकने को लेकर समाज के लोगों ने मंथन किया।

कार्यक्रम में मौजूद लोग कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव भैराराम सियोल ने बताया कि समाज को बाल विवाह,नशे व सामाजिक कुरीतियों से दूर कर एक नई दिशा डिजिटल युग के साथ आगे बढ़ना चाहिए,ताकि समाज के युवा वर्ग आगे बढ़ कुछ बन सके। कार्यक्रम को पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी, डॉ. भूपेन्द्र बिश्नोई,भाजपा नेता दानाराम चौधरी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मदन ताड़ा, रामचंद्र जाखड़,थानाराम ताडा रणोदर, सुखराम सरपंच भीमगुड़ा,राजूराम ताडा, दुर्गाराम डूडी छाजारा,जाखड़ फूसाराम, एडवोकेट डालूराम गुड़ामालानी, खेराज गुगड़वाल डीसा, हनुमान चौधरी सिरोही, डॉ . चरण सिंह सांचोर हॉस्पिटल,पदमाराम जानी आरवा, लक्ष्मण जाणी, दीपाराम जाखड़, देरावरसिंह आंसू,महेश जाणी, आदर्श किशोर जाणी,चेनाराम जाखड़ रंगवाली, खियाराम जांदू सहित अन्य मौजूद रहे।

दाता के वंनेसिंह ने जालौर जिलेभर में लहराया परचम 91% अंक हासिल कर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सांचौर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 12वीं आर्ट्स के परीक्षा परिणाम में सरनाऊ पंचायत समिति के निकटवर्ती स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दाता का इस वर्ष का बारहवी कला वर्ग का परिक्षा परिणाम 98.30 प्रतिशत रहा। 12 वीं साइंस और कॉमर्स की तरह आर्ट्स में भी लड़कियों ने बाजी मारी है। जालोर में आर्ट्स स्ट्रीम का रिजल्ट 97.14 प्रतिशत रहा है। साइंस और कॉमर्स की तरह आर्ट्स में भी लड़कियों ने बाजी मारी है। 12 वीं आर्ट्स में 97.79 प्रतिशत लड़कियां पास हुई है, जबकि 96.54 प्रतिशत लड़के पास हुए हैं। सांचोर उपखंड के ग्राम पंचायत दांता में राजकीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय की छात्र वने सिंह ने 12वीं के परीक्षा परिणाम में 91त्न अंक हासिल कर जिले भर में अपनी मेहनत का परचम लहराया है। ग्रामीण इलाके के मध्यम परिवार से ताल्लुक रखते हुए ग्रामीण परिवेश में 4-5 घंटे की नियमित पढ़ाई के साथ-साथ विद्यालय के अध्यापकों द्वारा मिले मार्गदर्शन एवं परिवार के सहयोग से यह सफलता पाई हैं।

पर्यावरण के बिना जीवन जीने की कल्पना नही कर सकते है-खिलेरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सांचौर। निकटवर्ती पर्यावरण सेवा संस्थान खारा में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मांगीलाल खिलेरी जिला परिषद सदस्य जालोर, अध्यक्षता संस्थान के संरक्षक भगवान कुपासिया, विशिष्ट अतिथि संस्थान के अध्यक्ष बाबूलाल ढाका के आतिथ्य में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि खिलेरी ने कहा कि पर्यावरण के बिना हमारे जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। ऐसे में लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से हर साल पर्यावरण दिवस मनाया जाता है उन्होंने लोगो से अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण करने की बात कही।

संस्थान के संरक्षक कुपासिया ने कहा की विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण को समर्पित एक ही दिन है और पर्यावरण के मुद्दों के बारे में आम लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। यह विभिन्न समाजों और समुदायों के लोगों को उत्सव में सक्रिय रूप से भाग लेने के साथ-साथ पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों को विकसित करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करता है।इस अवसर पर सचिव गणपतसिंह भादू, उपाध्यक्ष सुजानाराम, प्रेम ढाका भाटीप, किशन खीचड़, श्रवण सारण कुराड़ा, किशनलाल खिलेरी, जगदीश धेतरवाल, सुरेश कुराड़ा, लोकेश, हरिराम कुराड़ा, राजूराम खिलेरी, राजेश गीला, हरलाल ढाका, भेराराम गीला, सुरेश गोदारा, संजय खिलेरी, अशोक कुमार, शेलेस खिचड व भंवर मांजू सहित कई पर्यावरण प्रेमी मौजूद थे।

नारायण सेवा ने दिव्यांग नरेन्द्र को भेंट की मोटराइज्ड व्हीलचेयर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। जिन्दगी, उम्र और हालात किस मोड़ पर कब कैसी करवट ले, कोई नहीं जानता। सब कुछ बदल जाता है, सिर्फ कुछ ही पलों में। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला के जमुड़ी कस्बे के नरेन्द्र रौतेल (32) के साथ वक्त ने कुछ ऐसा ही किया कि रफ्तार से चल रही जिन्दगी को ब्रेक लग गया, ट्रेन के पहियों ने उसके दोनों पैर उससे छीन लिए। नरेन्द्र 2016 में उड़ीसा के रेडाखोल में एक कंट्रक्शन कम्पनी में सुपरवाईजर का काम करता था। नोटबंदी के दौरान वह घर पर पैसे भेजने के लिए ट्रेन से बैंक के लिए निकला। बामूर रेल्वे स्टेशन से थोड़ा पहले सिगनल न मिलने से ट्रेन रूकी हुई थी। पैसा भेजकर कार्यस्थल पर जल्दी पहुंचने में वह ट्रेन से वहीं उतर ही रहा था कि ट्रेन चल पड़ी। नरेन्द्र के दोनों पांव पहियों की चपेट में आ गये। ईलाज के दौरान दोनों पैर घुटने के नीचे से काटने पड़े। भुवनेश्वर दिल्ली और मध्यप्रदेश में दो वर्ष तक ईलाज और मदद के लिए चक्कर लगाये पर सब जगह निराशा ही मिली। इसी दौरान भाई की मौत, भाभी का अन्यत्र चले जाना और खुद की दिव्यांगता दिन ब दिन घर की दयनीय दशा का कारण बनती जा रही थी। तभी उसे नारायण सेवा संस्थान की जानकारी मिली। वह 2019 में पहली बार संस्थान में आया जहां संस्थान की निदेशक वंदना अग्रवाल और प्रास्थेटिक एण्ड ऑर्थोटिक प्रमुख डॉ. मानस रंजन साहू ने हौसला दिया। कृत्रिम पांव लगाए, चलने की ट्रेनिंग दी साथ ही उसे कम्प्यूटर चलाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। 6 मार्च 2022 को संस्थान में सिलाई सीख रही सकलांग नीलवती के साथ विवाह सम्पन्न हुआ। कुछ दिन पहले नरेन्द्र ने संस्थान से अनुरोध किया कि पति-पत्नी संयुक्त व्यापार शुरू कर परिवार के 8 जनों का भरण पोषण करना चाहते है। इसके लिए उसे अपने गांव से 2-3 किलोमीटर रोजाना आना जाना होगा और इतनी दूरी कृत्रिम अंग के सहारे तय करना दुभर है। संस्थान ने दिव्यांग एवं निर्धन नरेन्द्र के परिवार को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए करीब एक लाख लागत की बेट्री ऑपरेटेड मोटराईज्ड व्हीलचेयर निःशुल्क भेंट की। जो सड़क और घर दोनों जगह काम आ सकती है। मदद पाकर नीलवती और नरेन्द्र मुस्कुरा उठे।

डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23 | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

पूरे देश में जुलाई से प्लास्टिक पर पूर्णत रोक का गजट नोटिफिकेशन हो रखा है जारी

एक जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक बंद!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एक जुलाई को सिंगल यूज प्लास्टिक प्रोडक्ट्स का उपयोग बंद हो जाएगा। बड़े पैमाने पर उपयोग किए जा रहे सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादों के स्थान पर अब जूट-कागज, कपड़ा, बांस आदि के उत्पाद विकल्प बनेंगे। ऐसे में व्यापार के नए सेक्टर में बूम होने की उम्मीद है।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग बंद करने के साथ ही इन उत्पादों के विकल्पों के प्रयोग को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार पर्यावरण व बड़े जलाशयों के लिए घातक साबित हो रहे प्लास्टिक कचरे के खतरे से निपटने के लिए अगले माह 1 जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक प्रोडक्ट्स के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने जा रही है।

इन उत्पादों पर लगेगा बैन

- प्लास्टिक स्टिक वाले ईयरबड्स
- गुब्बारे के प्लास्टिक स्टिक
- प्लास्टिक के झंडे
- कैंडी स्टिक
- आइस्क्रीम स्टिक
- सजावट में काम आने वाले थर्माकोल
- प्लास्टिक कप, प्लेट, गिलास, कांटा, चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, ट्रे जैसी कटलेरी आइटम
- मिठाई के डिब्बों पर लगाई जाने वाली प्लास्टिक फिल्म
- प्लास्टिक के निमंत्रण पत्र
- प्लास्टिक से बने सिगरेट के पैकेट
- 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले पीवीसी बैनर
- 75 माइक्रोन से कम मोटाई वाली थैलियां।

देश की पहली राष्ट्रीय वायु क्रीड़ा नीति मंत्री सिंधिया ने की जारी

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश की पहली राष्ट्रीय हवाई खेल नीति को आज यहां जारी किया जिसमें 11 प्रकार के हवाई खेलों के लिए देश के विभिन्न स्थानों पर अलग अलग हवाई क्लस्टर समेत पूरा ईकोसिस्टम बनाने का प्रावधान किया गया है और इससे देश में पर्यटन, यात्रा, विनिर्माण और अवसंरचना विकास को और बल मिलेगा। सिंधिया ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में इस नीति को जारी करते हुए कहा कि आज का दिन देश के नागर विमानन क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक अवसर है जब भारत में हवाई खेलों को बढ़ावा देने के लिए बहुत शोध एवं अध्ययन के बाद एक राष्ट्रीय वायक्रीडा नीति को जारी किया जा रहा है। देश में इस समय करीब पांच हजार लोग हवाई खेलों से जुड़े हुए हैं और इससे करीब 80-100 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित होता है। नयी वायुक्रीड़ा नीति के बाद इस क्षेत्र में करीब एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलने और राजस्व 10 हजार करोड़ रुपए तक होने की संभावना है। नागर विमानन मंत्री ने कहा कि उनके मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में भारतीय वायु क्रीडा महासंघ का गठन किया जाएगा जो देश में हवाई खेलों की सर्वोच्च शासकीय निकाय होगा।

जागरूक समाचार

कक्षा 8 व 5 का परीक्षा परिणाम आज

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में कक्षा-8 के 12.63 लाख परीक्षार्थियों एवं कक्षा-5 के 14.53 लाख परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम 8 जून को प्रातः 11 बजे डिजिटल माध्यम से घोषित किया जायेगा। गौरतलब है कि यह परिणाम पहले 25 मई को जारी होने वाला था

भूतपूर्व सैनिकों को 3 वर्ष से पहले मिल सकेगी आवंटित भूमि की खातेदारी

मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भूतपूर्व सैनिकों को आवंटित भूमि के खातेदारी अधिकार के संबंध में राजस्थान उपनिवेशन शर्तें-1955 में संशोधन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उक्त संशोधन से उपनिवेशन विभाग द्वारा भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के आवंटितों को नियम 13 व 13-क के आवंटियों के समान प्रीमियम राशि के भुगतान उपरान्त 3 वर्ष से पूर्व खातेदारी अधिकार दिए जा सकेंगे।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड़, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

जागरूक खबरें

सर्व ब्राह्मण महासभा ने किया नवीन कुमार शर्मा एवं नानग राम शर्मा का अभिनंदन

चौमूं @ जागरूक जनता। सर्व ब्राह्मण महासभा चोमूं नगर कार्यकारिणी द्वारा श्री कागल्या हनुमान जी मंदिर परिसर में राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के निर्विरोध निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा एवं प्रदेश संस्कृत शिक्षा प्रतिनिधि नानग राम शर्मा का माल्यार्पण कर, दुपट्टा पहनाकर एवं साफा बंधवा कर भगवान श्री परशुराम जी की तस्वीर भेंटकर अभिनंदन किया गया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई ।चोमूं नगर अध्यक्ष ब्रह्मदत्त मिश्रा एवं युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेंद्र भातरा ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षाविद बालकृष्ण भारद्वाज रहे, अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने की, विशिष्ट अतिथि हजारी लाल शर्मा, ब्लॉक आयुर्वेद अधिकारी चोमूं विष्णु दत्त शर्मा, मोरीजा उपसरपंच सुदर्शन शर्मा, मदन मोहन तिवारी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अनुराग शर्मा रहे । इस अवसर पर नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा ने संगठन द्वारा दिए गए दायित्व का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करने की बात कही, इस अवसर पर रूप किशोर भारद्वाज, मेघराज शर्मा, अजय कुमार शर्मा ,प्रीति पारीक सीताराम शर्मा, निर्विकार शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष गजानंद शर्मा, उपाध्यक्ष निखिल तिवारी, नरेंद्र शर्मा, कैलाश तिवारी, राजेश शर्मा, रामगोपाल शर्मा, लालचंद शर्मा, सुभाष चंद शर्मा, हेमंत शर्मा, विनोद बसोतिया, कृष्ण कांत शर्मा, मनीष कुमार शर्मा, कमल लाटा आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन चोमूं नगर अध्यक्ष ब्रह्मदत्त मिश्रा ने किया जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हिंदू रक्षक दल ने मनाया महाराणा का जन्मोत्सव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमू। हिंदू रक्षक दल द्वारा विभिन्न जगहों पर मेन चौपड़ और गुरुकृपा क्लासेज में महाराणा प्रताप का जन्मोउत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया और महाराणा प्रताप के चित्र पर फूलों की माला पहनाकर उस अर्पित करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया,हिंदू रक्षक दल के राजेश गोरा ने बताया कि महाराणा प्रताप की जयंती विक्रमी संवत् कैलेंडर के अनुसार प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाई जाती है,महाराणा प्रताप का जन्म राजस्थान के कुंभलगढ़ हुआ, महाराणा प्रताप का जन्म महाराजा उदयसिंह एवं माता राणी जीवत कंवर के घर ई.स. 1540 में हुआ था। महाराणा प्रताप को बचपन में कीका के नाम से पुकारा जाता था। महाराणा प्रताप का राज्याभिषेक गोगुंदा में हुआ था।

सन् 1576 के हल्दीघाटी युद्ध में करीब बीस हजार राजपूतों को साथ लेकर महाराणा प्रताप ने मुगल सरदार राजा मानसिंह के अस्सी हजार की सेना का सामना किया। महाराणा प्रताप के पास एक सबसे प्रिय घोड़ा था, जिसका नाम %चेतक% था। इस युद्ध में अश्व चेतक की भी मृत्यु हुई। शत्रु सेना से घिर चुके महाराणा प्रताप को शक्ति सिंह ने बचाया। यह युद्ध केवल एक दिन चला परंतु इसमें सत्रह हजार लोग मारे गए। मेवाड़ को जीतने के लिए अकबर ने भी सभी प्रयास किए।महाराणा प्रताप ने भी अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया था। उन्होंने कई वर्षों तक मुगल सम्राट अकबर के साथ संघर्ष किया। मेवाड़ की शौर्य-भूमि धन्य है जहां वीरता और दृढ प्रण वाले प्रताप का जन्म हुआ। मेवाड़ की धरती को मुगलों के आतंक से बचाने वाले ऐसे वीर सम्राट, शूरवीर, राष्ट्गौरव, पराक्रमी, साहसी, राष्टभक्त जिन्होंने इतिहास में अपना नाम अजर-अमर कर दिया। उन्होंने धर्म एवं स्वाधीनता के लिए अपना बलिदान दिया। ऐसे शूरवीर को की जीवनी सभी युवाओं को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया इस मौके पर सुरेश गोदारा,कानाराम निठारवाल,समीर चौधरी,राहुल घोसल्या,राहुल योगी,शंकर गोरा, पार्षद कन्हैया लाल गोयल,हरिनारायण सैनी,नितिन सेन राहुल दुन,उग्र प्रताप सिंह सोहन जीतरवाल,विकास रणकटिया, सुनील गोरा, तेजपाल बराला आदि हिंदू रक्षक दल के कार्यकर्ताओं द्वारा हर्षोल्लास से जन्म महाराणा प्रताप का जन्मोउत्सव मनाया गया

मोदी जी के 8 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को पूर्ण समर्पित-शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूँ। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के पिछले 8 साल सुशासन को लेकर भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर जिलाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, जिला प्रभारी सतवीर यादव के साथ सुभाष सर्किल स्थित भाजपा कार्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की।

विधायक रामलाल शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 8 साल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के लिए पूर्ण समर्पित रहे। नरेंद्र मोदी जी की दूरगामी सोच का ही नतीजा है कि जनधन खाता योजना से गरीब लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा गया और लोगों के शून्य पर खाते खोले गये। कोविड के दौरान संपूर्ण लॉकडाउन में रुपयों का लेन देन जारी रहा और लोगों को बैंकिंग सिस्टम का लाभ मिला। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से गरीब परिवारों को गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया गया और माताओ- बहनों को चुल्हे के धुए से मुक्ति दिलाई गई। देश में प्रत्येक घर को नल से जोड़ने के लिए जल जीवन मिशन योजना की शुरुआत की गई, जिसके अंतर्गत राजस्थान को भी जल जीवन मिशन के अंतर्गत करोड़ों रुपए दिए गए, लेकिन कांग्रेस सरकार में स्थानीय अधिकारियों द्वारा इस योजना को सिर्फ पलीता लगाने का काम किया गया।

अधिकारियों द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे स्थानों से पेयजल के स्रोत लिए गए, जहां पानी की एक बूंद भी नहीं है और सरकार की इस योजना में करोड़ों रुपए की बर्बादी करने का काम अधिकारियो द्वारा किया गया। देश के अंदर आई कोविड महामारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व ने देशवासियों को कोविड से बचाने का काम किया और भारत सरकार द्वारा कोविड के दौरान मेडिकल कॉलेज, चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट, बेड आदि की सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई गई। साथ ही कोविड के दौरान टीकाकरण योजना की शुरुआत भी की गई। देश में पहले जब कोई महामारी आती थी तो उस महामारी का टीका बनाने में कई वर्ष लग जाते थे लेकिन मोदी जी सरकार में कोविड के दौरान ही दो वैक्सीन का सफल परीक्षण किया गया और कोविड के टीको को लेकर विपक्ष द्वारा माहौल खराब करने का काम किया गया, लेकिन मोदी जी के कुशल नेतृत्व ने देश के प्रत्येक व्यक्ति को कोविड महामारी की फ्री वैक्सीन उपलब्ध करवाने का काम किया और देश को कोविड महामारी से बचाने का काम किया।

मोदी जी के नेतृत्व में ऑपरेशन गंगा और ऑपरेशन राहत द्वारा युद्ध ग्रस्त क्षेत्रों में फंसे भारतीयों को सकुशल निकाला गया। भारत की सुरक्षा को सुदृढ़ किया गया। जिससे देश में आतंकी घटनाओं में कमी आई। इसके अलावा राम मंदिर निर्माण शुरू कर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का सम्मान किया गया। श्री काशी विश्वनाथ धाम और श्री केदारनाथ धाम का नवीनीकरण किया गया, अनुच्छेद 370 को हटाकर जम्मू कश्मीर को भारत में एकीकृत किया, नागरिकता संशोधन कानून को लागू कर पड़ोसी देशों में रह रहे प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को राहत पहुंचाई, ट्रिपल तलाक की प्रथा को खत्म कर मुस्लिम महिलाओं को राहत पहुंचाई, पूरे देश में सड़कों का जाल बिठाने का काम किया गया और राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण की गति में 208त्न की बढ़ोतरी हुई, 2013-14 में 12 किलोमीटर प्रति दिन से आज 37 किलोमीटर प्रतिदिन पर पहुंच गई है। 80 नए हवाई अड्डे का निर्माण कार्य प्रगति पर है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत किसानों को 11.30 करोड़ किसान परिवारों को 1.82 लाख करोड़ से अधिक की राशि दी गई। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 37.52 करोड़ आवेदनों को बीमाकृत किया गया। डीएपी खाद पर सब्सिडी 1200 रुपये प्रति बोरी की गई। एमएसपी पर रबी और खरीफ की फसल की रिकॉर्ड खरीद रखी गई।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 80 करोड लोगों को मुफ्त अनाज का वितरण किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 2.3 करोड़ आवास स्वीकृत और शहरों में 1.22 करोड आवास स्वीकृत किए गए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित जयपुर जिला देहात उत्तर जिला अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने मोदी जी के 8 वर्षो के कार्यकाल को गरीब कल्याण के लिए समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि जीवन की सुगमता प्रत्येक नागरिक का अधिकार है।इसलिए इसे आगे बढ़ाना भाजपा सरकार की प्राथमिकता रही है। भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास और सब का सम्मान की नीति को लेकर चलती है। इस मौके पर जयपुर जिला देहात उत्तर जिला प्रभारी सत्यवीर यादव ने भी प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

भाजपा ने 36 करोड़ तो कांग्रेस ने 10 करोड़ रुपए किए खुर्द बुर्द लेकिन...

भला सिर्फ नेताओं का, जनता तो आज भी प्यासी-छुट्टन यादव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। सालों से पेयजल समस्या से जूझने वाली राजधानी की सबसे चर्चित विधानसभा चौमूं में आज भी मुख्य मुद्दा पेयजल ही है। सालों पहले भारतीय जनता पार्टी ने लगभग 36 करोड़ रुपए का टेंडर पेयजल संकट दूर करने के लिए जारी किया था। लेकिन चुनावों के मद्देनजर आनन फानन में हुए इस टेंडर ने जनता को राहत तो दी लेकिन चंद महिनों बाद स्थिति जस की तस रह गई। शहर में 36 करोड़ रुपए के टेंडर का इतिहास सिर्फ टंकियों तक सीमित मात्र रह गया। वही भाजपा से तस्त्र जनता ने इस बार नगरपालिका चुनाव में कांग्रेस के वादे पर विश्वास किया और प्रचंड बहुमत के साथ नगरपालिका बोर्ड कांग्रेस पार्टी को सौपा। लगभग 16 माह के शासन में कांग्रेस पार्टी भी भाजपा के तर्ज पर एक के बाद एक पेयजल समाधान के नाम पर टेंडर जारी करती गई, लेकिन मुख्य समस्या को छेडा तक नहीं। मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि लगभग 10 करोड़ रुपए के टेंडर नगरपालिका ने पेयजल समस्या से निपटने के लिए जारी किए, जिनमें पानी के पाइपलाइन का जाल तो बिछा दिया, लेकिन उन पाइपलाइन में पानी नहीं भेज सके। भाजपा की पानी की टंकियों की तरह कांग्रेस के पाइपलाइन भी सिर्फ एक इतिहास की तरह नजर आने लगे हैं। हालांकि गिरते भूजल स्तर के चलते चौमूं ही नहीं बल्कि राज्य में कई जगहों पर पेयजल संकट घहराया हुआ है। लेकिन चौमूं में ही नेताओं द्वारा पेयजल संकट पर सरकार बनाई जाती है फिर जनता के दर्द को भूल कर राज शुरू कर दिया जाता है। आज भी बिसलपुर जैसी योजना से चौमूं में पनप रही पानी की किल्लत को दूर किया जाता सकता है, लेकिन फिर भी बिसलपुर जैसी योजनाओं को छोड़ नेता अपनी जेब भरने के चक्कर में करोड़ों रुपए सरकार के खजाने से निकाल कर सिर्फ खर्च करने का काम कर रहे हैं लेकिन जनता के दर्द पर कोई नहीं। आज बढते पेयजल संकट को लेकर अब लोगों के सब्र का बांध टूटने लगा है। भीषण गर्मी में सूखे नलों ने लोगों के जीवन में बदलाव ला दिया है। जंहा आमजन सुबह उठते ही अपने परिवार के लालन पालन के लिए नौकरी पर जाता था, अब वही आमजन सुबह से शाम तक परिवार के कंठों को तर करने की जुगत में घुमता रहता है। आहत आमजन कभी नेताओं के दर पर तो कभी अधिकारियों के दर पर अपनी अर्जी लगा कर पेयजल संकट का दुखड़ा सुनाता दिखाई दे रहा है। जब कही से ना बनी बात तो आमजन अब सडकों पर विरोध के स्वर में राजनीतिक पार्टियों में सम्मिलित दिखने लगा है। ऐसा तब देखने को मिला जब राजधानी के चौमूं शहर में शुक्रवार को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता छुट्टन यादव ने जलदाय विभाग के ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के बीच रालोपा नेता छुट्टन यादव ने दोनों राजनीतिक दलों को आडे हाथ लेते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने 36 करोड़ तो कांग्रेस ने 10 करोड़ रुपए किए खुर्द बुर्द लेकिन भला सिर्फ नेताओं का हुआ जनता तो आज भी प्यासी है। सिर्फ अपने स्वार्थ सिद्ध करने मात्र के लिए जनता को चुनावों में पेयजल योजनाओं के सपने दिखा कर खुद सत्ता का स्वाद चखते है तो सत्ता में आने के बाद अपनों की जेब का ध्यान रखते हुए सरकारी करोड़ों रुपए खर्च करते हैं।

बाबा रामदेव समाज सेवा संस्थान की भजन गायन प्रतियोगिता 13 को

जोधपुर @ जागरूक जनता। समाज सेवा में जोधपुर की अग्रणी संस्थान बाबा रामदेव समाज सेवा संस्थान की और से कोरोनाकाल के बाद एक बार फिर 13 जून 2022 समय रात 8:30 बजे कल्पतरू सिनेमाघर जोधपुर मे राजस्थान के सभी सीनीयर भजन गायको के सानिध्य मे 32 उभरते भजन गायको के बीच भजन गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है संस्थान के अध्यक्ष करण सिंह राठौड़ ने जानकारी देते हुए कहा की सभी सुनने वाले भक्तो को प्रवेश निःशुल्क रहेगा। और एक ही मंच पर राजस्थान के प्रसिद्ध भजन गायको को सुनने का सुनहरा अवसर मिलेगा सभी युवा उभरते कलाकारों द्वारा भजनों के जरिये समा बांधा जाएगा। राज्य स्तरीय भजन गायन प्रतियोगिता के फाइनल कलाकारो के नामो की घोषणाकर दी गयी है, जो मुख्य प्रतियोगिता मे हिस्सा लेगे संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष करण सिंह राठौड़, भजन गायक महेन्द्र सिंह पंवार, मोईनुद्दीन मनचला व दिलीप गवेया खीवराज जागिड़ ने फाइनल 32 नाम घोषित किये है।

भाविप दायित्व ग्रहण समारोह सम्पन्न

संस्कृति की जड़ों की ओर लौटने की जरूरत -डॉ. प्रदीप कुमावत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चितौड़गढ़। भारत विकास परिषद् के प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमावत ने कहा कि आधुनिकता एवं पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर समाज में दिखावे की होड़ के बजाय आज समाज के मूल संस्कृति की जड़ों की ओर लौटने की जरूरत है तभी भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा को समझा जा सकता है। ये विचार उन्होनें नवनिर्वाचित अध्यक्ष बालकिशन धूत एवं नव गठित कार्यकारिणी के गणगौर गार्डन में रविवार सांय आयोजित दायित्व ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए व्यक्त किए।

उन्होनें विश्व पर्यावरण दिवस की महता एवं सदस्यों के नैतिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सदस्यगण भारतीय पुरातन संस्कृति की महता को समझे तभी विकास एवं पर्यावरण के मायने सही दिशा में समझ सकेगें। अब इतिहास का सही चित्रण होना जरूरी है। उन्होनें भारत माँ एवं गौ माँ को माता कहने के पीछे भाव को स्पष्ट किया। उन्होने शाखा अध्यक्ष बालकिशन धूत, सचिव नवीन वर्डिया, कोषाध्यक्ष राजेश न्याती को दायित्व ग्रहण करा शपथ दिलाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष कमल जैन ने कहा कि परिषद् की सम्पर्क, सहयोग, संस्कार सेवा एवं समर्पण के मूल पत्र पर कार्य करते हुए सेवा के क्षेत्र में देशभर में 1500 शाखाएं कार्यरत हे। उन्होनें नवगठित कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई। शाखा के संरक्षक डॉ. आई.एम. सेठिया ने कहा कि 1992 में स्थापित यह शाखा चितौड़गढ़ के पर्यावरण, विकलांग युक्त जिला अभियान, संस्कार एवं महिला सिलाई प्रशिक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए है। उन्होनें पूर्व संरक्षक स्वर्गीय डॉ. महेश सनाढ्य एवं पूर्व अध्यक्ष चेतन खमेसरा की सेवाओं को भी याद किया। जिला समन्वयक शिवप्रकाश पुंगलिया ने नवीन सदस्यों को शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों ने भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सदस्य अनिल ईनाणी, भगवती लाल समदानी, अनिल भण्डारी, अतुल सिसोदिया, ब्रजेश मोदानी एवं एन.के. जोशी ने मंचासीन अतिथियों का शॉल, उपरणा एवं पगडी से अभिनन्दन किया। प्रान्तीय अध्यक्ष कुमावत ने समाजसेवी गोपाल वेद, लक्ष्य वजीरानी को व प्रान्त की ओर से उत्कृष्ठ सेवाओं के लिए शशि सनाढय, प्रेमलता मंहत, राजेश न्याती, नवीन वर्डिया, शिवप्रकाश पुंगलिया एवं बालकिशन धूत को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष बालकिशन धूत ने स्वागत उद्बोधन दिया, सचिव नवीन वर्डिया ने प्रतिवेदन व कोषाध्यक्ष राजेश न्याती ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष दिनेश खत्री ने किया व आभार शिवप्रकाश पुंगलिया ने व्यक्त किया।

पदाधिकारियों का दायित्व ग्रहण

शाखा अध्यक्ष बालकिशन धूत द्वारा घोषित नवीन कार्यकारिणी को पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष कमल जैन ने उपाध्यक्ष रमेश ईनाणी, मनोहर मून्दडा, सचिव नवीन वर्डिया, कोषाध्यक्ष राजेश न्याती, सहसचिव अनिल भण्डारी, नरेन्द्र कुमार जोशी, शाखा महिला प्रमुख अर्चना मोदानी एवं कार्यकारिणी सदस्य कृष्णदास मंहत, अशोक मेहता, भवगतीलाल समदानी, सुमन कालिया, निर्मला न्याती, बृजेश मोदानी, चन्द्रप्रकाश सुखवाल, प्रहलाद पाराशर, वन्दना न्याती, आशा वर्डिया महेश नुवाल, राजेश पगारिया, शान्तिलाल भराडिया, भरत माहेश्वरी, डॉ. अशोक माहेश्वरी एवं सीमाराम मालीवाल को शपथ दिलाई व सदस्यों का उपरणा पहनाकर स्वागत किया।

पदाधिकारियों का दायित्व ग्रहण

पूर्व शाखा अध्यक्ष एवं जिला समन्वयक शिवप्रकाश पुंगलिया ने डॉ. अनिल सैनी, फतहसिंह देवपुरा, श्रीकान्त शर्मा, गोविन्द त्रिपाठी, मुकेश मुन्दडा, अनिल चण्डक, रजनीश गगरानी, र%श जायसवाल, सुनील काबरा, ज्ञानचन्द कावडिया, योगेश सिंघवी, ए.के. गजरानी, प्रशान्त काबरा, पुरूषोतम चौखडा, लोकेश चौखडा, सतीश मण्डोवरा, अरविन्द बाबेल, गोविन्द नागदा एवं राधेश्याम गुप्ता को सदस्यता प्रदान कर उपस्थित सदस्यों को शपथ दिलाई एवं पिन प्रदान की।

जागरूक खबरें

ऑनलाइन विश्व पर्यावरण दिवस साहित्यिक महोत्सव आयोजित

जालंधर @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण के महत्व तथा उपयोगिता का अहसास लोगों को करवाने के उद्देश्य से ऑनलाइन 'विश्व पर्यावरण दिवस साहित्यिक महोत्सव' का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'पर्यावरण का महत्व' रखा गया। इस महोत्सव में देश के अलग-अलग क्षेत्रों में रहने वाले रचनाकारों ने भाग लिया। जिन्होंने दिए गए विषय पर आधारित एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट रचनाओं को प्रस्तुत कर ऑनलाइन 'विश्व पर्यावरण दिवस साहित्यिक महोत्सव' की शोभा में चार चाँद लगा दिए और महोत्सव को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस? महोत्सव में सम्मिलित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन 'पुनीत? पर्यावरण प्रहरी' सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार जी ने पर्यावरण को परमात्मा का विशेष उपहार तथा मानव जीवन की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताते हुए विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी और समस्त देशवासियों को पर्यावरण की देखभाल करने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सरकार से बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने की प्रार्थना भी की। उन्होंने महोत्सव में प्रस्तुत की गई रचनाओं पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देकर रचनाकारों का मार्गदर्शन तथा उत्साहवर्धन किया और साथ ही रचनाकारों को समूह द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न ऑनलाइन साहित्यिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए सादर आमंत्रित भी किया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके समूह की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम डॉ. उमा सिंह बघेल, स्मिता सिंह चौहान, भारती राय, गरिमा, अंजना जैन रचनाकारों के रहे।

महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय खोलने का मिठाई बांटकर जताया आभार

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। अध्यक्ष राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण राज्यमंत्री सुरेंद्र सिंह जाड़ावत की अनुसंशा से शिक्षा मंत्रालय द्वारा जिले में 5 व चित्तौड़गढ़ में 2 महात्मा गांधी विद्यालय खोलने के आदेश दिए जिनमे चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के राबाउमावि विजयपुर और राबाउमावि घटियावली को महात्मा गांधी में महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय खोलने के आदेश दिए गए। महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय खोलने की स्वीकृति प्रदान होने पर स्थानीय ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर मिठाई बांटकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, शिक्षा मंत्री बीड़ी कल्ला, राज्यमंत्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत का आभार जताया। आभार जताने में घटियावली से यशोदा देवी कुमावत सरपंच गोपाल कुमावत पंचायत समिति सदस्य देवीलाल कुमावत पूर्व पंचायत समिति सदस्य राज कुमार सोमानी अनिल सोमानी विक्रम सिंह शक्तावत सूरज मल भील कैलाश कुमावत उदयराम रेगर गोटू कुमावत शिव दास भगवान लाल कुमावत गीशू लाल रैगर मिठू लाल रैगर चेनराम कुमावत सुरेश कुमावत बद्री लाल गाडरी राजू गाडरी दिनेश गाडरी भगवान लाल गाडरी लक्ष्मण भांभी उदयराम खटीक रंजीत सिंह मुन्ना लाल दमामी मांगी लाल प्रजापत प्रकाश कुमावत नाना लाल कुमावत प्रहलाद कुमावत हीरा लाल रैगर कैलाश भील राजेंद्र सिंह शक्तावत केसर सिंह शक्तावत किशोर धाकर राम नारायण धाकड़ भंवर लाल भाभी ओमप्रकाश गारू लोकेश सालवी विजयपुर से प्रहलाद लड़ा बंशी लाल मुंदडा गुलाम फारूक भेरू सिंह भगवत सिंह गोविन्द चोधरी दर्पण शर्मा गोपी लाल धाकड़ मनोज जी संजय जैन मुकेश रेगर अरुण सोनी बंटी शर्मा गोरधन सोनी मोनू जाट अभिषेक तंवर भरत नरुका अजित बगदीराम रेगर भरत लशकार लालजी सोनी शिव कंजर लालजी सोनी नरेंद पसाद पप्पू जाट राजेश प्रजापत मानव सोनी मनोज तेली आदि कार्यकर्ताओं ने राज्यमंत्री सुरेन्द्र सिंह का आभार। चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र को बेहतर बनाने से विद्यार्थियों व उनके परिजनों को लाभ मिलेगा।

जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर भारत माता यात्रा पीपाड़ शहर पहुंची

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर ''भारत माता यात्रा" पीपाड़ शहर में पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल व कई अन्य हिंदू संगठनों द्वारा लक्ष्मी होटल के पास भव्य वाहन रैली का पुष्प वर्षा द्वारा भव्य स्वागत किया गया तत्पश्चात भारत माता की जय के नारों से मुख्य बाजार को गुंजायमान कर दिया रैली का नेतृत्व "श्री श्री 1008 रामनाथ अवधूत महाराज" द्वारा किया गया इस दौरान यात्रा प्रदेश अध्यक्ष नारायणराम चौधरी ने कहा कि अनियंत्रित बढ़ती जनसंख्या एवं संसाधनों की सीमित संख्या के कारण आने वाले समय में हमें विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है इसके समाधान हेतु देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाया जाना ही आवश्यक है इस दौरान किसान मोर्चा राष्ट्रीय मंत्री शैलाराम सारण, परीक्षित सिंह चंपावत, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धुरेंद्र मेघवाल, मंडल अध्यक्ष राम किशोर भूतड़ा, पूर्व पालिका अध्यक्ष महेंद्र सिंह कच्छावाह, नगर निकाय प्रकोष्ठ जिला संयोजक दुलीचंद सोनी, मंडल महामंत्री आदित्य कच्छावाह, विश्व हिंदू परिषद जिला उपाध्यक्ष हरिशंकर भुतडा, विश्व हिंदू परिषद प्रखंड अध्यक्ष ओमप्रकाश टाक, पार्षद कैलाश सेन, पियुष शर्मा, धर्मेंद्र सोनी, जगदीश दवे, पूर्व मंडल महामंत्री संजय अरोड़ा, संजय खंडेलवाल, अरविंद सोनेल,राजेंद्र सोनी, जेठाराम सांखला, कल्याण सिंह कच्छावाह, जयनारायण जांगिड़, दिनेश सोलंकी, जितेंद्र प्रजापत, हनुमान राम कच्छावाह, बंसीलाल लखारा, रामकिशोर टाक, भवानी सिंह कच्छावाह,दिनेश कच्छावाह, मनीष टाक,पप्पू राम गहलोत, अंबालाल दायमा, तरुण आचार्य व कई अन्य कार्यकर्ता इस दौरान उपस्थित रहे।

तंबाकू मुक्त राजस्थान में शिक्षण संस्थाओं को तंबाकू मुक्त बनाने पर होगा काम

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान तंबाकू मुक्त अलायंस की आज यहां आयोजित बैठक में प्रदेश की राजधानी में बन रहे कोचिंग हब सहित सभी सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने में अहम फैसला लिया गया। बैठक में राज्य सरकार की एक सौ दिन की तंबाकू मुक्त राजस्थान की दिशा में हो रहे कार्यों पर चर्चा हुई। जिसमें गांव, ब्लॉक, जिला, संभाग मुख्यालयों के साथ राजधानी में प्रदेश को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए क्या काम हो सकते है।

विश्व पर्यावरण दिवस

'रन फॉर एनवायरमेंट' को कलक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कलक्टर ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रविवार को चित्तौड़गढ़ जिला प्रशासन और राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से रन फॉर एनवायरमेंट का आयोजन किया गया।

जिला कलक्टर अरविंद कुमार पोसवाल ने जिला कलेक्ट्रेट परिसर से पर्यावरण संरक्षण जागृति हेतु पृथ्वी एक है की थीम पर रन फॉर एनवायरमेंट दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो महाराणा प्रताप सेतु मार्ग, प्राइवेट बस स्टैंड, सहकार सर्किल होते हुए पुनः कलेक्ट्रेट परिसर पहुंच कर संपन्न हुई। जिला प्रशासन के अधिकारी, स्वयंसेवी संगठनों, स्काउट-गाइड सहित विभिन्न संगठनों ने पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान उप वन संरक्षक सुगनाराम जाट, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) गीतेश श्री मालवीय, प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी ओमप्रकाश गुप्ता, जिला प्रशासन के अधिकारी, स्वयंसेवी संगठनों, स्काउट गाइड सहित विभिन्न संगठनों उपस्थित थे। सभी ने पर्यावरण बचाने की शपथ भी ली।

कलक्टर ने किया पौधरोपण

जिला निर्वाचन कार्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में ईवीएम वेयरहाउस में पौधरोपण किया गया। जिला कलक्टर अरविंद कुमार पोसवाल ने पौधरोपण किया। इस दौरान जिला निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रकृति को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी-जिला कलेक्टर

जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल ने समस्त जिले वासियों को बधाई देते हुए कहा कि इस बार विश्व पर्यावरण दिवस की थीम है- वन सिंगल अर्थ। पानी, हवा सहित जीवन के लिए अन्य मूलभूत आवश्यकताएं हमारी पृथ्वी से ही पूरी होती है। हमारी पृथ्वी और प्रकृति खतरे में हैं इसलिए हम सबका यह दायित्व है कि हम हमारी प्रकृति को सुरक्षित रखने में अपना योगदान दें। सभी यह शपथ लें कि हम स्वयं पर्यावरण संरक्षण करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करेंगे।

आसपास क्षेत्र में होशियार सिंह साइकल मैन के नाम से है मशहूर

32 सालों से साइकिल पर जा रहे हैं स्कूल

प्रतिदिन 20-30 किलोमीटर दूरी करते हैं तय

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कनीना। वैसे तो प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार प्रदूषण रोकने पर बल दे रही है किंतु कनीना निवासी एवं विज्ञान के शिक्षक होशियार सिंह 32 सालों से लगातार साइकिल से स्कूल जा रहे हैं तथा साइकिल से ही दैनिक जीवन के कार्य करते हैं। इस वक्त धनौंदा स्कूल में सेवाएं दे रहे हैं। कनीना से धनौंदा की दूरी 8 किलोमीटर है। प्रतिदिन 8 किलोमीटर जाने व 8 किलोमीटर की दूरी तय कर रहे हैं। उनके पास किसी प्रकार की कोई बाइक आदि नहीं है। कहीं भी 5 से 7 किमी दूर किसी कार्य में के लिए जाना हो तो साइकिल ही प्रयोग करते हैं और साइकिल मैन के रूप में एक उदाहरण बन गये हैं। समय-समय पर विभिन्न लोग उन्हें सबसे लंबे समय तक साइकिल चलाने के कारण सम्मानित करने की बात तो कह रहे हैं किंतु कभी उन्होंने तो सरकार द्वारा और ना ही किसी संस्था द्वारा सम्मानित किया गया है।

होशियार सिंह कनीना निवासी ने 1988 में साइकिल चलानी शुरू की थी किंतु नियमित रूप से 1990 से साइकिल चला रहे हैं। कम से कम 21 विभिन्न स्कूलों में उनकी बदली हो चुकी है किंतु कभी भी उन्होंने नजदीक स्टेशनों पर वाहन प्रयोग नहीं किया व साइकिल से ही सफर तय करते आ रहे हैं। चाहे स्कूल जाना हो, चाय सब्जी खरीदनी घरेलू कार्य करना हो सभी कार्य साइकिल से करते हैं। बार-बार लोगों ने बाइक खरीदने की सलाह देते हैं किंतु उनका कहना है कि उनके शरीर का स्वास्थ्य और पैरों की कसरत होने के कारण ही साइकिल चला रहा है। यही नहीं अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अब तक 10 बार पैदल हरिद्वार से कावड़ तथा इतनी ही बार कनीना से खाटू श्याम पदयात्रा पर ध्वज लेकर जा चुके हैं। जो भी कहीं उन्हें कोई काम हो तो साइकिल ही या पैदल चलना ही उन्हें पसंद है। विज्ञान के शिक्षकों होने के कारण वे प्रदूषण के विषय में जहां विद्यार्थियों को हर समय जानकारी देते रहते हैं वहीं विद्यार्थियों को भी साइकिल पर चलने की सलाह देते हैं। यद्यपि कुछ देशों में साइकिल चलाने वालों को सरकार प्रोत्साहित कर रही है किंतु उन्हें साइकिल चलाने के लंबे अरसे के बाद भी किसीी प्रकार का कोई प्रोत्साहन तथा प्रशंसा पत्र भी नहीं मिला है जिसके कारण वे मायूस हैं। उन्होंने बताया कि कड़ी सर्दी तथा भीषण गर्मी में भी वे साइकिल चलाते रहे हैं। साइकिल चलाने से जहां उन्हें नींद अच्छी आती है किंतु लंबे समय से लेखन कार्य से जुड़े होने के कारण अब तक उनकी 36 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है और किसी भी फोटो वगैराह लेने के लिए भी साइकिल पर ही जाते हैं। लोग उन्हें साहित्यकार के नाम से जानते हैं। शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जो उनकी साइकिल चलाने की अदा को नहीं जानता हो। कनीना के राव मोहर सिंह, सुमेर सिंह चेयरमैन आदि भी लंबे समय से साइकिल चलाते हैं किंतु होशियार सिंह के लंबे समय से साइकिल चलाने के कारण उन्हें सम्मानित करने की मांग सरकार से की है।

500 में खरीदी थी साईकिल

होशियार सिंह विज्ञान अध्यापक का कहना है कि साइकिल उनके स्वास्थ्य को ठीक रखने में अहम भूमिका निभाती है। यही कारण है की गर्मी सर्दी में जब भी कहीं जाना हो साइकिल पर ही चलते हैं। उन्हें साइकिल बेहद पसंद है। कभी 500 रुपये में साइकिल खरीदी थी किंतु आज साइकिल कीमत 4000 रुपये से अधिक पहुंच गई है। वे साधारण साइकिल रखते हैं किंतु साइकिल 20 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलाकर स्कूल जाते हैं। उन्हें विद्यार्थी शिक्षक तथा कुछ लोग चाहे साइकिल पर देखना पसंद नहीं करते किंतु उनको साइकिल चलाने में जो आनंद आता है उसे वो स्वयं बयां कर रहे हैं।

अविस्मरणीय है बाबूजी का विराट व्यक्तित्व

हर दिल अजीज जननायक भीखा भाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बांसवाड़ा @ कल्पना डिण्डोर। भीखा भाई भील को कौन नहीं जानता। भीखा भाई अपने आपमें ऐसे शिखर पुरुष थे जिनकी छवि जन-जन के हृदय में अमिट छाप संजोए हुए है। आदिवासी नेता, धर्म-संस्कृति और परंपराओं के अनुगामी से लेकर आम और ख़ास सभी के लिए आत्मीय बन्धुत्व के हामी भीखा भाई के व्यक्तित्व को दायरों में सीमित रखकर नहीं देखा जा सकता। उनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व ही ऐसा था कि जो उनके सम्पर्क में आता, वह उन्हीं का हो जाता। एक बार जो उनके सम्पर्क में आ गया तो फिर जिन्दगी भर के लिए उसका पूरा बायोडेटा भीखा भाई के दिमाग में रहता। पूरे परिवार से जुड़ी स्मृतियाँ उनके दिमाग में रहा करती थीं। सागवाड़ा के समीप चिबुड़ा गांव में 28 अप्रेल 1906 को गरीब आदिवासी परिवार में जन्मे भीखा भाई ने उच्चतम शिक्षा-दीक्षा पाने के साथ ही प्रदेश और देश में विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने देश की सेवा में पूरा जीवन होम दिया। भीखा भाई केवल आदिवासी नेता ही नहीं बल्कि हर समाज और हर वर्ग के नेता थे जिनके प्रति आम से लेकर ख़ास तक सभी के चहेते थे। सभी लोग उन्हें संरक्षक और अपना हितैषी मानते थे और यही कारण है कि आम जनता उन्हें 'बाबूजी' कहकर अपार सम्मान देते थे।

बाबूजी भीखा भाई का समग्र जीवन ज्ञान और अनुभवों के साथ ही आत्मीय लोक व्यवहार से जुड़े अनुकरणीय पहलुओं से इतना अधिक भरा रहा कि उनके जीवन को किसी विशाल ग्रंथ तक में समेटना संभव नहीं है। विधिवेत्ता के रूप में भीखा भाई डूंगरपुर रियासत में जज भी रहे लेकिन बाद में भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन और स्वतंत्रता सेनानियों के साथ निरन्तर एवं घनिष्ठ सम्पर्क के कारण स्वाधीनता संग्राम में भी उनकी उल्लेखनीय भूमिका रही। राजनैतिक क्षेत्र में प्रवेश के उपरान्त स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक उन्होंने धाक जमाई। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से लेकर कई राष्ट्राध्यक्षों के साथ उनके घनिष्ठ संबंध रहे। उन्होंने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी विद्वत्ता और अनुभवों से अर्जित विलक्षण प्रतिभाओं का लोहा मनवाया। भीखा भाई मानवतावादी व्यक्तित्व के इतने अधिक पोषक थे कि उनमें सम सामयिक तमाम संकीर्णताएं किंचित मात्र भी स्पर्श नहीं कर पाई। और यही कारण था कि सभी लोग बाबूजी के रूप में श्रद्धा और आदर देते थे। भीखा भाई जनसेवा के लिए समर्पण के माद्दे, माधुर्य, आत्मीयता और प्रेम से परिपूर्ण जिस मिट्टी से बने थे, वैसे लोग अब देखने को नहीं मिलते।

लोक जीवन से लेकर राजनीति के हर क्षेत्र पर उनकी गहरी पकड़ थी। आदिवासी क्षेत्रों के विकास और आदिवासियों के उत्थान की दृष्टि से विभिन्न पदों पर रहते हुए भीखा भाई ने कई योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन कराते हुए आदिवासियों को विकास की मुख्य धाराओं से जोड़कर उनके जीवन को खुशहाल बनाने के लिए अपना योगदान दिया। यही वजह थी कि उन्हें जनजाति क्षेत्रों के भीष्म पितामह के रूप में जाना जाता था। भीखा भाई की पावन स्मृतियों को जिन्दा रखने के लिए सरकार ने माही की सागवाड़ा नहर का नामकरण भीखा भाई के नाम पर करने के साथ ही कॉलेज एवं अन्य संस्थाओं को भी भीखा भाई के नाम से जोड़ा। हर दिल अजीज भीखा भाई के बारे में जितना कहा जाए, वह कम है। समाजसेवा और राजनीति से से लेकर समाज-जीवन के हर क्षेत्र में अपना रुतबा दिखाने वाले शिखर पुरुष भीखा भाई भील का निधन 5 जून 2002 को उदयपुर में हो गया। भीखा भाई आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनका व्यक्तित्व और कर्मयोग सदियों तक गूंजता रहेगा।

लेखक बांसवाडा में सहायक निदेशक (सूचना एवं जनसम्पर्क) है

जागरूक जनता jagrukjanta.net फेसबुक पेज www.facebook.com/jagrukjantanews
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े हर खबर से आपको रखें अपडेट जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

5 युवाओं ने मिलकर खुदा जोहोर वर्षा के जल को संचय करेंगे

जल संरक्षण में मिसाल बन रहा रामबास

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कनीना (हरियाणा) @ रचना शर्मा। पानी जीवन के लिए सबसे अहम जरूरतों में से एक है। वैसे तो धरती का तीन चौथाई हिस्सा पानी से भरा है, लेकिन इसके लगातार दोहन और बेजा इस्तेमाल के चलते कई क्षेत्रों में लोग प्यासे रह जाते हैं। महेंद्रगढ़ जिले के अधिकतर गांव में धरती का पानी या तो सूख चुका है या फिर भू-जल स्तर बहुत नीचे चला गया है। इसलिए आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी की एक-एक बूंद सहेजने की जरूरत है। बारिश का पानी भी कुदरत का ऐसा स्रोत है जिसे अगर सहेज लिया जाए तो पानी की किल्लत से काफी हद तक निजात मिल सकती है। महेंद्रगढ़ जिले में कनीना उप मंडल का गांव रामबास जिसमें कुछ यूवा वर्षा जल संरक्षण के लिए क्षेत्र के सामने मिसाल पेश कर रहे हैं। रामबास की बनी में पांच युवाओं ने जोहड़ खोदकर बरसात के जल को संजय करने का कार्य किया है। युवा मनोज ने बताया कि इस जोहड़ को खोजने में 1 सप्ताह का समय लगा। जिसकी चौड़ाई 45 फीट लंबाई 45 फिट है और गहराई तकरीबन 7 फीट है। इसका मुख्य उद्देश्य बरसात के पानी को एकत्रित करना और उस पानी का पक्षोंयो व पौधों के प्रयोग में करना है। मनोज ने बताया कि इसकी लागत तकरीबन 10 हजार रूपये लगी है। जो कि ग्रुप के सभी सदस्यों ने मिलकर के दिए। इस जोहड़ को खोदने में अमित, आशीष, अजय व हितेश ने विशेष योगदान दिया है। मनोज ने बताया कि हम पांच लोगों ने बरसात के पानी को किस तरह से एकत्रित किया जाए इस पर विचार विमर्श किए। फिर यह देखा कि गांव की बनी में एक जगह जहां पर बरसात का पानी नाली के माध्यम से पहुंचता है वहां पर 45 बाई 45 का एक जोहड खोदा गया। सबसे पहले ट्रैक्टर के पीछे पानी का टैंकर भर के ले कर गए। जिससे मिट्टी को गिला किया। उसके बाद उसके खुदाई करना शुरू किया। पांचों युवाओं ने मिलकर केवल शाम के समय 2 से 3 घंटे में ही जोहड को 1 सप्ताह में खोद दिया। उसके बाद पुरानी ईट को नीचे बिछा करके उसके ऊपर बजरी व सीमेंट की लिपाई कर दी। इसी तरह पूरे जोड़कर लिपाई कर दी। जिसकी वजह से पानी अधिक दिन तक स्टोर रह सके। इसके साथ ही इस जोहड के चारों तरफ करके तारों के माध्यम से चारदीवारी की गई है। उन्होंने बताया कि चारदीवारी करने का सबसे बड़ा मुख्य कारण यह है कि छोटा बच्चा कोई भी इस जोहड़ में ना गिर जाए व आवारा जीव जंतुओं से सुरक्षा हो जाए। इसके साथ ही मनोज ने बताया कि इस जोहड़ के पास में एक विशेष प्रकार की नर्सरी तैयार करेंगे। जिसमें लोगों को निशुल्क पौधे वितरित करेंगे।

4 वर्षों से प्रयास है जारी

मनोज व उनकी टीम पिछले 4 वर्षों से पर्यावरण को बचाने क्या कार्य कर रही है। सबसे पहले इन्होंने गांव का पार्क जो बदहाल पड़ा हुआ था उसको ठीक किया। उस पार्क में चारों तरफ पौधे लगा कर के और घास लगा करके उसको अच्छा किया। जिसमें सुबह शाम गांव के बुजुर्ग व युवा घूमने के लिए जाते हैं। इसके साथ ही मनोज ने बताया कि उनकी टीम ने मिलकर के नर्सरी घर पर ही तैयार कर रखी है जिसके अंदर नीम, अर्जुन, पीपल, बड़, पापड़ी, जामुन, आम, नींबू, जामुन, कनेर सहित अन्य प्रकार के तकरीबन 5 हजार पौधे तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांव के चारों तरफ सुंदरता को बढ़ाने के लिए अशोका, फाइकस व बोटल पाम के तकरीबन 100 पौधे लगाए हुए हैं। जिनके चारों तरफ पौधों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा गार्ड भी लगाए हुए हैं। मनोज व उनकी टीम ने गांव की बनी में खाली जगह में नीम, पीपल, बड़, जामुन के पौधे लगाए हुए हैं।

मनोज यादव

मेरा उद्देश्य है कि मेरा गांव हरा-भरा व सुंदर रहे जिसके लिए। मैं लगातार प्रयास कर रहा हूं। पिछले दिनों कोरोना के समय सुनने को मिल रहा था कि ऑक्सीजन की कमी आ रही है। इसलिए हमने यह तय किया कि गांव में चारों तरफ इतने पौधे लगाएंगे कि ऑक्सीजन की कमी कभी महसूस नहीं होगी। इस वर्ष 5000 पौधे लगाने का टारगेट लिया है। जिसको पूरी टीम के साथ पूरा किया जाएगा।

अमित कुमार

मैंने अभी दसवीं कक्षा पास की है भाई मनोज को प्रकृति के लिए कार्य करता हुआ देखकर मेरा मन भी हुआ कि मैं भी कुछ गांव समाज के लिए करूं इसलिए। मैं उन के सानिध्य में शाम के समय पौधों की कटाई छटाई व पौधों में पानी डालने का कार्य करता हूं। हम लोगों ने मिलकर यह जुगाड़ बनाया है। जिसमें बरसात का पानी एकत्रित होगा और उस पानी से हम पौधों में प्रयोग कर सकेंगे।

अजय यादव

मैं पिछले 1 वर्ष से मनोज भाई के साथ जुड़ा हुआ हूं मैंने बीकॉम की पढ़ाई की है। प्रकृति के लिए कुछ करना चाहता हूं इसलिए इन सब लोगों के साथ मिलकर जो भी समय मिलता है। उस समय पौधों की देखभाल और सुरक्षा करता हूं। हम उम्मीद करते हैं कि जोहड की तरह हर गांव में युवा खोदकर बरसात के पानी को एकत्रित करें और उस पानी का पौधों के लिए प्रयोग करें।

आशीष यादव

नौवीं कक्षा की पढ़ाई के बाद आगे की पढ़ाई नहीं कर पाया 75 प्रतिशत दिव्यांग हूं लेकिन कुछ करने का जुनून है। प्रकृति के लिए समर्पित हूं पौधों में पानी डालना। पौधा लगाना, गड्ढा खोदने का कार्य करता हूं। जोहड़ खोदने में समय लगा और बहुत मेहनत लगी। अब प्रसन्नता हो रही है कि इस जुगाड़ में बरसात का पानी एकत्रित होगा और पौधों के लिए पानी का प्रयोग किया जाएगा।

हितेश कुमार

बीएससी की पढ़ाई करते समय मन में विचार आया था गांव में पर्यावरण के लिए कुछ करेंगे गांव में आकर पता लगा कि मनोज यादव लगातार 4 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण का कार्य कर रहा है तो इनके साथ लग गए। जोहड़ खोदा तब बहुत सारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। गांव के लोग कहते थे कि तुम्हारे जैसे बहुत लोग आए और चले गए कोई कुछ नहीं कर सकता।

जागरूक खबरें

आबू के सर्वांगीण विकास के लिए मिल कर प्रयास करें- राज्यपाल

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल कलराज मिश्र मंगलवार सायं को माउंट आबू की नक्की झील पहुंचे। यहां उन्होंने राज्य की प्रथम महिला सत्यवती मिश्र और परिजनों के साथ राष्ट्रीय उद्यान में तिरंगे के समीप से नक्की झील के सौंदर्य को निहारा। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि माउंट आबू सहित यह पूरा क्षेत्र ही प्राकृतिक, ऐतिहासिक और पौराणिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। यहा पर्यटन की विपुल संभावनाएं हैं, इस क्षेत्र की नैसर्गिक सुंदरता और पारिस्थितिकी को अक्षुण्ण रखते हुए आबू के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को मिल कर प्रयास करने होंगे। **राज्यपाल की जयपुर वापसी आज :** राज्यपाल कलराज मिश्र बुधवार को माउंट आबू से जयपुर वापसी करेंगे। राज्यपाल मिश्र बुधवार दोपहर 1:05 बजे आबू रोड रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा प्रस्थान करेंगे और बुधवार रात्रि अनुमानित 8:30 बजे जयपुर पहुंचेगे। वे माउंट आबू राजभवन से सड़क मार्ग द्वारा आबू रोड स्टेशन पहुंचेंगे।

मित्तल,विकास,निरमा ने बढ़ाया सरस्वती स्कूल का मान,बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम, बधाई देने पहुंचा विद्यालय परिवार

सरनाऊ @ जागरूक जनता। पंचायत समिति के निकटवर्ती दाताग्राम में 10 वर्षो से संचालित सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकंडरी स्कूल ने विगत कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में गौरव हासिल करते हुवे इतिहास रचा है। किसान की बेटी ने 12वी में आर्ट्स में किया टॉप, मित्तल पुरोहित ने पाई सफलता। ऐसे में परीक्षा के नतीजे जारी होने पर छात्रों और छात्राओं के चेहरे खिले हुए हैं।जिन छात्रों ने 90 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। उनके परिवार में खुशी का माहौल है और बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माँ और परिजनों के साथ-साथ स्कूल के शिक्षकों को दिया है। मितल ने बताया कि उन्होंने टॉप करने का लक्ष्य बना कर ही तैयारी की थी। शिक्षकों और मां के मार्गदर्शन से खुद के नोट्स तैयार किये, कुछ डाउट्स हुए तो शिक्षकों से उसे समझा और इस तरह टॉप किया। उन्होंने बताया कि उसे कलेक्टर बनना है। इसलिए अब वे पीएससी की तैयारी में जुट जाएंगी। मितल ने बताया कि वह रोज 10 से 12 घंटे पढ़ाई करती थी।उन्हें 500 में से 472 अंक मिले। उनके पिता किसान और मां भी ग्रहणी हैं। मित्तल के पिताजी दिलीप पुरोहित ने बताया कि मितल की लगन और तैयारी देख कर लग गया था कि वह टॉप करेगी। यह परिणाम मितल की एकाग्रता और स्टडी की वजह से ही आया। दूसरी ओर, सरस्वती विद्या मंदिर के प्रबंधक भंवर लाल मांजू एवं शिक्षक साथी भी बधाई देने उनके घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मितल ने सिर्फ दाता ही नहीं, पूरे जिले का नाम रोशन किया है। मितल ने निजी स्कूलों में दी जाने वाली शिक्षा को भी गौरान्वित किया है। पुरोहित परिवार में जश्न का माहौल है और कई लोग उनके घर बधाई देने जा रहे हैं।

शिक्षा से ज्यादा शराब से होने वाले राजस्व को महत्व दे रही है सरकार-छाबड़ा

ब्यावर @ जागरूक जनता। सम्पूर्ण शराब बंदी आन्दोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा यहां राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से महज 80 मीटर दूरी पर स्थित शराब की दुकान को बंद करवाने के लिए जारी धरना स्थल पर मौजूद है। यहां सैकड़ो की तादाद में छात्र छात्राए व आम आवाम धरना स्थल पर मौजूद थे। उन्होंने धरना स्थल पर शराबबंदी को लेकर जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर छाबड़ा ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की सरकार गूंगी, बहरी हो चुकी है। यह सरकार, शिक्षा से ज्यादा शराब से होने वाले राजस्व को महत्व दे रही है। छाबड़ा ने आईएएस राहुल जैन से मिलकर शराबंदी के लिए ज्ञापन दिया। इस मौके पर बृजेश साहू, पवन, मनजीत हुड्डा, डॉ हरीश आदि सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

बॉलीवुड दीवा मलाइका अरोड़ा करेंगी देश-विदेश के 51 अचीवर्स को सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के साथ समाज में मूल्यवान स्थान बना चुके 51 हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। मौका होगा 12 जून को प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में आयोजित होने जा रहे' इंडो इंटरनेशनल अचीवर्स अवॉर्ड 2022' का। इसी कड़ी में मंगलवार को ट्रॉफी अनविलिंग कार्यक्रम का टोंक रोड स्थित होटल विन्नी में आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के आयोजक रिंकू सिंह गुर्जर, अम्बालिका शास्त्री, मुख्य प्रायोजक हुकुम सिंह कुम्पावत सहित तरुण शर्मा और राजन कायस्थ ने आयोजन से जुड़ी तैयारियों को साझा किया। आयोजक रिंकू सिंह गुर्जर ने बताया कि देश-विदेश से चुने गए 51 अचीवर्स को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान सेलिब्रिटी गेस्ट और बॉलीवुड दीवा मलाइका अरोड़ा कार्यक्र म में चार चांद लगाने के साथ ही सभी अचीवर्स को ट्रॉफी देते हुए सम्मानित करेंगी। ये सभी 51 अचीवर्स का 40 कैटेगरीज जैसे फैशन,एजुकेशन, बिजनेस, आर्ट एंड कल्चर, मेडिकल, ज्वेलरी, ब्लॉगर, एफ एंड बीए डिफेन्स जैसी कैटेगरीज में चयन किया गया है। इनमें 40 नेशनल और 10 इंटरनेशनल अवार्डीज शामिल होंगे। साथ ही कार्यक्रम में यूएसए से इवेंट ब्रांड एम्बेसडर स्वप्ना देबरॉय और मुख्य अतिथि टेडएक्स स्पीकर, इंटरनेशनल अकादमिक स्कॉलर और मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. परिन सोमानी भी शिरकत करेंगी। साथ ही शहर के कई जान-माने और चर्चित गणमान्य भी मुख्य कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा सहायक योग प्रशिक्षक ट्रेनिंग का आयोजन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के तहत आर्ट ऑफ लिविंग के सहायक योग प्रशिक्षक प्रोग्राम का आयोजन सेवा धाम, प्राथमिक आदर्श विद्या मंदिर, सेक्टर 4, जवाहर नगर, जयपुर में किया गया। आर्ट ऑफ लिविंग योग प्रशिक्षक राजेश पाराशर एवं शरद कामरा जी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। 9 दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम को 25 जयपुर वासियों ने सफलतापूर्वक पूर्ण करके आज श्रीश्री स्कूल ऑफ योगा द्वारा दिया गया सहायक योग प्रक्षिशक और आयुष मंत्रालय का योगा वोलंटियर सर्टिफिकेट प्राप्त किया। नए योग प्रक्षिशक मुख्य रूप कच्ची बस्तियों और पार्कों मे सभी आमजनों को निःशुल्क योग सिखायेंगे। आर्ट ऑफ लिविंग राजस्थान के स्टेट टीचर कोऑर्डिनेटर राजेश पाराशर ने बताया कि गुरुदेव रविशंकर की प्रेरणा से आर्ट ऑफ लिविंग के मास्टर ट्रेनर्स देश भर में साल 2022 के अंत तक 50,000 सहायक योग प्रक्षिशक तैयार करने के लिए प्रक्षिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं ताकि भारत द्वारा विश्व को उपहार दिया गया योग भारत के घर घर में पहुँच सके। मीडिया कोर्डिनेटर आभा पाराशर ने बताया कि योग दिवस से पहले सशक्त योगाभ्यास के लिए आर्ट ऑफ लिविंग की ओर से आगामी 10 से 12 जून को आदर्श विद्या मंदिर,अंबावाडी सर्किल पर प्राणायाम ध्यान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

राजपूताना रावला ऑफ अमेरिका संगठन ने महाराणा प्रताप को किया याद

अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर मनाई महाराणा प्रताप की जयंती

जयंती के अवसर आयोजित किया वैश्विक वेबिनार

अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस सहित अनेक देशों के राजपूत जुड़े वेबिनार में

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केलिफोर्निया/जोधपुर। भारत से दुनिया के विभिन्न देशो में निवास कर रहे अप्रवासी राजस्थानी अपनी मातृभूमि, विरासत, संस्कृति और महापुरूषों के बलिदान और योगदान को नहीं भूले हैं। सात समन्दर पार अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, पाकिस्तान, श्रीलंका व नेपाल सहित अनेक देशों में वर्षो से रह रहे अप्रवासी राजपूतों के संगठन राजपूताना रावला ऑफ अमेरिका (आरआरए) आज भी वहां पर विभिन्न त्यौहार और महापुरूषों की जयंती मनाकर समाज में एक जुटता का संदेश दे रहे हैं। राजपूताना रावला ऑफ अमेरिका ने महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर महाराना प्रताप और महान राणा कीका और उनके जीवन मूल्यों को जानने लिए एक वैश्विक वेबिनार का आयोजन किया। आयोजन दल में हिम्मत सिंह राठौड़, अध्यक्ष, आरआरए, संरक्षक और पूर्व अध्यक्ष राज सिंह नाथावत, जनमेजय सिंह तंवर, संदीप शेखावत और पराक्रम सिंह झाला मुख्य रूप से शामिल रहे। वेबिनार में संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, कनाडा, नेपाल के साथ ही कई अन्य देशों के 150 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

मेवाड़ उदयपुर के पूर्ववर्ती शाही घरानों के सदस्यों ने भी आयोजन में भाग लिया या अपने पूर्व रिकॉर्डेड संदेश कार्यक्रम के लिए भेजे। ऐसे घरानों में विश्वराज सिंह मेवाड़, आमेर जयपुर की राजकुमारी सांसद दीया कुमारी, बीकानेर की राजकुमारी सिद्धि कुमारी, कोटा के इज्येराज सिंह, बूंदी के विश्वराज सिंह, अलवर के जितेंद्र सिंह, डूंगरपुर के हर्षवर्धन सिंह व प्रियदर्शिनी कुमारी, बांसवाड़ा के जगमाल सिंह और अमरकोट के करणी सिंह शामिल रहे। मेवाड़ के तत्कालीन उमराव प्रमुखों ने इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से भाग लिया। उन्होंने सभी को ऐतिहासिक घटनाओं, उपाख्यानों और महाराणा प्रताप से संबंधित कहानियों, हल्दीघाटी की लड़ाई और मेवाड़ के प्रति उनके संबंधित परिवारों के योगदान के बारे में जानकारी दी। अमरिका में निवास कर रहे राजपूत अपने परिवार सहित कार्यक्रम में जुड़े। कार्यक्रम की शुरुआत फोर्ट वर्थ टीएक्स, यूएसए में आरआरए संरक्षक छतर सिंह तंवर और ओमबती चौहान के साथ-साथ नरेंद्र सिंह राठौड़ ने मोमबत्ती प्रज्जवलित करके और महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

महाराणा को समर्पित वार्षिक पुरस्कार आरंभ होगा

इस अवसर पर डॉ.हरनाथ सिंह राठौड़ और डॉ.दलीप सिंह राठौड़ ने आरआरए संगठन द्वारा समर्थित कई कारणों का परिचय दिया। जिसमें द्वि वार्षिक रावला-मेल और सामाजिक कारण शामिल रहे। साथ ही महाराणा प्रताप को समर्पित एक वार्षिक पुरस्कार शुरू करने की घोषणा भी की। जो समाज के एक सदस्य को दिया जाएगा। सामाजिक कल्याण के लिए और दुनिया भर में सदस्यों को जोड़ने और अगली पीढ़ी को भी प्रबुद्ध करने के लिए ऐसे कई ऑनलाइन आयोजनों का समर्थन जारी रखने का संकल्प भी लिया। विवित रहे कुछ समय पहले संगठन की ओर से गणगौर पर भव्य कार्यर म का आयोजन किया गया था।

साढ़े 4 साल बाद भी नहीं बिके भूखंड, अब फिर नीलामी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। हैरिटेज नगर निगम ने आदर्श नगर जोन क्षेत्र में साकेत कॉलोनी स्थित खड्ढ़ा बस्ती को करीब साढ़े चार साल पहले खाली तो करवा लिया, लेकिन भूखंड नहीं बेच पा रहा है।राजधानी के पॉश इलाके भी इन भूखंडों के खरीददार नहीं मिल पा रहे है। ठाठर आवासीय योजना के भूखंडों की भी नीलामी की जाएगी। यह नीलामी मंगलवार और बुधवार को होगी। निगम आयुक्त अवधेश मीना ने बताया कि 30 सम्पत्तियों को 7 और 8 जून को ई-नीलामी के माध्यम से बेचा जाएगा। इनमें साकेत कॉलोनी के पास खड्ढा बस्ती के 11 आवासीय भूखण्ड और ठाठर आवासीय योजना के 4 भूखंडों को ई-नीलामी के माध्यम से बेचा जाएगा। उन्होंने बताया कि ई–नीलामी की अधिक जानकारी कार्यालय समय पर उपायुक्त राजस्व द्वितीय एवं भू-नीलामी शाखा और हेल्पडेस्क के मोबाइल नम्बर 9414064777 से ली जा सकेगी।

अक्टूबर 2017 में खाली करवाई थी खड्ढ़ा बस्ती

नगर निगम ने साढ़े 4 साल पहले अक्टूबर 2017 में खड्ढ़ा बस्ती को खाली करवाया था। करीब चार बीघा जमीन पर बसे लोगों का पुनर्वास करके निगम प्रशासन ने इस जमीन को खाली करवाया था। उसके बाद नगर निगम ने इस जमीन पर लगभग 55 भूखण्ड सृजित किए है, जिनको नीलामी के जरिए बेचने की योजना बनाई गई।

पहली नीलामी में ही नहीं पहुंचे खरीददार

सबसे पहले नगर निगम ने इस जमीन के लिए सृजित भूखण्डों की नीलामी 75 हजार रुपए प्रतिवर्ग मीटर की दर से शुरू की थी, वहीं कॉर्नर भूखण्डों की नीलामी 82 हजार 500 रुपए की दर से रखी थी। हालांकि जब नीलामी हुई, तब सिर्फ एक ही व्यक्ति वहां पहुंचा। बाद में निगम प्रशासन ने नीलामी को टाल दिया।

पेपर लीक से रद्द हुआ था दूसरी पारी का एग्जाम

कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा 2 जुलाई को

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा का पेपर की डेट आगे बढ़ा दी गई है। राजस्थान में 4,588 पदों के लिए 22 जून को होने वाली कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा अब 2 जुलाई को होगी। कॉन्स्टेबल भर्ती एग्जाम में राजस्थान के 1.50 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल होंगे। दो पारियों में भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसमें पहली पारी की परीक्षा सुबह 9:00 बजे शुरू होगी। वहीं, दूसरी पारी की परीक्षा दोपहर 3:00 बजे शुरू होगी। भर्ती परीक्षा को लेकर नकल रोकने के लिए ATS और SOG की टीम निगारानी के साथ कड़े प्रबंध किए जा रहे हैं। दरअसल, पहले ये परीक्षा 14 मई को हुई थी, लेकिन पेपर लीक के कारण दूसरी पारी की परीक्षा रद्द कर दी गई।

पहले रद्द हुआ था पेपर

भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड के एसपी डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया कि 14 मई को द्वितीय पारी में आयोजित लिखित परीक्षा का पेपर एग्जाम सेंटर से आउट होने के कारण रद्द कर दिया गया था। एग्जाम कैंसिल के आदेश 17 मई को जारी किए गए थे। राजस्थान कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा की अगली डेट 22 जून रखी गई थी, लेकिन मंगलवार दोपहर एक आदेश जारी कर 22 जून को आयोजित होने वाली कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा की तारीख आगे बढ़ा दी गई है।

कनक प्रभा श्री जी महाराज साहब ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पेड़ बूढा ही सही घर के आंगन मे लगा रहने दो फल फूल न सही कम से कम छाया तो देगा।

जैन विश्व भारती संस्थान लाडनू द्वारा संचालित योग एवं जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर मे 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर योग गुरु श्रीमती रीना गोयल . जी के निवेदन पर जैन साधवि कनक प्रभा श्री जी म.सा. का आगमन महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल निर्माण नगर जयपुर में हुआ । साध्वी जी मे अपनी अमृत वाणी से वहाँ विराजमान सभी छात्र व छात्राओ को प्रकृति तथा पेड़ के बारे में बताया तथा उन्होन जैन धर्म के 24 वें तीर्थकर महावीर स्वामी का उपदेश अहिंसा परमो धर्म का उपदेश दिया। उन्होने बताया की जैन धर्म मे मारना और काटना सख्त मना है। उन्होने अनुभवी योग गुरु श्रीमती रीना गोयल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे आचार्य महाप्रज्ञ तुलसी के मार्ग पर चलकर योग एवं जीवन विज्ञान के बारे मे सभी छात्र छात्राओ को अपना ज्ञान देती है। तथा साध्वी जी ने बताया की इस कोरोना काल मे जहाँ ऑक्सीजन व प्रतिरक्षा की कमी आ रही है ऐसे समय मे पेड पौधे लगाकर तथा इस जैव विविधता का संरक्षण कर हम स्वच्छ एवं हरा भरा ऑक्सीजन से भरपूर स्वर्णिम भारत का निर्माण कर सकते है। संवाददाता अनिल जैन ने बताया कि इस प्रवचन में वहां बैठे सभी साधकों को प्रत्येक खुशी के अवसर पर एक पौधा लगाने का संकल्प लेने हेतु साध्वी जी ने प्रेरित किया।

जनजातीय क्षेत्रों के आवासीय छात्रावासों की हो नियमित मॉनिटरिंग

अधिकारी वार्डन व छात्रों से करें संवाद-मुख्य सचिव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने जनजातीय क्षेत्रों में स्थित आवासीय छात्रावासों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा मंगलवार को सचिवालय स्थित कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जनजाति उपयोजना के प्रभावी निर्माण, क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग हेतु गठित राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं।

मुख्य सचिव ने कहा कि जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के अधिकारी प्रदेश के 481 आवासीय छात्रावासों की प्रतिमाह समीक्षा करें और हर छात्रावास का वर्चुअल टूर कर वस्तुः स्थिति जाने। इससे इन छात्रावासों में विद्यार्थियों को मिलने वाली सभी सुविधाओं व सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने अधिकारियों को वार्डन व छात्रों से संवाद करने के लिए भी निर्देशित किया। शर्मा ने अधिकारियों को जनजाति क्षेत्रों के विकास के लिए प्राप्त बजट का पूर्ण व्यय करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से प्राप्त राशि को समयबद्ध रूप से व्यय किया जाएं। समिति ने संविधान की धारा 275 (1) के अंतर्गत अनुदान योजना, टीआरआई परिसर, उदयपुर में 4 लेक्चर रूम निर्माण के बजट का बहुउद्देशीय छात्रावास, कोटा में कक्षा कक्ष, भोजन रूम एवं डाईनिंग हॉल निर्माण में उपयोग करने हेतु व 2022-23 वित्तीय वर्ष में पीवीटीजी योजना के विकास से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों का अनुमोदन किया।

बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री आलोक गुप्ता, जनजाति क्षेत्रीय विकास आयुक्त श्री राजेन्द्र भट्ट सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्रों के साथ शेयर किए सफलता के मंत्र

निरंतर प्रयास सफलता की धुरी है-डॉ. रमेश रलिया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। अमरीका में शोध करते हुए नैनो फर्टिलाइजर तकनीक इजाद करने वाले जोधपुर मूल रूप से भोपालगढ़ गांव खारिया खंगार के वैज्ञानिक डॉ. रमेश रलिया अपने एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान अम्बेडकर सर्किल पर स्थित पीपाड़ की ढ्रस्ह प्रतियोगी संस्थान निष्कर्ष क्लासेज के मोटिवेशनल शिविर में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए इस मौके पर संस्थान के निदेशक जितेंद्र सिंह कच्छावाह ने डॉक्टर रलिया का संस्थान की और माल्यार्पण कर राजस्थानी परम्परा अनुसार साफा पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

डॉक्टर रलिया ने विद्यार्थियों से संवाद भी किया और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र छात्राओं को सफलता अर्जित करने के लिए टिप्स भी दिए। चर्चा करते हुए कहा की सफलता मेहनत मांगती है। परीक्षा की तैयारी नियमित रूप से निरंतर करते रहना चाहिए। कम से कम 6 से 8 घंटे गहन अध्ययन करने की जरूरत है। वर्तमान में कंपटीशन दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। ऐसे में जो बेहतर करेगा वह आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सामूहिक अध्ययन ग्रुप चर्चा से परीक्षाओं की तैयारी में बड़ा फायदा मिलता है। लेकिन जितना भी पढ़ें मन से पढ़ें और कॉन्फिडेंस रखें। किसी भी एग्जाम को पास करने के लिए अनुशासन, निरंतरता और धैर्य बहुत ही अहम भूमिका निभाते हैं. डॉक्टर रलिया ने छात्रों को ये सुझाव भी दिया है कि सेल्फ़ स्टडी ज्यादा कारगर साबित होती है, इसलिए मुख्य बिंदुओं पर ध्यान देना बेहद ज़रूरी है.

इस दौरान निष्कर्ष आई टी आई कॉलेज के निर्देशक घनश्याम टाक, महेंद्र मुण्डेल सहित निष्कर्ष क्लासेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

ज्ञात रहे कि प्रधानमंत्री मोदी ने गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर पर सहकार से समृद्धि कार्यक्रम को संबोधित किया तथा इफको के नैनो तरल यूरिया प्लांट का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह दुनिया का पहला नैनो लिक्विड यूरिया प्लांट है। भारत दुनिया का वो पहला देश बना है, जहां नैनो यूरिया तरल लॉन्च हो गई। इसे किसानों की संस्था इफको ने तैयार किया है, लेकिन खेती में बड़ा बदलाव लाने वाले इस उत्पाद के पीछे एक किसान के बेटे की मेहनत और शोध है, नाम है डॉ. रमेश रालिया। इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको) ने 31 मई को जिस नैनो यूरिया तरल को किसानों को समर्पित किया, वो जिस प्रयोगशाला में बनाई गई है और जो उसे बनाने वाला है वो एक किसान का बेटा है। इफको की नैनो यूरिया तरल के पीछे डॉ. रमेश रालिया का शोध और मेहनत है।

बाढ़ बचाव एवं मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन

बाढ़ बचाव के कार्यों को प्राथमिकता से करें सम्पादित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आपदा प्रबन्धन एवं सहायता मंत्री गोविंदराम मेघवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां शासन सचिवालय में बाढ़ बचाव एवं मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी मानसून में बाढ़ बचाव हेतु तैयारियों के संबंध में समस्त बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी।

आपदा प्रबन्धन मंत्री द्वारा मानसून सत्र के दौरान, पूर्व वर्षों के अनुभवों को देखते हुए राज्य के कुछ हिस्सों में बाढ़ की सम्भावना के मध्यनजर पूर्व वर्षों की भांति, आपदा प्रबन्धन तन्त्र को सक्रिय बनाने एवं आम नागरिकों की सम्भावित कठिनाईयों के निराकरण हेतु त्वरित कार्यवाही करने तथा प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र राहत पहुँचाने इत्यादि की उच्च प्राथमिकता के बारे में अवगत कराया।

आपदा प्रबन्धन एवं सहायता विभाग के शासन सचिव आशुतोष ए. टी. पेडणेकर द्वारा गत वर्ष किये गये बचाव कार्यों हेतु सभी विभागों व एजेंसियों का आभार व्यक्त किया तथा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से लगभग 35 विभागों के उपस्थित प्रतिनिधियों को मानसून 2022 के दौरान उनके विभाग से संबंधित की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में विस्तृत जानकारी दी तथा उनके द्वारा की गयी तैयारियों की जानकारी भी प्राप्त की। प्रस्तुतीकरण में राज्य के विभिन्न हिस्सों में अग्रिम तौर पर बाढ़ के संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, आवश्यक वस्तुओं, सुविधाओं एवं दवाओं का स्टॉक करना, बाढ़ चेतावनी की सूचना देने की परिपूर्ण व्यवस्था, बचाव दल का नोबिलाइजेशन, बचाव नौकाएँ, पम्पसेट आदि सामग्री की व्यवस्था किये जाने बाबत निर्देश दिये। शासन सचिव द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों को निर्देश दिये नदी नालो पर निर्मित पुलिया व सेतु मार्ग पर पानी के भराव की स्थिति में सुरक्षा हेतु सुरक्षाकर्मी एवं चेतावनी बोर्ड इत्यादि लगाने के निर्देश दिये तथा सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर मानसून के दौरान बाढ़ बचाव के कार्यों को प्राथमिकता से सम्पादित करने के निर्देश दिये गये। मौसम विभाग के निदेशक ने प्रस्तुतिकरण के जरिये मानसून 2022 की संभावना को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि जून, 2022 के तीसरे सप्ताह में राज्य के दक्षिणी भाग में मानसून प्रवेश कर जायेगा तथा इस वर्ष मानसून सामान्य रहने की संभावना भी व्यक्त की गयी। मन्त्री महोदय द्वारा समस्त उपस्थित विभागों के अधिकारियों को अपने विभागाध्यक्षों से बैठक में दिये गये निर्देशों के सम्बन्ध में विचार विमर्श करने तथा मानसून के दौरान विभागों को किसी प्रकार की आवश्कता के संबंध में आपदा प्रबन्धन विभाग से समन्वय करने बाबत निर्देश दिये। बैठक में शासन सचिव समस्त नोडल विभागों के अधिकारीगण के अलावा सेना, वायु सेना. एन. डी. आर. एफ. एस. डी. आर. एफ. एय भारतीय मौसम विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जोधपुर में दो समुदायों के बीच पथराव, भारी पुलिसबल तैनात, धारा 144 लगाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। जोधपुर के सूर सागर इलाके में मंगलवार को दो समुदायों में झड़प के बाद पथराव शुरू हो गया। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। बताया गया है कि दो लड़कों की पिटाई के बाद विवाद बढ़ा।

हैदराबाद गैंगरेप मामले में एआईएमआईएम विधायक के नाबालिग बेटे को भी पुलिस ने आरोपी बनाया है। बता दें कि हैदराबाद के जुबली हिल्स इलाके में 28 मई को नाबालिग लड़की के साथ 5 लोगों ने गैंगरेप किया था। केस में तीन आरोपियों का बैकग्राउंड सियासी रसूख वाला बताया जा रहा है। इस मामले में पुलिस अभी तक 4 लोगों को अरेस्ट कर चुकी है।

वर्ल्ड ओसेन डे

गागर में सागर भरने चले हम

नविता मिश्रा
लेखक, एन्टरप्रेन्योर
@jagrukjanta.net

सागर, रत्नाकर, वारी-निधि जितने नाम उतने ही गुण-पृथ्वी का 70 प्रतिशत भाग घेर रखा है और पृथ्वी को शृंगारिक भी कर रखा है। प्रकृति की अनमोल संपदा को संरक्षित कर रखा है।कितने ही जीव-जंतुओं को अपनी गोद में समा कर उनका लालन-पालन कर रहा है। उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है,एक पिता की भांति।यह सागर है कितनी ही नदियां इसमें समाहित हो अपने आप में संपूर्ण हो जाती हैं और खुद सागर बन जाती हैं।कभी किसी की सुनी आंखों में सुकून भर देता है इसका किनारा तो किसी गोरी की आंखों की उपमा इस की गहराइयों से होती है। पौराणिक कथाओं और वैज्ञानिक आधार पर भी यह प्रमाणित हो गया है, कि पृथ्वी पर जीवन का आधार सागर ही है। जैसे कि पृथ्वी मां और सागर पिता की भूमिका निभा रहे हो। यह पिता अब अपने अस्तित्व के लिए प्रयासरत दिख रहा है, अपने संरक्षण में रह रहे जीव जंतु, वनस्पति, माणक मोती की सुरक्षा करने के लिए हर पल, हर क्षण जूझता नजर आता है।

जिस तरह असहाय पिता चाह कर भी अपनी संतान को वह सुरक्षा व संरक्षण नहीं दे पा रहा जिसका वह अधिकारी है और उससे लाचार बनाने वाले हम मनुष्य है, जिसने सागर और पृथ्वी ने मिलकर जन्म दिया और अब जब हम सक्षम हो गए हैं और अपने आप को बुद्धि जीवियों की गिनती में सबसे ऊपर आकलन करते हैं। इस बूढ़े पिता को असहाय बना दिया अपने स्वार्थ के लिए हमारे व्यापार के लिए सागर ने अपने वज्र से सीने पर प्रहार सहकर हमें उन्नति का, व्यापार का रास्ता दिखाया और उसी रास्ते पर चलकर हमने इसे और कमजोर और निढ़ाल बना दिया।आए दिन जल प्रदूषण का भार सहकर मानो वह चीखता हो रोको इसे, परंतु हम बहरे हो चुके हैं क्योंकि तरक्की की वह गूंज हमें सागर कि चीख़ को अनसुना करने पर मजबूर कर रही है।कोरल ब्लीचिंग के बारे में हम सब ने सुना होगा जी हां प्रवाल विरंजन। समुद्र में पाई जाने वाली चट्टानों पर जो प्रवाल द्वारा छोड़े गए कैल्शियम कार्बोनेट से शैल बनती है, यह प्रवालों का घर होता है।और कुछ रंग बिरंगे से दिखाई देते हैं। यह पारिस्थितिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण होती है। परंतु जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और समुद्र के बढ़ते तापमान के कारण हो रही कोरल ब्लीचिंग से ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट बैरियर रीफ जो कि दुनिया की सबसे बड़ी नैसर्गिक प्रवाल भित्ति है को काफी नुकसान हो रहा है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि 2050 तक यह री पूरी तरह नष्ट हो जाएगी। क्या यह अर्जित कर रहा है हमारा ज्ञान, हमारा शिक्षित होना । जो हमें प्रकृति ने दिया है, जिससे जीवन संभव है और जीवन की संभावना बनी रहेगी उसे अनदेखा कर कर नष्ट करने पर तुले हैं। अपने ग्रह पर जीवन की संभावनाओं को बनाए रखने में योगदान करें। पिता रूपी सागर को संरक्षित करने में सहायता करें। इससे हमारा और आने वाली पीढ़ियों का भी जीवन सुलभ और सुगम बना रहेगा और तभी हम सच्चे मायनों में 'वर्ल्ड ओसेन डे' मना पाएंगे।

(ये लेखक के अपने विचार है)

मल्टी फीचर के साथ किफायती रेट में रेडमी 10 सीरिज हुआ लाँच

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शओमी इंडिया की तरफ से एमआई स्टूडियों मंगलम क्राउन स्क्वार, गांधी पथ, वैशाली नगर पर रेडमी 10 सीरीज की शानदार लॉन्चिंग की गई। रेडमी 10 सीरीज का मोबाइल बड़ी स्क्रीन और ज्यादा रेम के साथ शुरुआती कीमत 8799/- में उपलब्ध है। इस अवसर पर राजस्थान के ज़ोनल हेड आशुतोष शर्मा, स्टेट हेड अनिल नंदा, सिटी हेड विवेक भारद्वाज, राजस्थान मार्केटिंग हेड अमित मिश्रा और साथ ही एमआई डिस्ट्रीब्यूअर Tele E&press की टीम उपस्थित थी। इस अवसर पर अतिथि के रूप में विश्व स्तर पर कीर्तिमान हासिल कर चुके राम सिंह चौहान जो दुनियां में अपनी लंबी मूछों के लिए प्रसिद्ध है, उपस्थित रहे और उन्होंने रेडमी 10 सीरीज की लॉन्चिंग की।

पिंकसिटी प्रेस क्लब में बाल अभिरूचि शिविर

बाल अभिरूचि शिविर के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा निखरेगी : गुप्ता

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब में चल रहे बाल अभिरूचि शिविर का मंगलवार को प्रमुख समाजसेवी एवं अनुकम्पा ग्रुप के चेयरमैन गोपाल लाल गुप्ता ने अवलोकन कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समर कैम्प का आयोजन सराहनीय कदम है। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा एवं महासचिव रघुवीर जांगिड़ एवं संयोजक अनिता शर्मा ने प्रमुख समाजसेवी गुप्ता का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। प्रमुख समाजसेवी गुप्ता ने कहा कि बच्चों में प्रतिभा छिपी रहती है, बच्चों की प्रतिभा को निखारने का यह मंच बहुउपयोगी सिद्ध होगा। बच्चों को अपना भविष्य बनाने के लिए स्वयं अपनी रूचि के अनुसार विषयों का चयन करना चाहिए। अभिभावकों को अपने बच्चों पर किसी विशेष क्षेत्र में आगे बढ़ने का दबाव नही बनाना चाहिए। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने कहा कि पत्रकारों को पारिवारिक गतिविधियों से जोड़ना हमारा उद्देश्य है। पत्रकारों के बच्चों के लिए प्रेस क्लब हर क्षेत्र में सहयोग करेगा। क्लब महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने बताया कि देश में पिंकसिटी प्रेस क्लब की अपनी अलग पहचान है। यहां मनोरंजन के साथ-साथ पारिवारिक महौल का विशेष ध्यान दिया जाता है। शिविर में बच्चों के साथ अभिभावकों को भी अनेक विधाओं में जोड़ा गया है। शिविर संयोजक अनिता शर्मा ने कहा कि पिंकसिटी प्रेस क्लब में प्रातः 6 बजे से बच्चों की चहचाहट रहती है। बच्चें अपनी-अपनी विधाओं में पारंगत हो रहे है। शिविर में बच्चें अनुशासित एवं अपनी योग्यता के अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net
फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें
अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

पीपाड़ शहर में नरपत राज पटेल ने शौक से शुरू किया गौपालन

गिर गाय के दूध ने दिलाई पहचान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

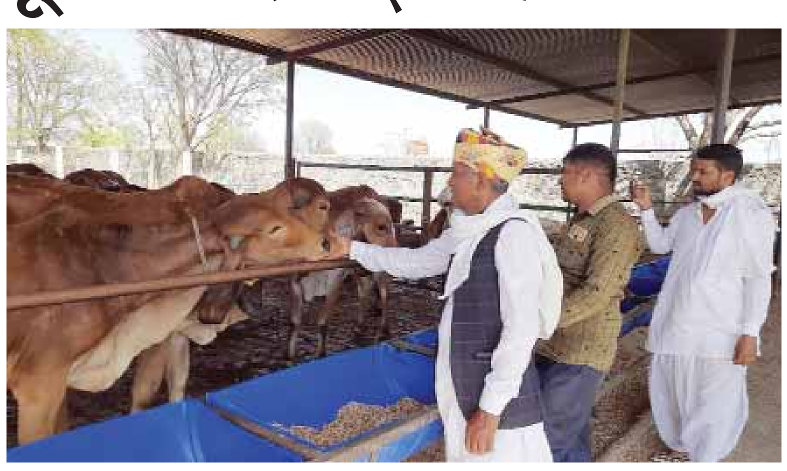

पीपाड़ शहर। जोधपुर जिले के पीपाड़ शहर में एक शख्स नरपत राज पटेल ने एक शानदार पहल की है, जिसके तहत उन्होंने ना केवल गाय को बचाने का बीड़ा उठाया है, बल्कि लोगों के लिए शुद्ध दूध और घी भी उपलब्ध कराते हैं। शहर के सिलारी रोड पथ पर श्रीराम नगर के परिसर में बनी निजी मोहन गौशाला पीपाड़ वासियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। मोहन गौशाला में दो दर्जन से ज्यादा गिर गाय हैं। दरअसल, गिर गाय का दूध आसानी से उपलब्ध नहीं है। अपने शौक व जुनून के बल पर नरपत राज पटेल और उनके पुत्र महेंद्र पटेल ने गिर गाय की गौशाला तैयार कर दी। आसपास के जिलों में इस तरह की निजी गौशाला का संचालन अभी तक नहीं हो रहा है। ऐसे में अब इनकी गौशाला के चर्चे भी शुरू हो गए हैं सिलारी रोड श्रीराम नगर में संचालित उनकी मोहन गौशाला आज ब्रांड बन चुका है। डायबिटीज और हाई ब्लडप्रेशर समेत कई बीमारियों के मरीज तो ढूंढकर अच्छे भाव देकर ये दूध ले जाते हैं।

बता दें कि गिर गाय का दूध डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर समेत कई बीमारियों के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। जो कि विदेशी नस्ल की अन्य गायों या जर्सी की तुलना में काफी ज्यादा सुपाच्य और सेहतमंद होता है। इसके करीब साढ़े तीन लीटर A-2 दूध में 8 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है। इसमें पाई जाने वाली ए-1 कैसिइन प्रोटीन स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक है।

पटेल कहते हैं कि गिर गाय को पालना व्यावसायिक दृष्टिकोण से काफी महंगा है। गिर गाये जर्सी गायों की तुलना में काफी कम दूध देती हैं। इनका रखरखाव व दाना-पानी भी काफी महंगा है। गिर गाये प्रतिदिन 8 से 12 लीटर दूध देती हैं। इनके अनुसार शहर में चुनिंदा लोग इस गाय के दूध की डिमांड कर रहे हैं वर्तमान में 70 रुपये प्रति किलो की दर से दूध की बिक्री हो रही है, जबकि बड़े शहरों में गिर गाय का दूध 120-150 रुपये या इससे अधिक की कीमत में मिलती है। दूध को पैक करने से लेकर पहुंचाने तक की प्रक्रिया में शुद्धता का पूरा ध्यान रखा जाता है। साथ ही दूध को विशेष बोतल में पैक कर लोगों के घर तक पहुंचाया जाता है। उनकी मानें तो मैंने यह गौशाला आमदानी बढ़ाने की सोच के साथ शुरू नहीं की है। गो सेवा का ध्येय व अच्छी सेहत के लिए यह शुरुआत की गई है। इसमें लोगों का भी सहयोग मिल रहा है।

गायों का शरीर लाल रंग का होता है, जिस पर सफेद धब्बे होते हैं। गिर गाय का सिर गुबंद के आकार का होता है और कान लंबे होते हैं। इसका जीवनकाल करीब 12 से 15 साल तक का होता है। इनका वजन लगभग 400-475 किलो तक हो सकता है। अपने जीवनकाल में ये गाय 6 से 12 बच्चे पैदा कर सकती हैं।

आरपीएफ डीबी कसार को पुलिस मेडल

रेलमंत्री वैष्णव ने किया सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के महानिरीक्षक देवेंद्रनाथ बी. कसार को रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रपति पुलिस मेडल (पीपीएम) से सम्मानित किया है। कसार उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर और अजमेर मंडल के पूर्व कमांडेंट पद पर भी कार्य कर चुके हैं। कसार ऑल इंडिया आरपीएफ सर्विस के 1990 बैच के सीनियर ऑफिसर हैं। वे अभी साउथ ईस्ट रेलवे के आईजी-कम-प्रिंसिपल चीफ सिक्योरिटी कमिश्नर हैं। कसार को 26/11 के मुंबई में आतंकवादी हमले के दौरान शुरू किए 'ऑपरेशन ईगल' के लिए देशभर में जाना जाता है। उन्होंने बिहार/झारखंड में बढ़ रही बच्चों की तस्करी को रोकने के लिए देशभर में 'नन्हे फरिश्ते' अभियान, ट्रेनों में महिला सुरक्षा के लिए 'मेरी सहेली' अभियान, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ऑपरेशन रिवर फ्लो की शुरुआत की। वर्तमान में रेलवे इन सभी अभियानों को देशभर में संचालित करता है। हाल ही में उन पर आरपीएफ जवान की पत्नी ने अश्लील बातें करने का आरोप लगाया था। हालांकि उच्च स्तरीय जांच कमेटी ने मामला झूठा होने पर उन्हें क्लीन चिट दी थी। कसार को डीजी मेडल, इंडियन पुलिस मेडल सहित कई सम्मान मिल चुके हैं।

ANCHOR

रिपोर्ट कार्ड समेत रेकॉर्ड होगा डिजिटल

स्कूल में विद्यार्थियों की हाजरी भी ऑनलाइन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बिजली, इंटरनेट की व्यवस्था के साथ अब शिक्षकों की भांति विद्यार्थियों की भी ऑनलाइन हाजरी लेने की व्यवस्था शुरू करने की तैयारी है। साथ ही ऑनलाइन रिपोर्ट कार्ड समेत कई तरह के नवाचारों पर विचार चल रहा है। इस संबंध में शीघ्र ही उच्च स्तरीय बैठक होगी। इसमें इन सभी नवाचारों को अंतिम रूप दिय जाएगा।

शिक्षा विभाग में सभी शिक्षकों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण देने के साथ ही दस हजार के करीब कम्प्यूटर शिक्षकों की भर्ती की जा रही है। प्रदेश के सभी सरकारी विद्यालयों को ऑफिस कार्य के लिए कम्प्यूटर दिए हुए है। माध्यमिक शिक्षा के करीब 15 हजार स्कूलों में से 10 हजार 500 में कम्प्यूटर लैब भी स्थापित है। दूर-दराज की ढाणियों के विद्यालयों को छोड़कर शेष में बिजली कनेक्शन हो चुके है। सरकार ने ग्रीष्मावकाश के दौरान ही शतप्रतिशत स्कूलों में बिजली कनेक्शन के लिए जिला कलक्टरों को निर्देश भी दे रखे है। अब शिक्षा विभाग इससे आगे कदम बढ़ाते हुए नए शिक्षा सत्र से स्कूलों में ऑनलाइन और डिजिटल रेकॉर्ड रखने की व्यवस्था लागू करेगा। प्रदेश में करीब 65 हजार सरकारी विद्यालय संचालित हो रहे है।

नवाचार करने पर चल रहा विचार

शाला दर्पण के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी की उपिस्थति ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। इससे फर्जी नामांकन और विद्यालयों में छात्र उपिस्थति की अधिकारी मॉनिटरिंग कर सकेंगे।- बोर्ड की भांति अब सभी स्कूली कक्षाओं के विद्यार्थियों का रिपोर्ट कार्ड या अंक तालिका भी ऑनलाइन तैयार होगी। जिससे विद्यार्थी परीक्षा परिणाम जारी होते ही देख सकेंगे। विद्यालयों में एल्युमिनि मीट शुरू कर पूर्व विद्यार्थियों का सहयोग लेने की व्यवस्था शुरू की जा चुकी है। अब विद्यालय का स्थापना दिवस भी मनाने की शुरुआत की जाएगी।- विद्यालयों की रैंकिंग ब्लॉक व जिलेवार निर्धारित की जाएगी। इससे शिक्षा में गुणात्मक सुधार होगा। स्कूलों के रेकॉर्ड का भी डिजिटल फार्मेट में रखना शुरू किया जाएगा। विद्यार्थियों को नए शिक्षा सत्र से स्कूल पोशाक दी जानी है। इसके लिए व्यवस्था तय की जाएगी कि स्कलों को कपड़ा और सिलाई का बजट दिया जाए अथवा अन्य कोई व्यवस्था की जाए। कक्षा 6 से 8 तक के लिए व्यावसायिक शिक्षा की शुरुआत करना।

जल सम्मेलन: भारत सरकार के केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने किया भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

2024 तक भारत के प्रत्येक ग्रामीण घर को घरेलू जल कनेक्शन प्रदान करना है...

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली / जोधपुर। तजाकिस्तान गणराज्य की सरकार संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से दुशांबे में 6 से 9 जून, 2022 तक संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से सतत विकास के लिए जल, 2018 कार्रवाई के लिए अंतर्राष्ट्रीय दशक पर दूसरा उच्च स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रही है। -2028 शीर्षक स्थानीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर जल कार्रवाई और साझेदारी को उत्प्रेरित करना।

सम्मेलन की सह-अध्यक्षता ताजिकिस्तान गणराज्य के प्रधान मंत्री और आर्थिक और सामाजिक मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव द्वारा की गई। इस सम्मेलन में लगभग 70 देशों के 2000 प्रतिनिधियों के भाग लिया है।

तजाकिस्तान के दुशान्बे में आयोजित दूसरे वॉटर प्रोसेस कॉन्फ्रेंस में भारत सरकार की और से जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन विभाग से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संबोधित करते हुए कहा कि हमने जल जीवन मिशन शुरू किया इसका उद्देश्य सुरक्षित पेयजल की मात्रा, गुणवत्ता और विश्वसनीयता पर ध्यान केंद्रित करने के साथ 2024 तक भारत के प्रत्येक ग्रामीण घर को एक कार्यात्मक घरेलू नल जल कनेक्शन प्रदान करना है। 96 लाख से अधिक घरों को नल के पानी के कनेक्शन प्रदान करके हमने 50 प्रतिशत से अधिक पहले ही हासिल कर लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों में अपनी पोजिशन न केवल बेहतर की है बल्कि हम एक लीडर की तरह देखे जाने लगे हैं। जल और स्वच्छता के क्षेत्र में भारत ने नए आयाम रचे हैं। जल के विषय में हमने निर्धारित समयावधि से पहले लक्ष्य पूरे किए। नया भारत वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा की सोच से आगे बढ़ रहा है और सहायता को भी तत्पर है। शेखावत ने कोविड के बाद की दुनिया की चुनौतियों का जवाब देने के लिए जल स्वास्थ्य नेक्सस बढ़ाना विषयक पैनल में उद्घाटन भाषण दिया। और जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से पानी और स्वच्छता के मुद्दों को संबोधित करने की भारत की यात्रा को साझा किया, जो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। अंत में समग्र स्वच्छता और कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शनों के सार्वभौमिक कवरेज को प्राप्त करने की भारत की यात्रा की सीख प्रदान करके दूसरों की सहायता करने और उनके साथ भागीदारी करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराया। साथ ही दुनिया के अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने के लिए उत्सुक हैं।

शेखावत ने विश्व पर्यावरण दिवस पर तजाकिस्तान की वैक्श नदी पर बने कभी दुनिया के सबसे ऊंचे बांध रहे न्यूरेक का जायजा लिया। वहा कार्यरत विशेषज्ञों और अधिकारियों से इस बांध की तकनीकी के बारे में जाना। यहां बने पॉवर प्लांट से 3000 मेगावॉट तक बिजली बनाई जा सकती है। आरडी और जीआर ताजिकिस्तान में भारत के दूतावास मौजूद रहे।